राष्ट्रीय दैनिक

प्रात: किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 संयुक्त परिवार वटवृक्ष का छांव : हर्ष मल्होत्रा....

सचिन सिवाच ने कनाडा के अल- अहमदिएह.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 67 | नई दिल्ली, सोमवार, 27 जुलाई , 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 41.0°C
न्यूनतम तापमान 29.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	75%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,47,400

चांदी 2,40,000

सेंसेक्स 76,922.64

निफ्टी 24,005.85

संक्षिप्त खबरें

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर बोले मुरली मनोहर जोशीदेर आए दुरुस्त आए

नई दिल्ली। पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, देर आए, दुरुस्त आए। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री इस पर जल्द ही समयोचित निर्णय लेंगे। शनिवार को मुरली मनोहर जोशी ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों को शांतिपूर्वक आंदोलन समाप्त करने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अब भारतीय शिक्षा जगत में जल्द शांति स्थापित होगी और छात्रों को अपने उज्ज्वल भविष्य तथा प्रगति के लिए व्यापक अवसर प्राप्त होंगे।

सभी मेट्रो स्टेशनों के एंट्री गेट खुले: डीएमआरसी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के सभी मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश द्वार (एंट्री गेट) अब खुल गए हैं। इनमें राजीव चौक, मंडी हाउस और वे सभी स्टेशन शामिल हैं, जहाँ छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पहले प्रवेश बंद कर दिया गया था। डीएमआरसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, ह्वदिल्ली मेट्रो नेटवर्क के सभी मेट्रो स्टेशनों के एंट्री गेट अब खुल गए हैं।ह्व यह कदम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और केंद्र सरकार के साथ बातचीत के बाद जंतर-मंतर पर हड़ताल खत्म करने की घोषणा के बाद उठाया गया है। पिछले तीन दिनों में सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए सरकार ने कई मेट्रो स्टेशनों के गेट बंद कर दिए थे, जिनमें राजीव चौक, मंडी हाउस, बाराखंभा रोड और सेंट्रल दिल्ली इलाके के आस-पास के 15 अन्य स्टेशन शामिल थे। 18 मेट्रो स्टेशनों के बंद होने के बावजूद, बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी (जिनमें युवा, माता-पिता, डॉक्टर और वकील शामिल थे) जंतर-मंतर पर इकट्ठा होते रहे। यह सब सोमवार (20 जुलाई) को काफी हद तक शांतिपूर्ण चलो संसद मार्च में भाग लेने वाले छात्रों और पुलिस के बीच हुई कथित झड़पों के बाद हुआ।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता का बड़ा बयान

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए उनके कार्यकाल की सराहना की और कहा कि उन्होंने देश की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। रेखा गुप्ता ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान ने अपने सार्वजनिक जीवन में हर जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी, समर्पण और निष्ठा के साथ निभाया है। उन्होंने शिक्षा मंत्री के रूप में कई ऐसे फैसले लिए, जिनका लाभ देश के लाखों छात्रों को मिला। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को प्रभावी ढंग से लागू करने में धर्मेंद्र प्रधान की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही। उनके नेतृत्व में शिक्षा क्षेत्र में व्यापक सुधारों को गति मिली और नई शिक्षा नीति को देशभर में लागू करने की दिशा में कई अहम कदम उठाए गए। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं में शिक्षा को बढ़ावा देने, तकनीकी शिक्षा के विस्तार, उच्च शिक्षा संस्थानों को मजबूत करने तथा छात्रों के लिए नए अवसर उपलब्ध कराने में धर्मेंद्र प्रधान का योगदान उल्लेखनीय रहा है। रेखा गुप्ता ने आगे कहा कि धर्मेंद्र प्रधान ने हमेशा राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखा। उनके अनुसार, शिक्षा मंत्री के रूप में लिए गए कई फैसलों ने देश की शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और रोजगारोन्मुख बनाने में मदद की। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं में पढ़ाई को प्रोत्साहित करने और छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में उनके प्रयास लंबे समय तक याद किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में यह भी कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा सार्वजनिक जीवन में नैतिकता, गरिमा और जवाबदेही का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनभावनाओं का सम्मान सर्वोपरि होता है और प्रधान ने अपने निर्णय से इसी भावना का परिचय दिया है। रेखा गुप्ता ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वह आगे भी राष्ट्र निर्माण और जनसेवा के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। गौरतलब है कि देशभर में छात्रों के विरोध प्रदर्शन और नीट पेपर लीक विवाद को लेकर बढ़ते राजनीतिक दबाव के बीच धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने के बाद उन्होंने कहा कि यह उनके लिए किसी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी का विषय है। उन्होंने पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाओं पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि छात्रों का विश्वास बनाए रखना सरकार और शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

यंग इनोवेटर्स ने वो किया जो असंभव लगता था मन की बात

पीएम बोले- युवाओं ने देश का मान बढ़ाया

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 136वें एपिसोड को संबोधित किया। उन्होंने सबसे पहले कारगिल विजय दिवस का जिक्र करते हुए वीर जवानों को नमन किया। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस ऐसी तारीख है, जिसे याद रखने के लिए दिन याद रखने की जरूरत नहीं होती। पीएम ने देश के युवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा- हमारे युवा भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। साइंस ओलंपियाड दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से हैं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र हिस्सा लेते हैं। इस महीने फिजिक्स , कैमेस्ट्री, बायोलॉजी और मैथ के ओलंपियाड हुए। इनमें भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री ने कहा- पिछले रविवार विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण था। हम सभी ने भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के इस ऐतिहासिक पल को देखा। यह प्राइवेट सेक्टर द्वारा विकसित भारत का पहला रॉकेट है। हमारे युवा इनोवेटर्स ने वह कर दिखाया, जो कभी लगभग असंभव लगता था। उन्होंने अपने असाधारण कौशल, जुनून और धैर्य का परिचय दिया।

पीएम के 'मन की बात' की 10 बड़ी बातें

कारगिल विजय दिवस: पीएम ने कहा- यह ऐसी तारीख है, जिसे दिन याद रखे बिना भी याद रखा जाता है। कारगिल में जवानों ने हर चुनौती के बावजूद हार नहीं मानी। दिल्ली से द्रास तक शौर्य विजय यात्रा निकाली जा रही है।

व्हर महेंद्रगिरी और पिनाका: पीएम ने कहा- भारत रक्षा तकनीक में तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी युद्धपोत व्हर महेंद्रगिरी नौसेना में शामिल हुआ और पिनाका मिसाइल का भी सफल लॉन्च हुआ।

कैच द रेन और जल संरक्षण: पीएम ने कहा कि जहां पानी गिरे, उसे वहीं रोकना चाहिए। मध्य प्रदेश में 4 हजार तालाब बने और कई राज्यों ने इस अभियान में हिस्सा लिया। आज बचाई गई पानी की हर बूंद भविष्य की पूंजी है।

कॉमनवेल्थ गेम्स और खिलाड़ियों की उपलब्धियां: मोदी ने कहा- ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने की अपील की। पीवी सिंधु के जापान ओपन जीतने और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की टेस्ट जीत का जिक्र किया।

विक्रम-1 और युवा इनोवेटर्स: पीएम ने कहा- विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण भारत के स्पेस सेक्टर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह निजी क्षेत्र का पहला रॉकेट है और युवाओं ने वह कर दिखाया, जो कभी असंभव लगता था।

साइंस ओलंपियाड: पीएम ने कहा- भारतीय छात्रों ने फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी और मैथ्स ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान: पीएम ने अहमदाबाद में एक घंटे में 3.5 लाख और यूपी में एक दिन में 35 करोड़ से ज्यादा पौधे लगाए जाने का जिक्र किया। लोगों से प्रकृति संरक्षण में भागीदारी की अपील की।

प्लास्टिक मुक्त भारत: पीएम ने बिहार के सीतामढ़ी में प्लास्टिक कचरे से बेंच बनाने की पहल का उदाहरण दिया। गणेशोत्सव पर पीओपी और प्लास्टिक की बजाय मिट्टी की गणेश प्रतिमा अपनाने की अपील दोहराई।

लोकल प्रोडक्ट्स, हैंडलूम और खादी: पीएम ने कश्मीर की वागु चटाई, बिजनौर की हर्बल चाय, नेशनल हैंडलूम डे और खादी की बढ़ती बिक्री का जिक्र करते हुए लोकल उत्पाद खरीदने की अपील की।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और हर घर तिरंगा: पीएम मोदी ने कलाम को याद किया, गुरु पूर्णिमा और स्वतंत्रता दिवस का जिक्र करते हुए 'हर घर तिरंगा' अभियान में शामिल होने का आह्वान किया।

अमित शाह का बड़ा बयान

पद से ज्यादा देश का युवा जरूरी.. गिनाईं धर्मेंद्र प्रधान की 4 साल की बड़ी उपलब्धियां

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के लिए देश, देशवासी और युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। बीजेपी कार्यकताओं के लिए देश, हमारे युवा और छात्र किसी भी पद से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। आज केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का अपने पद से इस्तीफा इसी सिद्धांत का उदाहरण है। मोदी सरकार देश के युवाओं की भावनाओं का सम्मान करती है और पेपर लीक के खिलाफ जरूरी सुधार लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। पेपर लीक के दोषियों को सख्त सजा दिलाने के लिए पीएम मोदी द्वारा लिए गए फैसले तारीफ के काबिल हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि ये कदम ठएएळ परीक्षा में सफल होने वाले छात्रों को पूरा न्याय दिलाएंगे।

अमित शाह ने गिनाए धर्मेंद्र प्रधान के कार्य

अमित शाह ने आगे धर्मेंद्र प्रधान की उपलब्धियां गिनाते हुए लिखा, ह्वअपने कार्यकाल के दौरान, धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (ठएढ) को प्रभावी ढंग से लागू करने, मातृभाषा में परीक्षा की व्यवस्था करने, पीएम श्री स्कूलों का विस्तार करने, डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने, कौशल विकास और उद्योग-शिक्षा जगत के बीच तालमेल को मजबूत करने में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं।ह्व परीक्षा प्रणाली को और अधिक समावेशी और छात्र-केंद्रित बनाने की दिशा में उनके प्रयास भी उल्लेखनीय रहे हैं। उनका कार्यकाल भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण है। जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। प्रधान ने कहा कि राष्ट्रसेवा मेरे जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

राष्ट्रपति यूरोप के तीन देशों की यात्रा कर स्वदेश लौटीं

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु यूरोप के तीन देशों की यात्रा पूरी करने के बाद रविवार को दिल्ली लौट आईं। राष्ट्रपति के आधिकारक एक्स हैंडल पर यह जानकारी साझा की गई। उनकी यह यात्रा भारत के साथ इन देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से हुई। राष्ट्रपति ने अपनी यात्रा की शुरूआत 20 जुलाई को मोल्दोवा से की। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की मोल्दोवा की पहली यात्रा रही। राष्ट्रपति मुर्मु इसके बाद 21 और 22 जुलाई को उत्तरी मैसेडोनिया के दौरे पर रहीं। राष्ट्रपति ने उत्तरी मैसेडोनिया की संसद को भी संबोधित किया और भारत-उत्तरी मैसेडोनिया बिजनेस फोरम के उद्घाटन सत्र में भी हिस्सा लिया। यात्रा के अंतिम चरण में राष्ट्रपति मुर्मु 23 जुलाई को रोमानिया पहुंचीं। तीन दशक से ज्यादा समय में यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की रोमानिया की पहली यात्रा रही। इस दौरान भारत और रोमानिया ने अगले तीन वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने पर सहमति जताई। दोनों देशों ने रक्षा समेत कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग मजबूत करने पर भी चर्चा की। स्वदेश रवाना होने से पहले राष्ट्रपति ने शनिवार को रोमानिया में भारतीय समुदाय और फ्रेंड्स ऑफ इंडिया संगठन के सदस्यों से भी मुलाकात की। इस दौरे में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया, सांसद दिनेश शर्मा और सांसद विजय बघेल भी राष्ट्रपति के साथ रहे।

प्रल्हाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार शाम श्री धर्मेंद्र प्रधान का मंत्रिमंडल से इस्तीफा स्वीकार कर लिया। उनकी जगह उपभोक्ता एवं खाद्य मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। श्री प्रधान ने आज अपराह्न शिक्षा मंत्री के पद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा भेजा था। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, श्रीमती मुर्मू ने प्रधानमंत्री की सलाह पर तत्काल प्रभाव से श्री प्रधान का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री की सलाह पर श्री जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। श्री प्रधान 07 जुलाई 2021 से शिक्षा मंत्री के पद पर थे। नीट पेपर लीक को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बैनर तले विद्यार्थियों के धरना-प्रदर्शन और विपक्षी दलों के दबाव के बीच श्री प्रधान ने अपने पद से त्यागपत्र दिया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आज दोपहर युवाओं के नाम पोस्ट किये गये एक पत्र में उन्होंने लिखा कि बच्चों के भविष्य और देश विरोधी ताकतों को मौजूदा परिस्थितियों का लाभ उठाने से रोकने के लिए उन्होंने त्यागपत्र दिया है। उन्होंने पत्र में लिखा, जंतर-मंतर पर और देश में जो स्थिति बनी है, इस स्थिति का राष्ट्र विरोधी ताकतें लाभ न उठाएं, देश की एकता बनी रहे, देश के एक भी विद्यार्थी का भविष्य कानूनी पेचीदगियों में न उलझे, हमारे बच्चे अपना समय पढ़ाई में लगाएं, करियर बनाने पर फोकस करें, इसी बात पर विचार करते हुए मैंने अपना त्यागपत्र माननीय प्रधानमंत्री जी को भेज दिया है। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए यह व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है। पिछले 10 दिन का घटनाक्रम देखकर उनका मन दुःखी है। युवाशक्ति को देश की असली ताकत बताते हुए उन्होंने कहा कि वह युवाओं को भ्रम के कुचक्र में फंसने नहीं देंगे। उन्होंने मंत्रिमंडल में मार्गदर्शन, विश्वास और निरंतर सहयोग के लिए श्री मोदी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि वह राष्ट्रसेवा के लिए सदैव समर्पित रहेंगे। नीट पेपर लीक मुद्दे पर श्री प्रधान ने कहा कि उन्होंने पहले दिन से ही जिम्मेदारी ली है और कभी परिस्थिति से मुंह नहीं मोड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक के बाद कई छात्रों को गुमराह करने के लिए ह्वजिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्तियोंह्व ने बाधा डालने की कोशिश की। उन्होंने लिखा, ह्वमेरा यह संकल्प था कि हम किसी भी मेधावी छात्र की संभावना परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देंगे, किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे।ह्व शिक्षा मंत्री ने कहा कि गत 03 मई को नीट परीक्षा में अनियमितता की बात सामने आने के बाद सरकार ने तुरंत संज्ञान लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद्द किया तथा पुनः परीक्षा की तिथि घोषित की गई।

डूरंड कप : साहल के गोल से मोहन बागान ने ईस्ट बंगाल को 1-0 से हराया

- साहल अब्दुल समद का निर्णायक गोल, गोलकीपर विशाल कैथ ने शानदार बचाव कर दिलाई जीत

कोलकाता। डूरंड कप के उद्घाटन मुकाबले में मोहन बागान सुपर जायंट ने चिर प्रतिद्वंद्वी ईस्ट बंगाल को 1-0 से हराकर टूनार्मेंट का विजई आगाज किया। शनिवार को साल्ट लेक स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक कोलकाता डर्बी में साहल अब्दुल समद का दूसरे हाफ में किया गया गोल निर्णायक साबित हुआ, जबकि गोलकीपर विशाल कैथ ने कई शानदार बचाव कर टीम की बढ़त अंत तक कायम रखी। मुकाबले का एकमात्र गोल 52वें मिनट में आया। मोहन बागान के युवा खिलाड़ी कियान नासिरी ने ईस्ट बंगाल के पेनाल्टी क्षेत्र के किनारे गेंद छीनकर शानदार मूव बनाया और गेंद को गोल क्षेत्र में पहुंचाया। मनवीर सिंह बैकहील से उसे दिशा नहीं दे सके, लेकिन ढीली गेंद पर साहल अब्दुल समद ने बिना किसी गलती के गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। यूनान के नए मुख्य कोच पनायोटिस दिलबेरिस के लिए यह जीत यादगार शुरूआत रही। उनकी टीम पूरे मुकाबले में रक्षात्मक रूप से बेहद संगठित नजर आई। कप्तान जैसी भूमिका निभाते हुए गोलकीपर विशाल कैथ ने रक्षा पंक्ति का शानदार नेतृत्व किया, जबकि राहुल भेके की अगुवाई में रक्षापंक्ति ने ईस्ट बंगाल के लगातार हमलों को विफल किया। दूसरी ओर, ईस्ट बंगाल के नए मुख्य कोच एंटोनियो हाबास का पहला मुकाबला हार के साथ समाप्त हुआ। हालांकि दूसरे हाफ में उनकी टीम ने बेहतर खेल दिखाया और बराबरी के लिए लगातार दबाव बनाया। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। मोहन बागान ने गेंद पर अधिक नियंत्रण रखा, जबकि ईस्ट बंगाल ने जवाबी हमलों से अवसर बनाने की कोशिश की। दोनों टीमों की मजबूत रक्षापंक्ति के कारण मध्यांतर तक कोई गोल नहीं हो सका। मुकाबले के अंतिम 15 मिनट में ईस्ट बंगाल ने लगातार आक्रामक खेल दिखाया।

-कोलकाता में आयोजित सेमिनार में पूर्व सेना प्रमुख ने सैन्य आधुनिकीकरण और तकनीकी क्षमता बढ़ाने पर दिया जोर

सशस्त्र बल हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार: राजनाथ

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को 27वें कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर द्रास में आयोजित एक स्मृति समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि दुश्मन की ओर से लगातार छद्म युद्ध और घुसपैठ की कोशिशों के बावजूद भारतीय सशस्त्र बल ह्वहर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयारह्व हैं। 1999 के कारगिल युद्ध के वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन विजय के दौरान प्रदर्शित साहस, संकल्प और देशभक्ति आज भी सशस्त्र बलों और पूरे राष्ट्र को प्रेरित करती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जब तक देश के सैनिकों का अटूट संकल्प और राष्ट्रभक्ति कायम है, तब तक भारत की सुरक्षा सुनिश्चित रहेगी। कारगिल विजय को स्मरण करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि देश के सामने सुरक्षा चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। उन्होंने सैनिकों के कल्याण और रक्षा आधुनिकीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि सेना को विश्वस्तरीय हथियारों, प्रशिक्षण और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से सुसज्जित किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की बढ़ती प्रगति भविष्य में भारतीय सशस्त्र बलों को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में शामिल करेगी। दिनभर चले कार्यक्रमों में कारगिल युद्ध स्मारक पर आयोजित ह्वशौर्य संध्याह्व शामिल रही, जहां कारगिल के वीरों के परिजनों का सम्मान किया गया, सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित हुई और रक्षा मंत्री ने स्मारक पर दीप प्रज्वलित कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं युद्ध संस्मरण कार्यक्रम में युद्ध के पूर्व सैनिकों और शहीदों के परिजनों ने भाग लिया तथा ऑपरेशन विजय के वीरों की वीरगाथाओं को प्रदर्शित किया गया। समारोहों के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ ड्रोन, रोबोटिक म्यूल और मार्शल आर्ट प्रदर्शन भी आयोजित किए गए। शौर्य भोज में वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, कारगिल युद्ध के पूर्व सैनिक, वीरता पुरस्कार विजेता, वीर नारियां, शहीदों के परिजन और अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। समारोहों का समापन 26 जुलाई को ह्वश्रद्धांजलि समारोहह्व के साथ होगा, जिसमें रक्षा मंत्री राष्ट्र की ओर से कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले 545 वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इनमें भारतीय सेना के 537 जवान, भारतीय वायुसेना के पांच कर्मी, सीमा सुरक्षा बल का एक जवान तथा दो नागरिक शामिल हैं।

डीआरआई ने 27 किलो से ज्यादा तस्करी का सोना किया जब्त, 12 लोग गिरफ्तार

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए राष्ट्रव्यापी अभियानों में 27 किलोग्राम तस्करी का सोना जब्त किया और 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि डीआरआई ने संगठित सोने की तस्करी करने वाले गिरोहों पर अपनी निरंतर कार्रवाई जारी रखते हुए देशभर में खुफिया जानकारी पर आधारित कई अभियान चलाए हैं। इसके परिणामस्वरूप 27 किलोग्राम से अधिक विदेशी मूल का तस्करी सोना जब्त किया गया, जबकि 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि इन अभियानों में सोने को छिपाने के परिष्कृत तरीकों का खुलासा हुआ, जिनमें विमान के शौचालयों के अंदर, वाहनों और बर्तनों में विशेष रूप से निर्मित गुप्त गुहाओं और शरीर के भीतर छुपाने के तरीके भी शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि मुंबई स्थित डीआरआई अधिकारियों ने 23-24 जुलाई को 12 किलोग्राम वजन के 6 विदेशी मूल की सोने की ईंटें बरामद कीं। वित्त मंत्रालय के मुताबिक डीआरआई के अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश में ब्रह्मपुत्र मेल में यात्रा कर रही महिला से 5 किलोग्राम वजन की 42 विदेशी मूल की सोने की ईंटें बरामद कीं। इसके साथ 22-23 जुलाई को मुंबई हवाई अड्डे पर 3.7 किलोग्राम सोने की धूल जब्त की गई और वाहक, सफाई कर्मचारी, हैंडलर और प्राप्तकर्ता सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा 19-20 जुलाई डीआरआई के अधिकारियों ने कोलकाता रेलवे स्टेशन पर एक यात्री को रोका और विशेष रूप से निर्मित बर्तनों के अंदर चतुराई से छिपाए गए 4.6 किलोग्राम विदेशी मूल के सोने को बरामद किया। जांच में पता चला कि तस्करी का यह सोना म्यांमार के रास्ते भारत में तस्करी करके लाया गया था। सोना जब्त कर लिया गया और यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया। इस तरह डीआरआई ने कुल देशव्यापी अभियानों में 27 किलोग्राम तस्करी का सोना जब्त किया और 12 लोगों को गिरफ्तार किया है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, सोमवार, 27 जुलाई, 2026

संक्षिप्त समाचार

पिथौरागढ़ एसबीआई में खोला गया खाता बना साइबर ठगी का जरिया, देश भर में 99 प्राथमिकी दर्ज

पिथौरागढ़, एजेंसी। सीमांत जिले में साइबर ठगी से जुड़ा बड़ा मामला सामने आया है। पिथौरागढ़ एसबीआई की मुख्य शाखा में एनजीओ के खाते को साइबर ठगी का जरिया बनाया गया है। जब इस खाते से करोड़ों का लेनदेन हुआ तो साइबर सेल और पुलिस की नजर इस पर पड़ी है। छानबीन हुई तो पता चला कि इस खाते में साइबर ठगी की रकम के लेनदेन होने पर देश भर में 99 प्राथमिकी दर्ज हैं। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। कोतवाल ललित मोहन जोशी ने बताया कि भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की तरफ से समन्वय पोर्टल पर पूरे देश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों और संस्थाओं ने साइबर अपराध का डाटा साझा किया। डाटा की जांच हुई तो पिथौरागढ़ एसबीआई में एनजीओ के नाम से खोले गए खाते में करोड़ों के लेनदेन से साइबर सेल और पुलिस भी हैरत में पड़ गई। खाता संख्या 10886654393 का सत्यापन कराया गया तो यह स्वाति ग्रामोद्योग संस्थान धारचूला रोड, कैलाशपुरी, पिथौरागढ़ के नाम दर्ज है। इस बैंक खाते को राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर सर्च किया गया तो यह विवरण मिला।

कोतवाल ललित मोहन जोशी ने बताया कि जब संबंधित खाते में करोड़ों के लेनदेन का पता चला तो एनजीओ संचालकों को तलब किया गया। एनजीओ से जुड़े लोगों ने कहा कि हमें इस लेनदेन की कोई जानकारी नहीं है। ऐसे में पुलिस को इस खाते से जुड़ी सच्चाई सामने लाने में कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। कोतवाल ने कहा कि खाते में लेनदेन से संबंधित हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है।

धारचूला में बिजली चोरी पर एक कंपनी और तीन लोगों पर प्राथमिकी

धारचूला, एजेंसी। यूपीसीएल (उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड) ने बिजली चोरी के मामले में एक कंपनी के साथ ही तीन अन्य सहित चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। उपखंड अधिकारी अनुज त्रिपाठी ने बताया कि बिजली चोरी रोकने के लिए टीम ने चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान दोबाट के पास सड़क निर्माण की कंपनी हिलवेज की तीन कोर केबल के जरिए बिजली चोरी पकड़ी गई। अधिकारियों ने हिलवेज कंस्ट्रक्शन एंड कंपनी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। इसके अलावा टीम ने तांथर में कल्याण सिंह, महेंद्र सिंह और जलघर, खोतिला में भूपाल बहादुर के खिलाफ बिजली चोरी के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

बाइक रपटने से युवक घायल, हायर सेंटर रेफर

पिथौरागढ़, एजेंसी। कनालीछीना–ख्वांतड़ी सड़क पर बाइक रपटने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक, ख्वांतड़ी निवासी 25 वर्षीय जतिन सामंत अपने घर से बाइक में सवार होकर कनालीछीना के लिए निकला। इस दौरान रास्ते में उसकी बाइक रपट गई और वह अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया। घटना के बाद परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। इमरजेंसी में तैनात एमओ डॉ. ईश्वर ने घायल का प्राथमिक इलाज किया। उन्होंने बताया कि उसके सिर में गंभीर चोट है। ऐसे में उसे हायर सेंटर रेफर किया गया।

आईटीआई में प्रवेश के लिए आज जारी होगी मेरिट

हल्द्वानी, एजेंसी। व्यावसायिक परीक्षा परिषद, उत्तराखंड ने राजकीय आईटीआई में प्रवेश सत्र 2026–27 के लिए ऑनलाइन आवेदन एवं काउंसिलिंग की प्रक्रिया पूरी कर दी है। संयुक्त निदेशक मयंक अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए शैक्षिक योग्यता की मेरिट के आधार पर अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। संयुक्त निदेशक के अनुसार राज्य स्तरीय मेरिट सूची आज जारी की जाएगी। अभ्यर्थी 27 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन विकल्प भर सकेंगे। प्रथम काउंसिलिंग के तहत व्यवसाय एवं संस्थान का आवंटन चार अगस्त को किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थी 4 अगस्त से 10 अगस्त तक संबंधित संस्थान में प्रवेश ले सकेंगे।

यूओयू में गुणवत्ता संवर्धन, शैक्षणिक उत्कृष्टता पर लिए कई निर्णय

हल्द्वानी, एजेंसी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन केंद्र (सीईक्यूए) की बैठक शनिवार को विश्वविद्यालय मुख्यालय में कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में गुणवत्ता संवर्धन, शैक्षणिक उत्कृष्टता, नई शिक्षा नीति पर चर्चा के साथ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में कुलपति प्रो. लोहनी के एक वर्ष के कार्यकाल के कार्यों पर आधारित वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया। साथ ही प्रगति, परिवर्तन और नई ऊंचाइयां शीर्षक प्रगति आख्या का लोकार्पण किया गया। अनुसंधान निदेशक प्रो. गिरिजा पांडे ने विश्वविद्यालय की प्रगति पर प्रकाश डाला। सीआईक्यूए के अपर निदेशक प्रो. गगन सिंह ने पिछले एक वर्ष की उपलब्धि, शिक्षक विकास कार्यक्रम और गुणवत्ता नीतियों का ब्योरा दिया। कुलपति प्रो. लोहनी ने आगामी वर्ष में गुणवत्ता आश्वासन, डिजिटल परिवर्तन, शोध, कौशल विकास और छात्र सहायता सेवाओं के विस्तार पर बल देने की बात कही। यहां प्रो. गगन सिंह, संचालन डॉ. शशांक शुक्ल आदि रहे।

फर्जी अवकाश आदेश वायरल, डीएम ने लिया एक्शन, एसएसपी को कार्रवाई के निर्देश

रुद्रपुर, एजेंसी। उधम सिंह नगर में विद्यालयों में अवकाश को लेकर सोशल मीडिया पर फर्जी आदेश वायरल होने का मामला सामने आया है. सरकारी आदेश में कथित तौर पर छेड़छाड़ कर उसे दोबारा प्रसारित किया गया, जिससे अभिभावकों और विद्यार्थियों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई. मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं. उधम सिंह नगर में विद्यालयों के अवकाश को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल किए गए फर्जी आदेश ने जिला प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है. सरकारी आदेश में कथित तौर पर छेड़छाड़ कर उसे नए आदेश के रूप में वायरल किए जाने के बाद जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया है. उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को पत्र भेजकर

पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने और फर्जी आदेश तैयार कर उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित करने वाले अज्ञात व्यक्तियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं. जिलाधिकारी कार्यालय से 22 जुलाई 2026 को जारी पत्र के अनुसार, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) देहरादून द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान को देखते हुए जिला प्रशासन ने 19 जुलाई 2026 को एक आधिकारिक आदेश जारी किया था. इस आदेश के तहत जिले के सभी राजकीय, परिषदीय, सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में नर्सरी से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों के लिए 20 जुलाई 2026 को एक दिन का अवकाश घोषित किया गया था. यह आदेश संभावित खराब मौसम और विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया था. प्रशासन के अनुसार, इसी मूल आदेश के साथ किसी अज्ञात व्यक्ति ने डिजिटल रूप से छेड़छाड़ की. आदेश संख्या और तिथि में बदलाव करते हुए इसे इस प्रकार तैयार किया गया कि 21 जुलाई 2026 को भी विद्यालयों में अवकाश घोषित होने का भ्रम पैदा हो. इसके बाद इस फर्जी आदेश को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अन्य माध्यमों से तेजी से वायरल कर दिया गया. देखते ही देखते यह संदेश बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच गया, जिससे अभिभावकों, विद्यार्थियों और विद्यालय प्रबंधन के बीच असमंजस की स्थिति बन गई. जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने अपने पत्र में स्पष्ट कहा है कि किसी सरकारी दस्तावेज या आदेश में छेड़छाड़ कर उसे सार्वजनिक करना गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है. ऐसी हरकत न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि इससे सरकारी व्यवस्था और आम जनता के बीच भ्रम की स्थिति भी उत्पन्न होती है. उन्होंने एसएसपी को निर्देश दिए हैं कि साइबर माध्यमों सहित सभी पहलुओं की गहन जांच कर दोषियों की पहचान की जाए और उनके खिलाफ प्रचलित कानूनों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाए. प्रशासन का मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस तरह की फर्जी सूचनाओं का प्रसार समाज में अफवाह फैलाने और प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास है.

इसलिए ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई आवश्यक है, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति सरकारी आदेशों के साथ छेड़छाड़ कर जनता को गुमराह करने का साहस न कर सके. जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से भी विशेष अपील की है कि किसी भी सरकारी आदेश, सूचना या अवकाश संबंधी संदेश पर विश्वास करने से पहले उसकी आधिकारिक पुष्टि अवश्य करें. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि केवल जिला प्रशासन, सूचना विभाग और संबंधित विभागों के आधिकारिक माध्यमों से जारी आदेश ही मान्य होंगे.

सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले अपुष्ट, संदिग्ध या बिना स्रोत वाले संदेशों को आगे साझा करने से बचना चाहिए. प्रशासन का कहना है कि जागरूकता और सतर्कता के माध्यम से ही अफवाहों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है और समाज में अनावश्यक भ्रम की स्थिति से बचा जा सकता है.

इंतजार खत्मः उत्तराखंड संयुक्त बीएड और एमएड प्रवेश परीक्षा 16 को, इस लिंक के माध्यम से कर सकते हैं पंजीकरण

अल्मोड़ा, एजेंसी। 16 अगस्त को राज्य स्तरीय संयुक्त बीएड और एमएड परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में शामिल होकर हजारों छात्र-छात्राएं शिक्षक बनने के अपने सपने को पूरा कर सकेंगे। प्रदेश के हजारों युवाओं का शिक्षक बनने का सपना जल्द साकार होगा। 16 अगस्त को होने वाली राज्य स्तरीय संयुक्त बीएड और एमएड परीक्षा में शामिल होकर छात्र- छात्राओं को अपने सपने को नई उड़ान देने का अवसर मिलेगा। इस बार संयुक्त प्रवेश परीक्षा के संचालन की जिम्मेदारी सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय को दी गई है। परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों को सात अगस्त तक ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। 16 अगस्त को आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा में सफल होने के बाद विद्यार्थियों को एसएसजे विवि, कुमाऊं विवि नैनीताल और श्रीदेव सुमन विवि से संबद्ध परिसर, महाविद्यालय और संस्थानों में बीएड और एमएड पाठ्यक्रम में प्रवेश मिलेगा।

हरिद्वार में बैरियर तोड़ मार्केट में घुसी कार, कई वाहनों को मारी टक्कर, लोगों ने कार सवारों की जमकर की धुनाई

हरिद्वार, एजेंसी। हरिद्वार के व्यस्त अपर बाजार क्षेत्र में उस वक्त अफरा तफरी मच गई, जब यूपी नंबर की एक स्विफ्ट कार पुलिस का बैरियर तोड़ते हुए बाजार में घुस गई. आरोप है कि कार ने तेज रफ्तार में कई दोपहिया और अन्य वाहनों को टक्कर मार दी. घटना के बाद स्थानीय लोगों ने कार को रोक लिया और उसमें सवार तीन से चार युवकों को पकड़ लिया. इस दौरान गुस्साए लोगों ने युवकों की जमकर पिटाई भी कर दी और कार में भी तोड़फोड़ की. बताया जा रहा है कि कार सवार युवक नशे की हालत में थे. बैरियर तोड़कर बाजार में प्रवेश करने के बाद उन्होंने कई लोगों और वाहनों को टक्कर मारी, जिससे बाजार में अफरा तफरी की स्थिति बन गई. आसपास मौजूद दुकानदार और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे और कार को घेर लिया. देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए, जिससे कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा. मनसा देवी पैदल मार्ग के पास अपर बाजार में लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. कार को रोककर सबसे पहले कार चालक युवक को बाहर निकाला गया और भीड़

में शामिल गुस्साए लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर डाली. इस दौरान कार में सवार अन्य युवक भागने का प्रयास करने लगे. तत्परता दिखाते हुए भीड़ ने उन युवकों को भी पकड़ लिया. कार चालक के साथ ही अन्य युवकों को भी भीड़ ने दौड़ा दौड़ा कर पीटा. गुस्साए लोगों ने कार के शीशे तक तोड़ डाले. आरोप है कि युवक नशे में धुत्त थे और इसी कारण से उन्होंने भीड़भाड़ वाले अपर बाजार में पोस्ट ऑफिस तिराहे से कार घुसा दी. आरोप है कि युवक इतने नहीं में थे कि उन्हें अन्य वाहन और भीड़ दिखाई नहीं दी. एक कार द्वारा बैरियर तोड़कर अपर बाजार में घुसने की सूचना मिली थी. पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. प्रथम दृष्टया कार चालक के नशे में होने की आशंका है. इस मामले में तहरीर और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

दिसंबर तक के लिए जर्जर राम झूला पुल पर आवाजाही पूरी तरह बंद, बाजारों में पसरा सन्नाटा

ऋषिकेश, एजेंसी। ऋषिकेश में राम झूला पुल अब जर्जर हो चुका है। इसके चलते पुल पर वाहनों की आवाजाही पहले ही बंद थी। अब पुल को मरम्मत कार्य के लिए पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

लोक निर्माण विभाग नरेंद्र नगर ने मरम्मत कार्य के लिए रामझूला पुल को आवाजाही के लिए पूर्ण रूप से बंद कर दिया है। विभाग का कहना है कि दिसंबर माह के अंत तक पुल को आवाजाही के लिए खोल दिया जाएगा।

रामझूला पुल जर्जर स्थिति में था। इसे प्रदेश के असुरक्षित पुलों में भी शामिल किया गया था। लंबे समय से इसकी मरम्मत के लिए कागजी कार्रवाई की जा रही थी। शासन से मरम्मत के लिए करीब 10 करोड़ की धनराशि स्वीकृत होने पर लोनिवि नरेंद्र नगर ने मरम्मत कार्य शुरू किया था।

लोक निर्माण विभाग के अनुसार गंगा नदी के भीतर पुल के 20 पायों (पाइलों) तथा 440 सस्पेंडर्स वायर को बदलने का कार्य किया जा रहा है। विभाग का लक्ष्य दिसंबर तक मरम्मत कार्य पूरा कर पुल को दोबारा खोलना है। वर्ष 1985 में निर्मित 220 मीटर लंबे और 3 मीटर चौड़े इस ऐतिहासिक सस्पेंशन पुल से मुनि की रेती और स्वर्गाश्रम क्षेत्र जुड़े हुए हैं।

रामझूला पुल पर दोपहिया वाहनों का संचालन मुख्य रूप से 17 अगस्त 2023 को भारी बारिश और गंगा में आए उफान के कारण सहायक तार टूटने व दरारें आने के बाद पूरी तरह बंद कर दिया गया था, हालांकि इससे पहले जुलाई 2019 में भी कांवड़ यात्रा के दौरान कुछ समय के लिए दो पहिया वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई गई थी। गंगा के बढ़ते जलस्तर से सपोर्टिंग वायर और फाउंडेशन को नुकसान पूर्व जुलाई 2019 में भी सुरक्षा कारणों से एक दिन के लिए दोपहिया वाहन रोके गए थे।

टिहरी और पौड़ी जनपद सीमा को जोड़ने वाले करीब 92 साल पुराना लक्ष्मणझूला पुल को सुरक्षा की दृष्टि से 13 जुलाई 2019 को आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया था। लक्ष्मणझूला बंद होने से स्थानीय लोगों और पर्यटकों को करीब दो से चार किमी पहले रामझूला और जानकीसेतु से आवाजाही करनी पड़ रही है। लक्ष्मणझूला बंद होने से रामझूला पर दबाव बढ़ गया था।

बेस अस्पताल में शराबी का तांडव...महिलाओं की लाइन में घुसा, गालियां दी; मची अफरातफरी

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी बेस अस्पताल में एक शराबी युवक महिला मरीजों की कतार तोड़कर दवा लेने पहुंच गया। महिलाओं के विरोध पर उसने गाली-गलौज करनी शुरू कर दी, जिससे अस्पताल में अफरातफरी मच गई।

हल्द्वानी बेस अस्पताल में शुक्रवार को एक युवक शराब के नशे में धुत होकर दवा लेने पहुंच गया और महिलाओं की लाइन में घुसने लगा। इससे वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक दोपहर में ओपीडी काउंटर पर दवा लेने आया था। नशे की हालत में वह सीधे महिला मरीजों की लाइन तोड़कर आगे बढ़ने लगा।

महिलाओं ने विरोध किया तो युवक उनसे बहस करने लगा और गालीगलौज पर उतर आया। शोर सुनकर मौके पर तैनात होमगार्ड जवानों और अस्पताल कर्मचारियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया। उन्होंने युवक को लाइन से बाहर निकाला और समझाकर शांत किया। कुछ देर बाद युवक को अस्पताल परिसर से बाहर भेज दिया गया। इस घटना से महिला मरीजों और उनके तीमारदारों में नाराजगी दिखी। बेस अस्पताल के पीएमएस डॉ. मनोज कुमार तिवारी ने कहा कि अस्पताल में किसी भी तरह की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि मरीजों की सुविधा और सुरक्षा के लिए होमगार्ड और सुरक्षा कर्मियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। जो भी व्यक्ति नियम तोड़ेगा या कर्मचारियों से अभद्रता करेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

6000 जवानों के कंधों पर कांवड़ मेले की जिम्मेदारी, ग्राउंड पर डॉग स्कॉयड, ड्रोन से होगी निगरानी

हरिद्वार, एजेंसी। 30 जुलाई से कांवड़ मेले की शुरुआत होने वाली है. पुलिस और जिला प्रशासन ने मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं. इस बार भी शांतिपूर्ण तरीके से कांवड़ मेला सम्पन्न कराया जाएगा. कांवड़ मेले को लेकर पुलिस लाइन रोशनाबाद में ब्रीफिंग की गई. जिसमें गढ़वाल व कुमाऊं रेंज से आए पुलिस अधिकारियों ने मेले की ड्यूटी के लिए आए पुलिस फोर्स को ब्रीफ किया.

कांवड़ मेले में इस बार 6000 से ज्यादा जवानों के कंधों पर सुरक्षा की जिम्मेदारी रहेगी. 13 कंपनी पैरामिलिट्री फोर्स भी तैनात किया जाएगा. सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से कांवड़ मेला क्षेत्र को 18 सुपर जोन, 40 जोन और 141 सेक्टर में बांटा गया है. एसपी सिटी अभय सिंह को कांवड़ मेला के नोडल ऑफिसर बनाया गया. साथ ही ग्रामीण क्षेत्र की

जिम्मेदारी देखेंगे. एसपी देहात शेखर चंद सुयाल को सौंपी गई है. एसपी क्राइम/ट्रैफिक निशा यादव को यातायात प्रबंधन एवं डायवर्जन प्लान का जिम्मा सौंपा गया है. मेले के दौरान चप्पे-चप्पे पर रहेगी नजर. एसपी रैंक से कांस्टेबल रैंक तक के पुलिस ऑफिसर्स तैनात रहेंगे. एसपीओ की मदद ली जाएगी. मेले में 10 ड्रोन कैमरों से संपूर्ण मेला क्षेत्र की कड़ी निगरानी की जाएगी. सीसीटीवी कैमरों से भी नजर रखी जाएगी. मेला क्षेत्र में बीडीएस, डॉग स्कॉयड की 4 टीम नियुक्त की गई हैं. यह मेला क्षेत्र में एक्टिव रहकर हर संदिग्ध व्यक्ति अथवा परिस्थिति से निपटेगी. एडीजी एलओ वी मुरुगेशन ने पिछली कांवड़ यात्रा एवं वर्तमान में प्रचलित चारधाम यात्रा के बीच आने वाले कांवड़ मेला को एक चैलेंज बताया.आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने समस्त पुलिस बल को मेले में असमाजिक तत्वों के प्रति बेहद सचेत रहकर धार्मिक भावनाएं भड़काने वाली संभावनाओं, डीजे में भड़काऊ गाने चलने अथवा सोशल मीडिया में अचानक किसी छोटी घटना को बड़ा रूप दे देने जैसी घटनाओं पर बेहद सतर्क दृष्टि रखते हुए अपनी ड्यूटी का निर्वहन करने हेतु सचेत किया. शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय लोगों से समन्वय स्थापित करने को भी महत्वपूर्ण बताया.आईजी एसटीएफ निलेश आनन्द भरणे ने पूर्ववर्ती कांवड़ मेलों से जुड़े अपने गहरे अनुभव को साझा करते हुए उपस्थित पुलिस बल को आसपास की सभी घटनाओं पर सतर्क दृष्टि बनाए रखने एवं ट्रैफिक प्लान को सुव्यवस्थित तरीके से लागू करने के निर्देश दिए. साथ ही हरकी पैड़ी पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने को कहा है.

कमीशनर गढ़वाल आनंद स्वरूप ने कहा मेला एक धार्मिक मेला है. जिसमें श्रद्धालुगण कोने- कोने से आते हैं. हमें ड्यूटी के साथ- साथ अपने व्यवहार में भी शालीनता रखनी है. शिव भक्तों को उनके गन्तव्य की और रवाना करना है. डीएम मयूर दीक्षित ने ड्यूटी स्थल के आसपास अन्य विभागों के साथ सही संयोजन बनाए रखने एवं आवश्यकता आपस में चर्चा कर निर्णय लिए जाने पर बल दिया. एसएसपी नवनीत सिंह ने मेले में नियुक्त समस्त फोर्स को ब्रीफ करते हुए बताया कि मानसून जारी है. जिस कारण कांवड़ यात्रा काल में निरंतर वर्षा होने की संभावना है. सभी पुलिसकर्मी अपने साथ डंडे के साथ ही टॉर्च व रेन कोर्ट भी रखें. एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कांवड़ यात्रा की लंबी और थकान भरी ड्यूटी के बीच भक्तिभाव को प्राथमिकता देते हुए आक्रोशित भावनाओं पर नियंत्रण आवश्यक है. छोटी घटनाएं कई बार बड़ा रूप ले लेती हैं.

मानवता की सेवा में किया गया रक्तदान हमारे सैनिकों के बलिदान की भावना के समान है : विजेन्द्र गुप्ता

● विधानसभा अध्यक्ष ने रोहिणी में आयोजित रक्तदान शिविर में कारगिल के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मातृभूमि की रक्षा में बहाया गया रक्त हमारी स्वतंत्रता को सुरक्षित करता है और मानवता की सेवा में किया गया रक्तदान जीवन बचाता है, दोनों ही राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च निःस्वार्थ समर्पण और बलिदान के प्रतीक हैं। इस भावपूर्ण संदेश के साथ दिल्ली विधानसभा के माननीय अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने रविवार को महाराजा अग्रसेन भवन, रोहिणी में आयोजित वार्षिक रक्तदान शिविर को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। 27वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर श्री गुप्ता ने कारगिल के शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की तथा भारतीय सैनिकों की पवित्र स्मृति को एक महान मानवीय पहल से जोड़ने के लिए आयोजकों की सराहना की। पदाधिकारियों, वीर सैन्य पूर्व सैनिकों, गणमान्य अतिथियों एवं स्वैच्छिक रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए विजेन्द्र गुप्ता ने वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों की वीरगाथा का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि सत्ताईस वर्ष पहले बहुत प्रतिकूल मौसम एवं दुर्गम पर्वतीय परिस्थितियों में भारत के वीर सैनिकों ने देश की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा की थी। दुर्गम पर्वत चोटियों पर चढ़कर घुसपैठियों को खदेड़ते हुए हमारे वीर जवानों ने यह सुनिश्चित किया कि लद्दाख की पर्वत श्रृंखलाओं पर भारत का तिरंगा सदैव गर्व के साथ लहराता रहे। लद्दाख एवं कारगिल के युद्धस्थलों की अपनी यात्रा का उल्लेख करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने उन ऐतिहासिक स्थलों को याद किया, जहाँ यह भीषण युद्ध लड़ा गया था। उन्होंने सीमा से लगे थांग जैसे गाँवों के स्थानीय निवासियों से हुई अपनी बातचीत का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1971 के युद्ध में भारतीय सैनिकों ने शून्य से कई डिग्री नीचे तापमान के बीच अद्वितीय साहस का परिचय देते हुए लगभग 800 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को पुनः भारत के अधिकार में लिया था। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों का अदम्य साहस, उच्च मनोबल और अटूट संकल्प आज भी पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम में उपस्थित सैन्य पूर्व सैनिकों, विशेष रूप से एस.के. गोयल के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त करते हुए विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि हमारे रक्षा बलों द्वारा प्रदर्शित त्याग और समर्पण की भावना ही भारत की शांति, स्थिरता और प्रगति की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय केवल एक सैन्य उपलब्धि नहीं थी, बल्कि यह भारतीय राष्ट्र के उस अटूट संकल्प का प्रतीक थी, जो अपनी पवित्र मातृभूमि का एक इंच भूभाग भी शत्रु के हाथों में नहीं जाने देता। विधानसभा अध्यक्ष ने कारगिल विजय दिवस पर प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर आयोजित करने के लिए रक्तदान फाउंडेशन की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान जनसेवा के सर्वोच्च कार्यों में से एक है, जो शहीदों की स्मृति को सार्थक नागरिक कर्तव्य में परिवर्तित करता है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्र निर्माण तथा समाज सेवा में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से भारत के वीर सैनिकों की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाएँ। अपने समापन संबोधन में विजेन्द्र गुप्ता ने उपस्थित सभी लोगों से राष्ट्रीय एकता, समर्पण और सेवा के प्रति स्वयं को प्रतिबद्ध करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन स्वैच्छिक रक्तदाताओं एवं सैन्य पूर्व सैनिकों के सम्मान तथा भारतीय सशस्त्र बलों के अमर शहीदों को सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुआ।

मन की बात के सामूहिक श्रवण में शामिल हुए महापौर प्रवेश वाही, कारगिल वीरों को किया नमन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने रोहिणी सेक्टर-8 स्थित बूथ 140 पर स्थानीय नागरिकों और कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 136वें प्रसारण का सामूहिक श्रवण किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने प्रधानमंत्री के संदेशों को ध्यानपूर्वक सुना। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश के वीर सैनिकों के अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके संदेश ने उपस्थित लोगों में राष्ट्रसेवा और कर्तव्य के प्रति नई प्रेरणा का संचार किया। इस अवसर पर प्रवेश वाही ने कहा कि कारगिल के वीर सैनिकों का शौर्य और बलिदान प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संदेश समाज को सकारात्मक दिशा देने के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र निर्माण में अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी साकार होगा, जब प्रत्येक नागरिक राष्ट्रहित, स्वच्छता, जनसेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति सक्रिय भूमिका निभाए। कार्यक्रम के बाद कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ टिफिन बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठनात्मक विषयों, स्थानीय विकास कार्यों और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। महापौर ने कहा कि जनता के साथ निरंतर संवाद सुशासन की सबसे बड़ी शक्ति है। स्थानीय लोगों के सुझावों और सहभागिता से विकास कार्यों को अधिक प्रभावी और जनहितकारी बनाया जा सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

संक्षिप्त खबरें

पांच हजार रुपये मांगने पर दोस्त ने युवती को मार डाला

नई दिल्ली। काम के बदले रुपये मांगने पर एक युवक ने अपनी महिला मित्र की हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी युवती के शव को अपने घर में छोड़कर फरार हो गया। मोहन गार्डन थाना पुलिस ने वारदात के तीन दिन बाद 24 जुलाई को पोस्टमार्टम की प्राथमिक रिपोर्ट मिलने के बाद हत्या का केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि 22 वर्षीय रूपा कुमारी परिवार के साथ बीते 15 वर्षों से कैलाशपुरी इलाके में किराये पर रहती थी। परिवार में माता-पिता के अलावा दो भाई और एक बहन है। परिवार मूलतः बिहार के सिवान जिले के बबनगंज जलालपुर का रहने वाला है। रूपा के पिता बजरंग महतो सब्जी बेचने का काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि रूपा पढ़ाई खत्म करने के बाद से ही एक निजी कंपनी में नौकरी करती थी। आरोपी अंकित रूपा के साथ पहले उत्तम नगर फिर रमेश नगर स्थित कार्यालय में काम करता था। इसी दौरान दोनों की जान पहचान हुई थी। अंकित सिद्धार्थ एन्क्लेव, मोहन गार्डन इलाके में रहता है। बजरंग महतो ने बताया कि अंकित ने रूपा से कोई ऑनलाइन काम कराया था। इसके एवज में उसने पांच हजार रुपये देने का वादा किया था। बाद में वह रुपये देने में आनाकानी करने लगा। इसकी जानकारी रूपा ने अपने पिता को भी दी थी। पुलिस को दिए बयान में बजरंग महतो ने बताया कि 21 जुलाई की सुबह उनकी बेटी घर से ऑफिस जाने की बात कहकर निकली थी। सुबह करीब 10 बजे रूपा की उसकी मां से आखिरी बार बात हुई थी। तब रूपा ने मां को बताया था कि वह ऑफिस पहुंचने वाली है और वहां पहुंचकर फोन करेगी। इसके बाद उसका फोन बंद हो गया। काफी देर तक जब रूपा से बात नहीं हुई, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान मोहन गार्डन थाना पुलिस ने उन्हें फोन कर रूपा की मौत की जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी अंकित के पड़ोस में रहने वाले युवक ने रूपा का शव देखकर पुलिस को सूचना दी थी।

हौज खास में कपड़ा व्यापारी की गला घोंटकर हत्या

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के हौज खास क्षेत्र में एक कपड़ा व्यापारी की गला घोंटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान बिहार के नवादा निवासी मनोज सिंह के रूप में हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आरोपी को मौके पर ही पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार, घटना उस समय हुई जब मनोज सिंह रात में अपनी दुकान बंद कर अपने कमरे की ओर लौट रहे थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रास्ते में एक व्यक्ति से मामूली कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि आरोपी ने बेल्ट से मनोज सिंह का गला कस दिया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। स्वजन के अनुसार, मनोज सिंह पिछले लगभग 25 वर्षों से सफदरजंग अस्पताल के निकट कपड़ों का व्यापार कर रहे थे। घटना के समय आरोपी नशे की हालत में था और उसने पहले धक्का देकर विवाद शुरू किया। मनोज सिंह के वहां से जाने का प्रयास करने पर आरोपी ने पीछे से बेल्ट डालकर उनका गला कस दिया। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों ने आरोपी लोकेश को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल अवस्था में मनोज सिंह को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन खत्म, एनडीएमसी ने रातभर में हटाया 60 मीट्रिक टन कचरा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

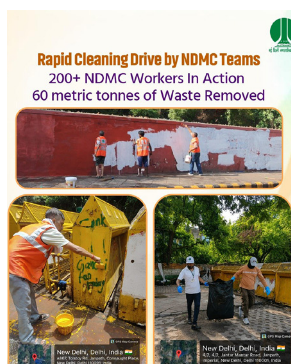

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन समाप्त होने के तुरंत बाद नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने पूरे क्षेत्र में विशेष स्वच्छता, मरम्मत और सौंदर्यीकरण अभियान चलाया। रातभर चले इस अभियान में लगभग 60 मीट्रिक टन कचरा हटाया गया। एनडीएमसी के अनुसार, अभियान में 500 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल स्वयं पूरी रात मौके पर मौजूद रहे और अभियान की निगरानी करते हुए अधिकारियों को कार्य शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। रविवार दोपहर चहल ने जंतर-मंतर और आसपास के क्षेत्रों का दोबारा निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन समाप्त होते ही एनडीएमसी की टीमें तत्काल मैदान में उतर गई थीं, ताकि राजधानी के इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में जनजीवन और यातायात जल्द सामान्य हो सके। अभियान के तहत स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, सिविल इंजीनियरिंग तथा उद्यान विभाग ने संयुक्त रूप से कार्य किया। जंतर-मंतर के अलावा टॉलस्टॉय रोड, संसद मार्ग, जयसिंह रोड, जनपथ और कनॉट प्लेस के आसपास के क्षेत्रों में सड़कों, फुटपाथों, डिवाइडरों, हरित पट्टियों, दीवारों और अन्य सार्वजनिक स्थलों की सफाई, धुलाई, मरम्मत और पुनर्स्थापन किया गया। सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने करीब 50 कर्मचारियों को तैनात किया। चार जेटिंग मशीनों से सड़कों और फुटपाथों की धुलाई कराई गई। दीवारों पर लिखे नारों को हटाकर दोबारा रंगाई-पुताई की गई, जबकि क्षतिग्रस्त कर्ब स्टोन और फुटपाथों की मरम्मत भी कराई गई।

संयुक्त परिवार वटवृक्ष का छांव : हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आदर्श शिक्षण संस्थान द्वारा अशोक विहार फेस-2 स्थित आदर्श सदन में आरती मित्तल प्रशिक्षण केंद्र का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। केंद्र का उद्घाटन समाजसेवी कृष्ण अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में परिवार सशक्तिकरण और संयुक्त परिवार की महत्ता पर विस्तार से विचार रखे गए। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि संयुक्त परिवार परिवार सशक्तिकरण का आधार है और यह वटवृक्ष की छांव के समान होता है। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवार व्यक्ति को जिम्मेदार और सफल बनाने के साथ-साथ कठिन परिस्थितियों तथा मानसिक तनाव से मुकाबला करने की शक्ति भी प्रदान करता है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कोषाध्यक्ष सतीश गर्ग ने कहा कि परिवार के सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक सोच अत्यंत आवश्यक है। उनका कहना था कि सकारात्मक विचार परिवार के सर्वांगीण विकास का आधार बनते हैं। ऐसे परिवारों के सदस्य सफलता और समृद्धि के साथ-साथ एकता, सहयोग और सुरक्षा की भावना को भी मजबूत करते हैं तथा कठिन समय में एक-दूसरे का संबल बनते हैं। संस्थान के अध्यक्ष योगेश गर्ग ने परिवार निर्माण और समाज के समग्र विकास में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवार की परंपरा सामाजिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम के अंत में कोषाध्यक्ष अनिल यादव ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। समारोह में नीलम बक्शी, सुनीता बिंदल, अमित मित्तल, अरुण बंसल, अशोक गर्ग तथा घनश्याम अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दिल्ली में झमाझम वर्षा, यमुनापार में जलभराव से बढ़ी परेशानी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में रविवार को मौसम ने एक बार फिर करवट ली। कई क्षेत्रों में हुई झमाझम वर्षा से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली, लेकिन पूर्वी दिल्ली के यमुनापार क्षेत्र में थोड़ी ही देर की वर्षा ने जलभराव की समस्या खड़ी कर दी। सड़कों पर पानी भरने से आवागमन प्रभावित हुआ और लोगों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार राजधानी में दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने का अनुमान है, जबकि दिन का तापमान लगभग 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। सुबह न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बीच-बीच में धूप निकलने से वातावरण में उमस बनी रह सकती है। इसके साथ ही 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सतही तेज हवाएं चलने की भी संभावना है, जिससे मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल सकता है। पूर्वी दिल्ली के यमुनापार क्षेत्र में कुछ समय की तेज वर्षा के बाद कई स्थानों पर पानी भर गया। जलभराव के कारण सड़कों पर वाहनों की गति धीमी पड़ गई और पैदल आने-जाने वाले लोगों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने जल निकासी की व्यवस्था को लेकर चिंता जताई। उधर, राजधानी की वायु गुणवत्ता भी संतोषजनक बनी हुई है। रविवार सुबह लगभग 9:30 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 79 दर्ज किया गया, जो संतोषजनक श्रेणी में आता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अन्य शहरों में भी वायु गुणवत्ता संतोषजनक से मध्यम श्रेणी के बीच बनी हुई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि फिलहाल वायु गुणवत्ता में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम विभाग ने लोगों को बदलते मौसम के बीच सतर्क रहने की सलाह दी है। विशेष रूप से जलभराव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक आवागमन से बचने तथा मौसम संबंधी ताजा जानकारी पर नजर बनाए रखने की अपील की गई है।

उच्च रक्तचाप और मधुमेह रोगी बरसात में बरतें विशेष सावधानी: डॉक्टर अंकित कालरा

नई दिल्ली। बरसात के मौसम में उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पीड़ित लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। अस्पताल के निदेशक डॉक्टर अंकित कालरा ने कहा कि समय पर उपचार और नियमित स्वास्थ्य जांच न कराने पर थोड़ी-सी लापरवाही भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है। डॉक्टर अंकित कालरा ने बताया कि बरसात के दौरान उल्टी-दस्त और संक्रमणजनित रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है। ऐसे में मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोगों को अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए। यदि शरीर में बेचैनी, अचानक कमजोरी या असामान्य थकान महसूस हो तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि इस मौसम में पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी पीना चाहिए, नियमित 40 मिनट व्यायाम करना चाहिए तथा संतुलित जीवनशैली अपनानी चाहिए।

टोल नीति पर सवाल, अमीरों को छूट पीएम मोदी को कराया अवगत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नेशनल चाइल्ड एंड वूमन डेवलपमेंट चेरिटेबल ट्रस्ट रजि नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिक्षाविद् डॉ. दयानंद वत्स ने आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके भारत कू यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सड़क परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों और मंत्रियों की कारगुजारियों से अवगत कराया है। वत्स ने कहा कि सितंबर 2026में आपने 11हजार करोड़ की लागत से बने यूईआर-2 का उद्घाटन किया था। यह दिल्ली की तीसरी लोकल रिंग रोड थी जिसे डीडीए को बनाना था लेकिन सालों की देरी के बाद इसे एनएचएआई ने बनाया और इस पर दिल्ली सीमा में ही मुंडका बक्करवाला में देश का सबसे मंहगा डिजिटल टोल प्लाजा स्थापित कर दिया। जो प्राईवेट कारें, एसयूवी इस टोल से निकलती हैं उनके लिए राजमार्ग मंत्रालय ने 3 हजार रुपए का एकमुश्त फास्ट टैग बना दिया जिसमें 100 बार आना जाना हो सकता है और इससे टोल से एक बार आने जाने में सिर्फ30 रुपे 15 आने और 15 जाने के लगते हैं। यह सुविधा 5 लाख से 5करोब तक की प्राइवेट कारों के लिए दी गई है। लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी और राज्य मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा जो पूर्वी दिल्ली से लोकसभा सांसद एवं दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष भी हैं और उनके अधीनस्थ अधिकारियों ने इस टोल से गुजरने वाले उन गरीब, मध्यमवर्ग के लोगों को लूटने के लिए जिनके पास अपनी प्राइवेट कार नहीं है और जो दिल्ली एनसीआर में अपने जरुरी कामों से आने वाले के लिए कैब सेवा ओला,उबर का प्रयोग करते हैं उन्हें मुंडका डिजिटल टोल प्लाजा से एक बार गुजरने पर 555 रुपए चुकाने पड़ रहे हैं। अमीर लोग 15 रुपए में यहां से निकल र हे हैं और गरीब 555 रुपए में। कैब सेवा प्रोवाइडर टोल राशि को। किराए में ही लगा लेते हैं और यात्री को ही सारी राशि देनी पड़ती है। इस गड़बड़झाले का पता उस समय लगा जब मैं 19 जुलाई 2026 को अपने एक मित्र की रस्म पगड़ी पर बरवाला गांव में सेक्टर-102 अडवाणी ओयेस्टर ग्रांडे द्वारका एक्सप्रेसवे, गुरुवार उबर कैब से यूईआर-2 होकर गया। उबर केस में मेरा वहां का किराया 503 रुपए और 555 रुपए टोल प्लाजा कुल मिलाकर 1065.99 पैसे दिए। वापसी में उभर कैब का किराया रुपए 521.82 पैसे और टोल चार्ज 555 कुल मिलाकर 1084.81पैसे लिए गए। जिसकी रसीद संलग्न है। यानि के किराए से ज्यादा तो टोल ही वसूल लिया गया।

ऋषभ विहार में आचार्य श्री विशुद्धसागर जी का मंगल प्रवेश, जैन समाज ने किया भव्य स्वागत

नई दिल्ली, प्रात : किरण मनोज जैन

शाहदरा। ऋषभ विहार में परमपूज्य आचार्यशिरोमणि 108 आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज का चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश रविवार को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और अनुशासन के बीच संपन्न हुआ। सूर्यनगर से प्रारंभ हुई मंगल यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, जो मार्ग भर आचार्य श्री के दर्शन के लिए उमड़ते रहे। उनके ऋषभ विहार पहुंचते ही वातावरण जयकारों और भक्ति भाव से गूंज उठा, जिससे यह क्षण श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत भावुक और अविस्मरणीय बन गया। ऋषभ विहार पहुंचने पर जैन समाज द्वारा आचार्य श्री का भव्य स्वागत किया गया। विभिन्न स्थानों पर बनाए गए स्वागत मंचों पर श्रद्धालुओं ने विनम्रता पूर्वक पाद-प्रक्षालन, वंदन और पुष्प अर्पण कर अपनी आस्था व्यक्त की। पूरे आयोजन में सादगी, मयार्दा और अनुशासन का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे कार्यक्रम गरिमामय बना रहा और हर व्यक्ति इस पावन अवसर का साक्षी बन सका। आचार्य श्री के इस मंगल प्रवेश के साथ ही अब ऋषभ विहार में चातुर्मास की तैयारियां तेज हो गई हैं। आगामी दिनों में चातुर्मास कलश स्थापना, प्रवचन, स्वाध्याय, संयम साधना और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। जैन मुनियों के चातुर्मास के दौरान एक ही स्थान पर विराजमान रहकर धर्म प्रवचन, तप, साधना और आत्मकल्याण के मार्ग का संदेश देने की परंपरा रही है, जिसका लाभ यहां आने वाले श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। इस पावन अवसर ने जैन समाज में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया है। ऋषभ विहार अब आगामी दिनों में धर्म, साधना और आध्यात्मिक जागरण का केंद्र बनेगा, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु आचार्य श्री के दर्शन एवं उनके उपदेशों का लाभ लेने पहुंचेंगे।

जंतर-मंतर पर अशोभनीय प्रदर्शन लोकतांत्रिक मूल्यों एवं भारतीय संस्कृति के विपरीत : दिल्ली पंचायत संघ

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पंचायत संघ ने जंतर-मंतर पर छात्रों के नाम पर आयोजित धरना-प्रदर्शन के दौरान कथित रूप से हुई अशोभनीय भाषा, गाली-गलौज एवं अभद्र आचरण पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। इस संबंध में दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख की अध्यक्षता में पंचायत प्रमुखों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर भारत सरकार से ऐसे प्रदर्शनों के विरुद्ध आवश्यक एवं सख्त कार्रवाई की मांग की गई। बैठक में कहा गया कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण एवं मर्यादित तरीके से अपनी बात रखना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, किन्तु किसी भी आंदोलन या प्रदर्शन के नाम पर अशिष्ट भाषा, अभद्र व्यवहार, सामाजिक मयार्दाओं का उल्लंघन तथा सार्वजनिक रूप से गाली-गलौज करना भारतीय संस्कृति एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि दिल्ली देहात एवं गांवों की संस्कृति आपसी सम्मान, शालीनता और संस्कारों पर आधारित रही है। छात्र-छात्राओं के नाम पर ऐसे प्रदर्शन, जिनमें अभद्र पोस्टर, आपत्तिजनक नारे या अशोभनीय भाषा का प्रयोग किया जाए, गांवों की सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक मूल्यों के विरुद्ध हैं तथा ऐसे कृत्य स्वीकार्य नहीं हैं। संघ ने स्पष्ट किया कि नीट सहित किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में पेपर लीक होना अत्यंत गंभीर और दुर्भाग्यपूर्ण विषय है। चाहे केंद्र में किसी भी दल की सरकार रही हो, प्रत्येक सरकार की जिम्मेदारी है कि परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं विश्वसनीय बनाए। पेपर लीक जैसी घटनाओं में दोषी अधिकारियों, एजेंसियों एवं संबंधित व्यक्तियों की जवाबदेही तय कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। दिल्ली पंचायत संघ ने मांग की कि उक्त प्रदर्शन से जुड़े अभिजीत दीपके तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों से जानकारी लेनी चाहिए की उनके आंदोलन में वास्तविक छात्र-छात्राओं के अतिरिक्त किन-किन व्यक्तियों, संगठनों अथवा समूहों की भागीदारी एवं समर्थन था जो अभद्रता की सारी सीमाओं को तोड़ गया। ताकि दिल्ली देहात गांव ग्रामीणों के सामने सच आए। पंचायत संघ ने कहा कि विरोध और प्रदर्शन लोकतंत्र का महत्वपूर्ण अधिकार है, लेकिन किसी भी आंदोलन को सामाजिक वैमनस्य, जातीय विभाजन, धार्मिक उन्माद या अभद्रता का माध्यम नहीं बनने दिया जाना चाहिए।

दिल्ली सरकार एक्सपो में नगर निगम को मिला प्रथम पुरस्कार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा भारत मंडपम में आयोजित अचीवमेंट एंड स्कीम एक्सपो-2026 में दिल्ली नगर निगम को शहरी नागरिक सेवाओं और जनकल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि को नगर निगम की नागरिक-केंद्रित सेवाओं और नवाचारपूर्ण पहलों की महत्वपूर्ण पहचान माना जा रहा है। प्रदर्शनी में विभिन्न सरकारी विभागों और संस्थानों के कुल 71 स्टॉल लगाए गए थे। इनमें दिल्ली नगर निगम का स्टॉल सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला चुना गया। यह सम्मान शहरी प्रशासन, जनकल्याणकारी योजनाओं और नागरिक सुविधाओं को प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराने के लिए दिया गया। नगर निगम के स्टॉल पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, नागरिकों और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों ने पहुंचकर जनसेवा से जुड़ी योजनाओं और नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। स्टॉल के माध्यम से नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को भी प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में नगर निगम के संपत्ति कर विभाग, पर्यावरण प्रबंधन सेवा विभाग, पशु चिकित्सा सेवा विभाग तथा जन स्वास्थ्य विभाग ने भाग लिया। इन विभागों ने संवादात्मक प्रदर्शन, प्रतिरूपों और जनजागरूकता सामग्री के माध्यम से अपनी विभिन्न योजनाओं, डिजिटल सेवाओं और नागरिक हित से जुड़ी पहलों को प्रस्तुत किया। दिल्ली नगर निगम ने इस सम्मान के लिए आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी नागरिकों को बेहतर और प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

आईपीयू में योग थेरेपी पीजी डिप्लोमा की पहली ऑफलाइन काउंसलिंग 30 जुलाई को

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपी यूनिवर्सिटी) के पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योगा थेरेपी कार्यक्रम में दाखिले के लिए पहली ऑफलाइन काउंसलिंग 30 जुलाई को आयोजित की जाएगी। काउंसलिंग विश्वविद्यालय के द्वारका कैंपस में होगी।विश्वविद्यालय के अनुसार, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थी काउंसलिंग में शामिल हो सकेंगे। काउंसलिंग के दिन आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन के बाद मेरिट के आधार पर सीटों का आवंटन किया जाएगा। कार्यक्रम कोड 176 वाले इस पाठ्यक्रम की उपलब्ध सीटों की संख्या भी काउंसलिंग के दिन प्रदर्शित की जाएगी।अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के दिन विश्वविद्यालय के कुलसचिव के नाम से 96 हजार रुपये का बैंक ड्राफ्ट, चार पासपोर्ट आकार के फोटो, सीईटी का एडमिट कार्ड और रैंक कार्ड, ऑनलाइन भरा हुआ आवेदन पत्र, जन्मतिथि का प्रमाणपत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ लाने होंगे। विश्वविद्यालय के अनुसार, काउंसलिंग के बाद आवंटित सीट को 6 अगस्त तक रद्द कराया जा सकता है। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय से संबद्ध एक संस्थान में संचालित किया जाएगा।आईपी यूनिवर्सिटी ने इच्छुक अभ्यर्थियों को काउंसलिंग से जुड़ी विस्तृत जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट और दाखिला पोर्टल नियमित रूप से देखने की सलाह दी है।

संक्षिप्त खबरें

बारापुला का तीसरा फेज बनकर तैयार, अगस्त से वाहन भरेंगे रफ्तार

नई दिल्ली। बहुप्रतिक्षित बारापुला का तीसरा फेज आखिरकार बनकर तैयार हो गया है। मयूर विहार से सराय काले खां तक इस फ्लाईओवर बनने से मयूर विहार से एम्स तक वाहन चालकों के लिए सिग्नल मुक्त सफर हो गया है। पीडब्ल्यूडी द्वारा जल्द ही इसे यात्रियों के लिए खोलने की तैयारी का जा रही है। इसका उद्घाटन करने के लिए पीडब्ल्यूडी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर उनसे समय मांगा है। सूत्रों का कहना है कि अगस्त माह के पहले सप्ताह में इसका उद्घाटन हो सकता है। जानकारी के अनुसार बारापुला फ्लाईओवर पर फिलहाल एम्स से सराय काले खां तक सिग्नल मुक्त सफर चल रहा है। एम्स के पास से शुरू होने वाले इस फ्लाईओवर का एक हिस्सा सराय काले खां जबकि दूसरा डीएनडी पर समाप्त होता है। बारापुला के तीसरे फेज में सराय काले खां से मयूर विहार तक लगभग 3.5 किलोमीटर का विस्तार किया गया है। इसके तैयार होने से एम्स से मयूर विहार तक इसकी कुल लंबाई 9 किलोमीटर हो गई है।

भूजल में नाइट्रेट प्रदूषण पर एनजीटी सख्त, जल गुणवत्ता रिपोर्ट जल्द मांगी

नई दिल्ली। देश में भूजल में बढ़ते नाइट्रेट प्रदूषण को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सख्त रुख अपनाया है। एनजीटी ने केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (सीजीडब्ल्यूए) को बेसलाइन जल गुणवत्ता आकलन रिपोर्ट जल्द से जल्द पेश करने का निर्देश दिया है। एनजीटी की प्रधान पीठ ने कहा कि पहले भी कई बार रिपोर्ट जमा करने के आदेश दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक इसे दाखिल नहीं किया गया है। इसलिए अगली सुनवाई से पहले हर हाल में रिपोर्ट जमा की जाए। यह मामला देश के कई जिलों में भूजल में नाइट्रेट की बढ़ती मात्रा से जुड़ी एक मीडिया रिपोर्ट के आधार पर शुरू किया गया था। नाइट्रेट की अधिक मात्रा लोगों की सेहत के लिए नुकसानदायक मानी जाती है। सुनवाई के दौरान केंद्रीय भूजल प्राधिकरण ने बताया कि जून में जो ग्राउंड वाटर क्वालिटी रिपोर्ट जमा की गई थी, वह बेसलाइन जल गुणवत्ता आकलन रिपोर्ट नहीं है। प्राधिकरण के अनुसार, यह रिपोर्ट सितंबर तक तैयार होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए एनजीटी ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई से पहले यह रिपोर्ट दाखिल की जाए। मामले की अगली सुनवाई 9 अक्तूबर को होगी।

नई दिल्ली से लापता दो नाबालिग लड़कियों को पुलिस ने बिहार से बरामद किया गया

नई दिल्ली। दिल्ली से लापता हुई दो नाबालिग लड़कियों को दिल्ली पुलिस ने बिहार से सफलतापूर्वक बरामद कर लिया है। इस वर्ष लापता लोगों की बरामदगी की संख्या अब 46 हो गई है। दिल्ली पुलिस की ओर से नाबालिगों की बरामदगी के लिए अभियान चलाया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और लगभग 140 अनाथालयों, शेल्टर होम, धार्मिक जगहों और रेड-लाइट में जांच की। लोकल इंटेलिजेंस के आधार पर पंजाब और बिहार में भी सर्च ऑपरेशन चलाया गया। जांच के दौरान पुलिस को पीड़िता से जुड़े एक मोबाइल नंबर के बारे में खास सीक्रेट जानकारी मिली। पुलिस के अनुसार, मोबाइल नंबर को तुरंत टेक्निकल सर्विलांस पर रखा गया, जिससे सुराग मिले। पीड़िता बिहार के सहरसा जिले में मिली। 22 जुलाई को पुलिस टीम सहरसा पहुंची। लोकेशन पर पहुंचने से पहले, हैंडसेट सुपौल में शिफ्ट कर दिया गया। तेजी से कार्रवाई करते हुए और सुपौल पुलिस के साथ मिलकर, टीम ने नाबालिग लड़की की सफलतापूर्वक तलाश करने के साथ ही बरामदगी की।

दिल्ली में कैब चालक की ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझी

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा जिले की स्पेशल स्टाफ टीम और थाना कृष्णा नगर पुलिस ने कैब चालक की ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी महज सुलझाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है, जबकि चौथे आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, 23 जुलाई को कृष्णा नगर थाना पुलिस को रोड नंबर-57, मेट्रो पिलर नंबर-90 के पास एक व्यक्ति पर चाकू से हमला किए जाने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो सड़क किनारे खड़ी एक मारुति वैगन-आर कार में चालक की सीट पर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति मिला, जिसके शरीर पर चाकू के कई घाव थे। उसे तत्काल डॉ. हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

लक्ष्मी तरु फाउंडेशन की तिरंगा बाइक रैली, रविंदर सिंह इंद्राज बोले, शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि सेवा और रक्तदान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर लक्ष्मी तरु फाउंडेशन की ओर से रविवार को रोहिणी स्थित जापानी पार्क से तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। रैली का उद्देश्य कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करना तथा 2 अगस्त को आयोजित होने वाले मेगा रक्तदान अभियान के प्रति लोगों को जागरूक करना था। रैली में बड़ी संख्या में युवाओं, बाइक राइडर्स, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और स्वैच्छिक रक्तदान का संदेश दिया। इस दौरान लोगों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान कर अभियान से जुड़ने की अपील की गई। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री रविंदर सिंह इंद्राज, सांसद योगेंद्र चंदोलिया, आयरन लेडी दिव्या संधू तथा प्रीत सिंह सिरोही विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया।कैबिनेट मंत्री रविंदर सिंह इंद्राज ने कहा कि कारगिल के वीरों ने देश की आन, बान और शान की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि यदि शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि देनी है तो सेवा, राष्ट्रहित और स्वैच्छिक रक्तदान जैसे जनकल्याणकारी कार्यों से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे बढ़कर मानव सेवा का दूसरा कोई माध्यम नहीं हो सकता। उन्होंने सभी नागरिकों से 2 अगस्त को आयोजित मेगा रक्तदान अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। सांसद योगेंद्र चंदोलिया सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल शौर्य और पराक्रम का प्रतीक नहीं, बल्कि देश के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने युवाओं से स्वैच्छिक रक्तदान अभियान का हिस्सा बनकर राष्ट्रसेवा में योगदान देने की अपील की। लक्ष्मी तरु फाउंडेशन ने सभी नागरिकों से 2 अगस्त को आयोजित मेगा रक्तदान अभियान में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान करते हुए इसे जन-आंदोलन बनाने का संकल्प दोहराया।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन समाप्त, हटाए गए मंच और बैरिकेड, प्रशासन ने शुरू कराया सफाई अभियान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कई दिनों तक चले प्रदर्शन के बाद जंतर-मंतर पर आंदोलन औपचारिक रूप से समाप्त हो गया। प्रदर्शन खत्म होने के साथ ही आयोजन स्थल से मंच, टेंट, लाउडस्पीकर और अन्य अस्थायी ढांचे हटाए गए। नगर निगम और संबंधित एजेंसियों ने पूरे क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाया, जबकि दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हुए बैरिकेड्स को सड़क किनारे स्थानांतरित कर यातायात को सामान्य बनाने की प्रक्रिया शुरू की। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी शांतिपूर्वक अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए और क्षेत्र में सामान्य गतिविधियां धीरे-धीरे बहाल होने लगीं। प्रशासन ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। आंदोलन समाप्त होने के बाद भी एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात रखा गया है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। अधिकारियों ने कहा कि अब क्षेत्र में सामान्य यातायात और आम जनजीवन पूरी तरह बहाल करने पर काम किया जा रहा है। सफाई अभियान पूरा होने के बाद जंतर-मंतर को आम लोगों के लिए सामान्य रूप से खोल दिया जाएगा।

दिल्ली सरकार ने लता गुप्ता को बनाया महिला आयोग की अध्यक्ष

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने रविवार को अल्पसंख्यक और महिला आयोग में अहम पदों पर नियुक्तियों की घोषणा की। लता गुप्ता को दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष चुना गया है, जबकि दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी निर्मल जैन को दी गई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी। सरकार ने दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष लता गुप्ता के अलावा श्याम बाला, मालती वर्मा, लता सोढ़ी, सनरिका शर्मा झा और रेनू भल्ला को सदस्य के रूप में नियुक्त किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय (दिल्ली सीएमओ) ने एक्स पोस्ट में लिखा, महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, अधिकारों के संरक्षण और सशक्तिकरण में दिल्ली महिला आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका है। इन नियुक्तियों से आयोग की कार्यक्षमता को नई गति मिलेगी तथा महिलाओं तक न्याय, संरक्षण और सहायता की पहुंच और अधिक प्रभावी होगी। वहीं, दिल्ली सरकार ने निर्मल जैन को दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष, जबकि कुलदीप सिंह और मोहम्मद हारून को सदस्य नियुक्त किया है। दिल्ली सीएमओ ने कहा, दिल्ली सरकार समाज के सभी वर्गों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। यह नियुक्तियां समाज के सभी वर्गों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण को सुदृढ़ करने तथा सामाजिक सद्भाव और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। इन नियुक्तियों के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सभी सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, दिल्ली महिला आयोग की नव-नियुक्त अध्यक्ष लता गुप्ता और सभी सदस्यगण को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। पूर्ण विश्वास है कि आप सभी दिल्ली सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा, अधिकारों व सशक्तिकरण को नई दिशा देंगी और एक संवेदनशील, न्यायपूर्ण और सुरक्षित दिल्ली के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

गुजरात प्रदेश में अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का भव्य सम्मान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य श्री कर्म सिंह कर्मा तथा संघ के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव श्री राजपाल महरौलिया का गुजरात प्रदेश की ओर से भव्य सम्मान किया गया। इस अवसर पर गुजरात इकाई के पदाधिकारियों और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने दोनों वरिष्ठ नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उन्हें सम्मानित किया। सम्मान समारोह में संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री जिगर भाई सोलंकी, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट विशाल भाई सोलंकी, प्रदेश महामंत्री श्री घनश्याम सोलंकी तथा श्री किरण सोलंकी सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगठन के सदस्यों ने भाग लिया और संगठन की एकजुटता तथा सामाजिक समरसता का संदेश दिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि श्री कर्म सिंह कर्मा लंबे समय से देशभर के सफाई कर्मचारियों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य के रूप में उन्होंने सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को सरकार और संबंधित विभागों तक पहुंचाकर उनके समाधान के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव श्री राजपाल महरौलिया ने भी संगठन को मजबूत बनाने और देशभर में सफाई कर्मचारियों को एकजुट करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य श्री कर्म सिंह कर्मा गुजरात के चार दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने सूरत, वडोदरा (बड़ौदा) और अहमदाबाद का भ्रमण किया। दौरे के दौरान उन्होंने सूरत नगर निगम के म्युनिसिपल कमिश्नर, वडोदरा स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) तथा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। इन बैठकों में संबंधित संस्थानों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा कई लंबित मामलों के समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाए गए। अधिकारियों ने भी कर्मचारियों की समस्याओं का सकारात्मक समाधान करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने दोनों नेताओं के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ लगातार मजबूत हो रहा है और सफाई कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी ढंग से कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में संगठन समाज के उत्थान और कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए और अधिक मजबूती से कार्य करेगा। समारोह के अंत में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संगठन की एकजुटता, सामाजिक न्याय और सफाई कर्मचारियों के सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षरत रहने का संकल्प लिया।

इग्नू में दाखिले की अंतिम तिथि बढ़ी 31 जुलाई तक कर सकेंगे आवेदन

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जुलाई 2026 सत्र में नए दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब इच्छुक विद्यार्थी 31 जुलाई 2026 तक आवेदन कर सकेंगे। यह सुविधा ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) और ऑनलाइन माध्यम से संचालित सभी अधिसूचित कार्यक्रमों के लिए लागू होगी। इग्नू के इस फैसले से देश और विदेश में रहने वाले उन विद्यार्थियों को अतिरिक्त अवसर मिलेगा, जो जुलाई सत्र में दाखिला लेना चाहते हैं, लेकिन निर्धारित समयसीमा में आवेदन नहीं कर सके। विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को आवेदन से पहले संबंधित दाखिला पोर्टल पर उपलब्ध कार्यक्रमों की सूची, पात्रता शर्तें, शुल्क और अन्य आवश्यक जानकारी ध्यान से देखने की सलाह दी है। ओडीएल कार्यक्रमों के लिए विद्यार्थी इग्नू के समर्थ दाखिला पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं, जबकि ऑनलाइन कार्यक्रमों के लिए अलग पोर्टल उपलब्ध है। विश्वविद्यालय ने कहा है कि दोनों माध्यमों के लिए आवेदन प्रक्रिया संबंधित समर्थ पोर्टल पर पूरी की जाएगी। इग्नू से प्राप्त जानकारी के अनुसार इग्नू में स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा और प्रमाणपत्र स्तर के कई कार्यक्रम उपलब्ध हैं। इनमें मानविकी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, वाणिज्य, प्रबंधन, कंप्यूटर एप्लीकेशन, शिक्षा, सामाजिक कार्य, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, पर्यटन, ग्रामीण विकास, भाषाएं, पत्रकारिता, स्वास्थ्य विज्ञान, कृषि और व्यावसायिक शिक्षा समेत कई विषय शामिल हैं। लोकप्रिय कार्यक्रमों की सूची जुलाई 2026 सत्र में लोकप्रिय कार्यक्रमों में बैचलर ऑफ आर्ट्स (बीए), बैचलर ऑफ कॉमर्स (बीकॉम), बैचलर ऑफ साइंस (बीएससी), बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए), बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए), बैचलर ऑफ रूरल स्टडीज, एमए, एमकॉम, एमएससी, एमसीए, एमबीए और मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू) शामिल हैं। उभरते क्षेत्रों के कार्यक्रम इसके अलावा डेटा साइंस एंड एनालिटिक्स तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग जैसे उभरते क्षेत्रों में भी स्नातकोत्तर कार्यक्रम उपलब्ध हैं। इग्नू ने कहा कि उसका लचीला और विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षा मॉडल नौकरी, पारिवारिक और अन्य जिम्मेदारियों के साथ पढ़ाई जारी रखने वाले विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है।

चलती कार में कत्ल का चक्रव्यूह 24 घंटे में ध्वस्त, डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा की अगुवाई में शाहदरा पुलिस का करारा प्रहार

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। शाहदरा जिले में चलती कार के भीतर कैब चालक की सनसनीखेज हत्या का पेचीदा चक्रव्यूह महज 24 घंटे में तोड़कर पुलिस ने अपनी धार और दबंग कार्यशैली का परिचय दिया है। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा की अगुवाई में कृष्णा नगर थाना और विशेष स्टाफ की संयुक्त टीम ने तकनीकी जांच, सीसीटीवी विश्लेषण और मजबूत खुफिया तंत्र के सहारे इस अंधे कत्ल का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपियों को दबोच लिया, जबकि चौथे की तलाश में लगातार दबिश जारी है। घटना 23 जुलाई की रात करीब 9 बजे की है, जब रोड नंबर-57, मेट्रो पिलर संख्या-90 के पास खड़ी कार में चालक खून से लथपथ हालत में मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतक की पहचान पश्चिम विनोद नगर निवासी करीब 40 वर्षीय विजय कुमार के रूप में हुई। वारदात की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच अपने हाथ में ली और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए, कॉल डिटेल और तकनीकी निगरानी के जरिए आरोपियों तक पहुंचने की कड़ी दर कड़ी जोड़ी। इसके बाद दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में ताबड़तोड़ छापेमारी कर 24 घंटे के भीतर अयान (20), साहिल (19) और एक नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया गया। अयान का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है, जिस पर लूट और झपटमारी के कई मामले दर्ज हैं। चौथा आरोपी अमन फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने पहले शराब पी और फिर आसान पैसे के लालच में कैब चालक को निशाना बनाने की साजिश रची। मोबाइल एप के जरिए कैब बुक कर चारों उसमें सवार हुए और चित्रा विहार रेड लाइट के पास चालक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। वारदात के बाद आरोपी कार लेकर भाग निकले, लेकिन लोगों के पीछा करने पर वाहन को बीच रास्ते छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चाकू, खून से सनी कार, कपड़े, मोबाइल फोन सहित कई अहम साक्ष्य बरामद किए हैं।

दिल्ली में लोक निर्माण विभाग की बड़ी तैयारी, अस्पतालों, विद्यालयों और सेतु मार्गों की रूपरेखा होगी बेहतर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में लोक निर्माण विभाग ने अपनी वास्तुविद शाखा को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विभाग ने उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों में नए वास्तुविदों की तैनाती शुरू कर दी है। इस पहल का उद्देश्य भविष्य की आधारभूत संरचना परियोजनाओं की रूपरेखा, गुणवत्ता और क्रियान्वयन को अधिक प्रभावी तथा आधुनिक बनाना है। विभाग के अनुसार उत्तरी क्षेत्र में लंबे समय से रिक्त मुख्य वास्तुविद के पद पर नियुक्ति कर दी गई है। इसके अलावा एक अन्य वास्तुविद की नियुक्ति की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। अधिकारियों का मानना है कि विशेषज्ञों की उपलब्धता बढ़ने से निर्माण परियोजनाओं की योजना और निगरानी अधिक व्यवस्थित ढंग से की जा सकेगी। लोक निर्माण विभाग में वास्तुविद केवल भवनों के नक्शे तैयार करने तक सीमित नहीं रहते। उनकी भूमिका सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों, विद्यालयों, सेतु मार्गों से जुड़े भवनों, बस अड्डों, सार्वजनिक सुविधाओं, विरासत संरचनाओं के संरक्षण, शहरी सौंदर्यीकरण तथा नागरिक सुविधाओं की रूपरेखा तैयार करने में भी महत्वपूर्ण होती है। इसके साथ ही परियोजनाओं की कार्यक्षमता, सुरक्षा और पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप तकनीकी परामर्श भी वास्तुविदों द्वारा दिया जाता है। विभाग इस समय राजधानी में कई महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। इनमें नए सेतु मार्ग और ऊपरी मार्गों का निर्माण, सड़कों का चौड़ीकरण, सरकारी अस्पतालों का विस्तार, विद्यालय भवनों का निर्माण एवं आधुनिकीकरण, प्रशासनिक भवनों का विकास, पैदल यात्रियों के लिए सुविधाओं का विस्तार, सड़कों का पुनर्विकास तथा सार्वजनिक स्थलों का सौंदर्यीकरण शामिल है। अधिकारियों का कहना है कि इन सभी परियोजनाओं में बेहतर रूपरेखा और तकनीकी योजना अत्यंत आवश्यक है। विशेषज्ञ वास्तुविदों की संख्या बढ़ने से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में सुधार होगा, लागत पर बेहतर नियंत्रण रखा जा सकेगा, परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूरा करने में सहायता मिलेगी तथा टिकाऊ निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। लोक निर्माण विभाग का मानना है कि राजधानी की तेजी से बढ़ती आधारभूत संरचना संबंधी आवश्यकताओं को देखते हुए तकनीकी क्षमता को मजबूत करना समय की मांग है।

साहित्यकारों ने शब्दों से वीरों के शौर्य को किया नमन कारगिल विजय दिवस पर साहित्यिक संध्या आयोजित

नई दिल्ली। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती के पश्चिमी एवं नैऋत्य केंद्र की ओर से रविवार को द्वारका स्थित दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज में साहित्यिक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कविता, कहानी और पुस्तक-सार प्रस्तुतियों के माध्यम से कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान वीर सैनिकों के परिवारों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ में संयोजक प्रो. पूनम राठी ने स्वागत भाषण में कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, राष्ट्रनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सैनिक जहां देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं, वहीं साहित्यकार समाज में राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों का संवर्धन करते हैं। मुख्य वक्ता द्वारका उत्तरी नगर संघचालक प्रदीप देसवाल ने युवाओं से राष्ट्रहित, सेवा और त्याग को जीवन का लक्ष्य बनाने का आह्वान किया। साहित्यकार वंदना यादव ने वीर सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति समाज की संवेदनशीलता को आवश्यक बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. विनोद बब्बर ने कहा कि सैनिक और साहित्यकार दोनों ही राष्ट्रनिर्माण के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। एक देश की सीमाओं की रक्षा करता है तो दूसरा संस्कृति, भाषा और साहित्य की रक्षा का दायित्व निभाता है। साहित्यिक सत्र में कारगिल युद्ध पर आधारित पुस्तकों का सार प्रस्तुत किया गया तथा वीर सैनिकों के जीवन पर आधारित कहानियों का वाचन किया गया। अंशिका ने कारगिल : एक यात्री की जुबानी, प्रवीण ने रचना बिष्ट रावत की कारगिल, नैंसी शर्मा ने टाइगर हिल का हीरो, दीक्षा गहलोत ने कारगिल गर्ल तथा शिवरत कुमारी ने परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज कुमार पांडे के जीवन पर आधारित कहानी प्रस्तुत की। काव्य पाठ में समायरा राय, आदित्य भट्ट, के.के. शर्मा, डॉ. मंजू शुक्ला, गुंजन बिष्ट, पवन कुमार, एम.एस. सान्या राव, शोभा शर्मा, सरिता, रिया भारद्वाज और संगीता पीयूष सहित अनेक कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से शहीदों के शौर्य, त्याग और राष्ट्रप्रेम को अभिव्यक्ति दी। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति से ओतप्रोत वातावरण बना रहा। आयोजन में विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। विद्यार्थियों ने साहित्यिक प्रस्तुतियों के माध्यम से राष्ट्रनायकों के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय चेतना का संदेश दिया। इस अवसर पर आमंत्रित वीर सैनिकों की पत्नियों को पुस्तकें भेंट कर सम्मानित किया गया तथा प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

चेक बाउंस मामले में महिला की अपील खारिज, कोर्ट ने कहा- बचाव नदी की धारा की तरह बदलता रहा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त ने चेक बाउंस मामले में दोषी ठहराई गई एक महिला की अपील खारिज करते हुए ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। अदालत ने कहा कि मुकदमे के दौरान महिला का बचाव नदी की धारा की तरह लगातार बदलता रहा। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सौरभ प्रताप सिंह लालेर ने नवंबर 2024 में मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा सुनाई गई दोषसिद्धि और दिसंबर 2024 में दिए गए सजा के आदेश को सही ठहराया। ट्रायल कोर्ट ने महिला ओमवती तोकस को परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआइ एक्ट) के तहत दोषी ठहराते हुए 90 दिनों के भीतर पांच लाख रुपये मुआवजा अदा करने का निर्देश दिया था। भुगतान न करने पर तीन माह की साधारण कैद की सजा भी तय की गई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सच हमेशा एक जैसा रहता है, लेकिन इस मामले में बचाव पक्ष की कहानी हर चरण में बदलती रही। शुरूआत में महिला ने कहा कि चेक उसका नहीं है और उस पर उसके हस्ताक्षर भी नहीं हैं। करीब चार वर्ष बाद जिरह के दौरान उसने कहा कि चेक घर में बढ़ईगीरी के काम के लिए सुरक्षा के तौर पर दिया गया था। इसके बाद अदालत में बयान देते समय उसने हस्ताक्षर अपने होने की बात स्वीकार कर ली, लेकिन यह दलील दी कि उसने कर्ज किस्तों में पहले ही लौटा दिया था। अदालत ने कहा कि मुकदमे के अलग-अलग चरणों में पेश किए गए ये तीनों बचाव एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं और इसी आत्मविरोधी रुख ने अपील को कमजोर कर दिया। अदालत के अनुसार महिला शिकायतकर्ता के पक्ष में मौजूद कानूनी धारणा को खंडित करने में पूरी तरह विफल रही और उसका बचाव अस्पष्ट, आधारहीन तथा विरोधाभासी था। तोकस को तीन लाख रुपये उधार दिए थे। शिकायतकर्ता का कहना था कि उसने यह रकम अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए खरीदी गई जमीन बेचकर जुटाई थी। वर्ष 2016 में कर्ज चुकाने के लिए महिला ने तीन लाख रुपये का चेक दिया, लेकिन बैंक ने खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण उसे बाउंस कर दिया। महिला ने यह भी दलील दी कि उसे कानूनी नोटिस नहीं मिला था, लेकिन अदालत ने इसे भी खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि नोटिस विधि सम्मत तरीके से भेजा और तामील किया गया था।

मंडावली में पुलिस का शिकंजा, 6 मामलों में आरोपी स्नैचर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पूर्वी जिले के मंडावली थाना क्षेत्र में एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी के खिलाफ पहले से 6 आपराधिक मामले दर्ज हैं। दिल्ली पुलिस के अनुसार, स्ट्रीट क्राइम के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी में मंडावली थाने की टीम ने सक्रिय स्नैचर को पकड़ा। स्नैचर की पहचान पटपड़गंज इलाके के 26 वर्षीय मनीष के रूप में हुई। जांच के दौरान पुलिस ने तीन मोबाइल फोन और अपराध में इस्तेमाल की गई एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की। पुलिस ने बताया कि इन बरामदगी से मौजूदा मामले सहित तीन आपराधिक मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस ने रविवार को जानकारी दी कि मंडावली इलाके में मोबाइल फोन छीनने के संबंध में शिकायत मिली थी। जांच के दौरान पता चला कि शिकायतकर्ता दुर्गेश सिंह काम के लिए अपने घर से निकल रहे थे। जब वे देशबंधु अपार्टमेंट के पास पहुंचे और कॉल करने के लिए अपना मोबाइल फोन निकाला, तो मोटरसाइकिल पर सवार एक अज्ञात व्यक्ति पीछे से आया, उनके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और मौके से भाग गया। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर मामले से धारा 303(2) बीएनएस हटा दी गई और धारा 304(2) बीएनएस जोड़ी गई। मामले को सुलझाने के लिए एक समर्पित पुलिस टीम बनाई गई। टीम ने अपराधी की पहचान करने के लिए टेक्निकल सर्विलांस, टेक्निकल सबूतों का विश्लेषण, लोकल इंटेलिजेंस और लगातार फील्ड सर्विलांस का इस्तेमाल किया। जांच के दौरान, एक भरोसेमंद मुखबिर से मिली खास जानकारी के आधार पर टीम ने आरोपी मनीष को दिल्ली के पटपड़गंज इलाके में शशि गार्डन के पास राम प्रसाद बिस्मिल कैंप के पास पकड़ा। वह उस समय मोटरसाइकिल चला रहा था। जांच करने पर पता चला कि यह मोटरसाइकिल पांडव नगर में दर्ज एफआईआर के तहत चोरी की गई थी। आगे की जांच में यह भी पता चला कि इसी मोटरसाइकिल का इस्तेमाल स्नैचिंग (झपटमारी) के इस मामले में किया गया था। लगातार पूछताछ के दौरान आरोपी मनीष ने शिकायतकर्ता का मोबाइल फोन छीनने की बात कबूल कर ली। उसने बताया कि आसानी से पैसे कमाने के इरादे से उसने चोरी की मोटरसाइकिल का इस्तेमाल करके यह अपराध किया था और बाद में छीना हुआ मोबाइल फोन दिल्ली के कोटला गांव के रहने वाले मुजहर को बेच दिया था, जो चोरी और छीने गए मोबाइल फोन खरीदने का काम करता था।

संक्षिप्त खबरें

रेहड़ियों और वाहनों की अवैध पार्किंग से हादसे का डर

सोहना। गुरुग्राम-सोहना एलिवेटेड मार्ग के सोहना ढाणी व अलीपुर फ्लाईओवर के नीचे खाने-पीने की रेहड़ियों से लेकर अवैध पार्किंग हादसों को न्यौता दे रही है। जिसके कारण कई बार वाहनों की भिड़त होने पर लोगों को चोटें भी लगी और वाहन क्षतिग्रस्त हुए है। गुरुग्राम-सोहना एलिवेटेड मार्ग पर अलीपुर व सोहना ढाणी फ्लाईओवर के नीचे हो रहा अतिक्रमण जानलेवा हादसों को न्यौता दे रहा है। फ्लाईओवर के नीचे खाने पीने की लगी रेहड़ियां और अवैध पार्किंग के कारण चौक काफी संकीर्ण हो गए है। ऐसे में चौक को पार करते समय वाहन चालकों को काफी सावधानी बरतनी पड़ रही है। इसके बावजूद हर माह दो से तीन ऐसे हादसे हो ही जाते है। जिसमें वाहन सवारों को चोटें लगने के साथ-साथ वाहनों में भी नुकसान हो जाता है। जिससे वाहन सवारों में वाद-विवाद होना सामान्य बातें हो गई है। गुरुग्राम-सोहना एलिवेटेड मार्ग पर सवारियों के लिए चल रहे ऑटो व अन्य वाहन चालकों ने फ्लाईओवर के नीचे अवैध पार्किंग बनाई हुई है। सोहना ढाणी फ्लाईओवर के नीचे से स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले युवक अपने वाहनों को तेज गति से निकालते है। जिससे पैदल चलने वालों को अपनी जान हथेली पर रखकर यहां से निकलना होता है। इस चौक से गैर सरकारी व यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों को लाने व ले जाने वाले वाहनों का आवागमन रहता है। जिससे स्कूल व यूनिवर्सिटी में शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सड़क हादसों में घायल होने की पूरी डर बना रहता है। सोहना ढाणी फ्लाईओवर के पास शराब का ठेका खुला है। जहां पर आसपास के लगते गांव व राहगीर शराब खरीदने के बाद आसपास लगते खेतों में पीने बैठ जाते है। उसके बाद पैदल अपने घरों को चौक से निकलते है। जिससे शराबियों और अवैध अतिक्रमण व अवैध पार्किंग के बीच में से वाहनों को निकालना चालकों के लिए सिर दर्द बन जाता है। समय-समय पर फ्लाईओवर के नीचे से अतिक्रमण और अवैध पार्किंग को हटाया जाता रहा है। जल्द ही फिर से अभियान चलाकर हटाया जाएगा।
-राहुल, निरीक्षक गुरुग्राम, सोहना एलिवेटेड मार्ग

बिजली करंट लगने से छह भैंस की मौत

सोहना। खंड के गांव खेड़ला में बिजली का करंट लगने से छह भैंस की मौत हो गई। जिससे भैंस मालिक को लाखों रुपये का नुकसान हो गया। मामले को लेकर सोमवार को ग्रामीण बिजली निगम अधिकारियों से मिलकर भैंस मालिक को आर्थिक सहायता राशि दिलवाने की मांग करेंगे। शनिवार की शाम को खंड का गांव खेड़ला से परमिट मार्ग को जाने वाली सड़क के किनारे पर बिजली आपूर्ति का एचपोल लगा है। जिस पर ट्रांसफार्मर भी लगा है। खेड़ला निवासी रोहताश शनिवार को भी अपनी भैंसों को जंगल में चराने के लिए लेकर गया था। शाम को वापस घर आते समय रोहताश भैंसों को लेकर आ रहा था। इस दौरान वहा लटके बिजली का करंट लगा। बिजली का करंट लगने से एक बाद एक छह भैंस करंट की चपेट में आ गई। भैंसों को करंट लगता देख रोहताश ने दौड़कर अन्य भैंसों को घटना स्थल से लग किया। रोहताश ने बताया कि इस हादसे से उसे लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। जिसकी सूचना सदर थाना पुलिस को दी गई। सदर थाना प्रभारी निरीक्षक सूखपाल ने बताया कि भैंस खेत की किसान द्वारा की गई लोहे की तारफैंसी से टकराने से हुई। लोहे की तार फैंसी में करंट कैसे आया इसकी जांच की जा रही है। घटना स्थल पर जाकर उनकी टीम मौका मुआयना करेगी। जांच में करंट उतरने के कारणों को बारीकी से देखा जाएगा। जो भी इस मामले में दोषी होगा। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गुरुग्राम में 200 करोड़ का इनपुट टैक्स क्रेडिट फ्रॉड

ऑटो सर्विस प्रोवाइडर कंपनी के 2 को-फाउंडर्स, दो CA गिरफ्तार, AI-डेटा एनालिटिक्स से पकड़ी धोखाधड़ी

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (CGST) की एंटी-इवेजन विंग ने एक बड़े कॉरपोरेट फ्रॉड का भंडाफोड़ किया है। विभाग ने बेहद शातिर तरीके से अंजाम दिए जा रहे 200 करोड़ के इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) घोटाले को उजागर किया है। इस सुनियोजित वित्तीय फर्जीवाड़े के आरोप में विभाग की टीम ने ऑटो सर्विस क्षेत्र की एक नामी कंपनी के दो पूर्व को-फाउंडर्स और दो चार्टर्ड अकाउंटेंट्स समेत कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद सभी आरोपियों को ड्यूटी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने पुख्ता सबूतों के आधार पर चारों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। सीजीएसटी अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी उच्च शिक्षित हैं और उनकी उम्र 30 से 35 वर्ष के बीच है। इन लोगों ने करीब चार साल पहले ऑटो सर्विस सेक्टर में एक स्टार्टअप की शुरुआत की थी, जो घर पर गाड़ियों की सर्विसिंग उपलब्ध कराता था। शुरुआती घाटे के बाद, कंपनी के नुकसान की भरपाई करने और भारी निवेश जुटाने के लिए आरोपियों ने शेल कंपनियों का एक नेटवर्क तैयार किया। इस सिंडिकेट ने बिना किसी माल या वास्तविक सर्विस की डिलीवरी के, केवल कागजों पर करोड़ों रुपये के फर्जी टैक्स इनवॉइस (बिल) जारी किए। इसके बाद सर्कुलर ट्रेडिंग तकनीक का इस्तेमाल करते हुए पैसों और बिलों को आपस में गोल-गोल घुमाया गया। इस कागजी टर्नओवर के दम पर आरोपियों ने सरकार से 200 करोड़ के इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा ठोक दिया। इस पूरी साजिश में दोनों चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने अपनी वित्तीय विशेषज्ञता का दुरुपयोग करते हुए फर्जी खातों को वैध रूप देने का काम किया। कड़े जीएसटी कानून के तहत हुई कार्रवाई अधिकारियों का कहना है कि विभाग ने इस मामले में केंद्रीय माल एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की सख्त धाराओं के तहत कार्रवाई की है। चूंकि धोखाधड़ी की रकम 5 करोड़ से अधिक है, इसलिए यह कानूनन एक गैर-जमानती और संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है। छापेमारी के दौरान विंग ने आरोपियों के पास से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, लैपटॉप, फोन और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए हैं। आरोपियों पर टैक्स चोरी की गई राशि का 100% जुर्माना लगाया जाएगा और दोष सिद्ध होने पर इन्हें 5 वर्ष तक की सश्रम जेल हो सकती है।

कारगिल विजय दिवस पर फर्रुखनगर में रक्तदान शिविर

118 यूनिट रक्त हुआ संग्रह, जरूरतमंदों की मदद का लिया संकल्प

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिले में फर्रुखनगर के एचसीआई अस्पताल परिसर में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 118 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी ने शिविर का उद्घाटन किया। यह शिविर सुबह 9 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक चला, जिसमें 118 युवाओं ने रक्तदान कर जरूरतमंदों की सहायता का संकल्प लिया। अरविंद सैनी ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। सैनी ने इस अवसर पर कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति से नियमित रूप से रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने समाज में रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने और युवाओं को इस महाअभियान से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान, अरविंद सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने उपस्थित लोगों के साथ प्रधानमंत्री के ह्यमन की बातह्न कार्यक्रम को भी सुना और ऐसे कार्यक्रमों को समाज में सेवा, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने वाला बताया। एचसीआई अस्पताल के निदेशक डॉ. पंकज बेनीवाल ने सभी रक्तदाताओं का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। गुरुग्राम के आशीर्वाद ब्लड बैंक की टीम ने रक्त संग्रह का कार्य किया और सभी रक्तदाताओं को उनके ब्लड ग्रुप सहित आवश्यक जानकारी वाले प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष बीरबल सैनी, उपाध्यक्ष प्रदीप यादव, पार्षद जितेंद्र सैनी, पार्षद देवेंद्र कौशिक, भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल सैनी, महीपाल यादव, डॉ. विकास शर्मा, विजयपाल चौधरी, पार्षद रामबीर यादव, मंडल महामंत्री शिवचरण सीमार, सुरेंद्र यादव, हैप्पी, प्रेम, रानी, मोहित शर्मा और मंजीत सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

फरीदाबाद : टेलीग्राम टास्क के नाम पर ठगी, दो सगे भाई गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। टेलीग्राम टास्क के नाम पर एक महिला से लाखों रुपए की साइबर ठगी के मामले में साइबर थाना बल्लभगढ़ पुलिस टीम ने बैंक खाता उपलब्ध कराने वाले दो आरोपियों को उत्तर प्रदेश के हापुड़ रोड क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजस्थान के जयपुर निवासी धीरज (25 वर्ष) तथा प्रवीण मीणा (28 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों आपस में सगे भाई हैं। आरोपियों को रविवार अदालत में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपित जयपुर में एक होटल का संचालन करते हैं। इन्होंने अपने साथी समीर से बैंक खाता लेकर आगे साइबर ठगों को उपलब्ध कराया था, जिसके माध्यम से ठगी की रकम का लेन-देन किया गया। इस मामले में खाताधारक विकास और समीर को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पूछताछ के दौरान ठगी के नेटवर्क, अन्य सहयोगियों, बैंक खातों तथा लेन-देन की विस्तृत जानकारी जुटाई जायेगी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सेक्टर-64 निवासी एक महिला ने साइबर थाना बल्लभगढ़ में शिकायत दर्ज कराई थी कि जून 2025 में उसके व्हाट्सएप पर एक संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें उसे वेबसाइट के माध्यम से घर बैठे कमाई करने का लालच दिया गया। इसके बाद साइबर ठगों ने शिकायतकर्ता को एक लिंक भेजा और टेलीग्राम आधारित एप डाउनलोड करने के लिए कहा। एप डाउनलोड करने के बाद महिला को शुरुआती तौर पर एक हजार रुपए का बोनस दिया गया, जिससे उसका विश्वास जीत लिया गया। प्रारंभ में उसे ऑनलाइन जूते एवं कपड़ों की खरीदारी से जुड़े छोटे-छोटे टास्क पूरे करवाए गए और उनका भुगतान भी किया गया। बाद में ठगों ने अधिक मुनाफे का लालच देकर महिला को प्रीपेड टेलीग्राम टास्क में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। अधिक लाभ

गुरुग्राम में रेलवे ट्रैक पर मिला महिला का शव

2 हिस्सों में बंटा था, पुलिस को कोई दस्तावेज नहीं मिला

गुरुग्राम। और बसई रेलवे स्टेशनों के बीच डाउन लाइन पर एक महिला का शव क्षत विक्षत हालत में मिला है। महिला की उम्र लगभग 30 वर्ष बताई जा रही है। सूचना मिलते ही राजकीय रेलवे पुलिस (GRP) मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम और शिनाख्त के लिए नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, रविवार को गुरुग्राम रेलवे स्टेशन पर एक मेमो प्राप्त हुआ। यह मेमो रेलगाड़ी संख्या [illegible] के लोको पायलट ने दिया था। लोको पायलट ने स्टेशन मास्टर को सूचित किया कि गुरुग्राम और बसई स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर एक शव पड़ा हुआ है। स्टेशन प्रबंधन ने तत्काल इसकी सूचना राजकीय रेलवे पुलिस को दी। सूचना मिलते ही जीआरपी के सहायक उप-निरीक्षक (ASI) नरेश कुमार अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके का मुआयना किया और रेलवे लाइन के बीच पड़े शव को ट्रैक से हटवाया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतक एक महिला है, जिसकी उम्र करीब 30 वर्ष प्रतीत हो रही है। मृतका के पास से ऐसा कोई दस्तावेज या सामान नहीं मिला है, जिससे उसकी पहचान हो सके। फिलहाल महिला का नाम और पता अज्ञात है। जांच अधिकारी एएसआई नरेश कुमार ने घटनास्थल की स्थिति और मामले की पूरी जानकारी जीआरपी थाना प्रभारी को दी। इसके बाद पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया के तहत पंचनामा भरा और शव को एम्बुलेंस की मदद से गुरुग्राम के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में भिजवा दिया। पुलिस के अनुसार, मृतका की शिनाख्त के लिए आसपास के इलाकों और थानों में उसकी तस्वीरें और हुलिया भेज दिया गया है। सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से भी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। कानून प्रक्रिया के तहत शव को अगले 72 घंटों के लिए मोर्चरी में सुरक्षित रखा जाएगा ताकि उसके परिजन आकर पहचान कर सकें। यदि इस समय सीमा के भीतर शव की शिनाख्त नहीं हो पाती है, तो पुलिस डॉक्टरों के पैनल से शव का पोस्टमार्टम करवाएगी।

फर्रुखनगर में 8 साल की बच्ची लापता

घर छोड़कर गया भाई, कुछ देर बाद बाहर निकली, परिजन- पुलिस कर रही तलाश

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । जिले में फर्रुखनगर क्षेत्र के गांव जाटौला-जोड़ी सांपका से आठ वर्षीय बच्ची लापता हो गई है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर बच्ची की तलाश शुरू कर दी है। आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन की जा रही है। जानकारी के अनुसार, जाटौला-जोड़ी सांपका निवासी परिवार की 8 वर्षीय सालिया 22 जुलाई की शाम अचानक घर से लापता हो गई। परिजनों ने बताया कि शाम करीब पांच बजे उसका बड़ा भाई उसे घर छोड़कर गया था। कुछ ही देर बाद बच्ची घर से बाहर निकली, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटी। परिवार के लोगों ने पहले आसपास के इलाकों और रेलवे स्टेशन के पास उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। बच्ची का कहीं पता नहीं चलने पर परिजनों ने रात करीब 9:24 बजे डायल-112 पर सूचना दी।

फर्रुखनगर थाना पुलिस ने शुरू की तलाश

इसके बाद फर्रुखनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के संभावित स्थानों पर तलाश के साथ-साथ उपलब्ध सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। लापता बच्ची का रंग सांवला और कद लगभग चार फुट है। घटना के बाद से परिवार परेशान है और बच्ची के सकुशल मिलने की उम्मीद लगाए बैठा है। फर्रुखनगर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को बच्ची के संबंध में कोई भी जानकारी मिले या वह कहीं दिखाई दे, तो तत्काल फर्रुखनगर पुलिस, डायल-112 अथवा नजदीकी पुलिस थाने को सूचना दें। पुलिस का कहना है कि आपकी एक छोटी-सी सूचना बच्ची को उसके परिवार तक सुरक्षित पहुंचाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

गुरुग्राम में कोठी में कार ड्राइवर ने किया सुसाइड

बेसमेंट में मिला फंदे पर लटका शव, परिवार के साथ ब्रेक-फास्ट किया, दो बच्चों का पिता

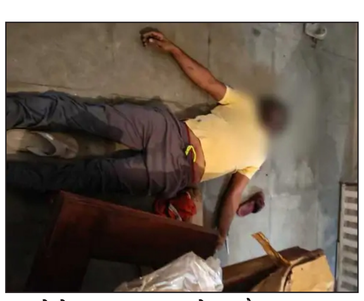

गुरुग्राम में न्यू पालम विहार की एक कोठी में कार ड्राइवर ने बेसमेंट जाकर फंदा लगा कर सुसाइड कर लिया। 38 वर्षीय मृतक राजेश मूल रूप से यूपी के मैनपुरी जिले के गोपियापुर गांव का रहने वाला था। वह पिछले 15 साल से के-ब्लॉक स्थित अपने मालिक सुरेंद्र दुग्गल की कार चलाता था और उन्हीं के मकान में अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रह रहा था। उसके बच्चों में एक 6 साल का बेटा और एक 3 साल की बेटी शामिल है। सूचना मिलने के बाद पालम विहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। हैरान करने वाली बात यह है कि घटना के महज एक घंटे पहले ही राजेश ने अपने पूरे परिवार के साथ बैठकर बेहद सामान्य माहौल में सुबह का खाना खाया था। मकान मालिक और उसके परिवार के साथ भी राजेश के संबंध सामान्य बताए जा रहे हैं। परिजनों ने बताया कि, सुबह करीब 10:00 बजे राजेश ने अपने परिवार के साथ बैठकर सामान्य रूप से ब्रेक-फास्ट किया था। उस वक्त उसके व्यवहार में किसी भी तरह का असामान्य तनाव नजर नहीं आ रहा था। ब्रेक-फास्ट के बाद वह घर के निचले हिस्से (बेसमेंट) में चला गया, जहां सुबह करीब 11:00 बजे सुसाइड कर लिया।

सुसाइड की वजह तलाश रही पुलिस

दोपहर करीब 12:00 बजे जब परिवार का सदस्य नीचे गया, तब इस घटना का पता चला। आनन-फानन में पालम विहार थाना पुलिस को मामले की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवा दिया है।

फरीदाबाद में गोकुलधाम सोसायटी के विरोध में उतरे लोग

बिजली-पानी को लेकर जताई चिंता, बोले-हमारी सुविधाओं पर न डाला जाए बोझ

फरीदाबाद के सेक्टर-55 के लोगों ने रविवार को गोकुलधाम सोसायटी के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि गोकुलधाम सोसायटी का बिजली, पानी और सीवर का अतिरिक्त भार सेक्टर-55 के संसाधनों पर नहीं डाला जाना चाहिए। उनका कहना है कि इससे भविष्य में सेक्टर-55 के निवासियों को बिजली, पानी और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। प्रदर्शन के दौरान हरियाणा प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स महासंघ के प्रदेश महासचिव एवं ऋएहअ के कार्यवाहक जिला महासचिव सरदार गुरमीत सिंह देओल ने कहा कि सेक्टर-55 के लोगों का विरोध किसी व्यक्ति या संस्था के खिलाफ नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र के हितों और नागरिक सुविधाओं की रक्षा के लिए है। उन्होंने कहा कि यदि गोकुलधाम सोसायटी का अतिरिक्त बिजली लोड सेक्टर-55 के मौजूदा फीडर पर डाला गया तो इसका सीधा असर यहां रहने वाले हजारों लोगों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सेक्टर-55 की बिजली, पानी, सीवर, सड़क और सुरक्षा व्यवस्था पहले से ही दबाव में है। ऐसे में किसी भी नई सोसायटी का अतिरिक्त भार डालने से पहले पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि सेक्टर के हितों की अनदेखी की गई तो निवासी लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध जारी रखेंगे। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने सेक्टर-55 की 60 फुट रोड पर भारी और बाहरी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने तथा सेक्टर-25 से प्रतापगढ़ पुल तक गुड़गांव नहर के दोनों किनारों पर सड़क निर्माण की मांग भी उठाई। उनका कहना था कि इससे ट्रैफिक का दबाव कम होगा और लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। प्रशासन के समझाने के बाद हुआ मामला शांत प्रदर्शन के दौरान करीब 50 से 60 स्थानीय लोग एकत्र होकर अपनी मांगों के समर्थन में शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करते रहे। मौके पर सेक्टर-55 चौकी पुलिस की टीम भी मौजूद रही। सेक्टर-55 चौकी के एएसआई मोहनलाल ने बताया कि सभी लोगों का विरोध पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों को अपनी मांगों के संबंध में प्रशासन से बातचीत करने के लिए समझाया गया, जिसके बाद मामला शांत हो गया। प्रदर्शनकारियों ने सेक्टर-55 के सभी निवासियों से एकजुट रहने की अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र के हितों की रक्षा के लिए सभी को मिलकर आवाज उठानी होगी। उनका कहना था कि यदि जरूरत पड़ी तो ज्ञापन, बैठक, शांतिपूर्ण धरना और अन्य लोकतांत्रिक माध्यमों से भी अपनी मांगों को सरकार और प्रशासन के सामने रखा जाएगा।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि

पूर्व सैनिकों ने वीरों के बलिदान को किया नमन, बोले-शहीदों के बलिदान को भुला नहीं सकते

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिले के फर्रुखनगर में इंडियन वेटरंस ऑर्गेनाइजेशन (IVO) की टीम ने कारगिल विजय दिवस पर शीशमहल स्थित शहीद स्मारक में एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व सैनिकों, गणमान्य नागरिकों और समाजसेवियों ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने देश की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर जवानों के अदम्य साहस और बलिदान को नमन किया। वक्ताओं ने 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों ने कठिन परिस्थितियों में दुश्मनों को परास्त कर देश का गौरव बढ़ाया, और उनके बलिदान को देश कभी भुला नहीं सकता। कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयरमैन बीरबल सैनी ने की। उन्होंने युवाओं से सेना के वीर सैनिकों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र सेवा का संकल्प लेने और शहीदों के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उपस्थित लोगों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर वेटरन तिरलोक चंद सैनी, राजेश सैनी, मोहिंदर सिंह, राजिंदर सिंह, ओम प्रकाश, बलकिशन, अशोक कुमार, अजीत सिंह, होशियार सिंह, राधेश्याम रोहिला, सुनील कुमार, सुरेंद्र सिंह, हरिराम, राज सिंह, मोतीलाल वैरायटी, संजीव प्रधान, राजेश गोयल, ज्ञानचंद, कप्तान सिंह, देवेंद्र शर्मा, रामबीर यादव, शिवचरण सिमर और पार्षद होशियार सिंह सहित अनेक पूर्व सैनिक एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

यमुना नदी में गिरे युवक का शव मिला

फरीदाबाद में सेल्फी लेते समय हादसा; दोस्त के साथ दौड़ लगाने आया था

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। के तिगांव थाना क्षेत्र के मंझावली पुल से सेल्फी लेना एक युवक को भारी पड़ गया। पुल की बाउंड्री पर खड़े होकर सेल्फी लेने के दौरान उसका पैर फिसल गया और वह यमुना नदी में जा गिरा। घटना के बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने लगातार दो दिन तक उसकी तलाश की। आखिरकार आज तीसरे दिन युवक का शव चांदपुर गांव के पास यमुना नदी किनारे झाड़ियों में फंसा हुआ मिला। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल की मॉच्युर्री भिजवा दिया है। तिगांव थाना प्रभारी रनबीर ने बताया कि मृतक की पहचान टीटू उर्फ चिंटू 21 वर्ष निवासी सिहावली, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि 24 जुलाई की सुबह टीटू अपने दोस्त धर्मेंद्र के साथ मंझावली पुल पर रेस लगाने के लिए गया था। इसी दौरान धर्मेंद्र के कहने पर टीटू पुल की बाउंड्री पर चढ़कर यमुना नदी के साथ सेल्फी लेने लगा। सेल्फी लेते समय अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और पैर फिसलने के कारण वह सीधे यमुना नदी में गिर गया। घटना को देखकर उसके दोस्त और अन्य लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही तिगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया।

एसडीआरएफ चला रही थी सर्च ऑपरेशन

युवक की तलाश के लिए तुरंत एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। 24 जुलाई से ही एसडीआरएफ की टीम लगातार यमुना नदी में युवक की तलाश में जुटी रही। नदी के अलग-अलग हिस्सों में कई घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन पहले दो दिनों तक उसका कोई सुराग नहीं मिला।

आज नदी किनारे झाड़ियों में मिला शव

इसके बाद 26 जुलाई को तीसरे दिन चांदपुर गांव के पास यमुना नदी किनारे झाड़ियों में एक शव फंसा हुआ दिखाई दिया। एसडीआरएफ की टीम ने शव को बाहर निकाला और उसकी पहचान टीटू उर्फ चिंटू के रूप में की गई। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया और घटना की सूचना परिजनों को दे दी। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में मामला हादसे का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। फिलहाल तिगांव थाना पुलिस मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है।

फरीदाबाद रेलवे प्लेटफॉर्म के किनारे रील बनाना पड़ा भारी

जीआरपी ने किन्नरों को दी चेतावनी, माफी मांगकर बोले- दोबारा नहीं होगी गलती

सोशल मीडिया पर रील बनाकर लाइक्स और व्यूज पाने की होड़ में कई लोग ऐसे स्थानों पर वीडियो बना रहे हैं, जहां जरा सी लापरवाही बड़ा हादसा बन सकती है। ऐसा ही एक मामला फरीदाबाद के ओल्ड रेलवे स्टेशन से सामने आया है। यहां रेलवे प्लेटफॉर्म के बिल्कुल किनारे खड़े होकर 2 किन्नरों द्वारा डांस करते हुए रील बनाने का वीडियो सामने आया है। यह वीडियो 23 जुलाई का बताया जा रहा है। वीडियो में दो किन्नर प्लेटफॉर्म के बिल्कुल किनारे खड़े होकर एक गाने पर डांस करते और रील बनाते हुए दिखाई दे रहे हैं। जिस जगह पर वे वीडियो बना रहे थे, वहां से यदि उसी समय तेज रफ्तार ट्रेन गुजर जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। ट्रेन की तेज हवा से उनका संतुलन बिगड़ सकता था, जिससे वे ट्रेन की चपेट में आ सकते थे या प्लेटफॉर्म पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो सकते थे। वीडियो देखने के बाद लोगों ने भी इसे बेहद खतरनाक बताया। जानकारी के अनुसार, वीडियो में दिखाई देने वाले दोनों किन्नर फरीदाबाद के रहने वाले हैं। वीडियो वायरल होने के बाद जीआरपी और आरपीएफ ने मामले को गंभीरता से लिया। पुलिस ने दोनों की पहचान कर उन्हें ट्रेस किया और जीआरपी थाने बुलाकर पूरे मामले में पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उन्हें इस तरह की लापरवाही से होने वाले खतरे के बारे में विस्तार से समझाया गया। जीआरपी ने दोनों को चेतावनी देकर छोड़ा जीआरपी ने बताया कि इस मामले में ऐसा कोई अपराध नहीं बनता, जिसके तहत उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा सके। इसलिए पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करने के बजाय उन्हें चेतावनी दी और भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं करने की हिदायत दी। पुलिस ने यह भी समझाया कि इस तरह की रील बनाकर वे न केवल अपनी जान जोखिम में डाल रहे थे, बल्कि किसी अप्रिय घटना की स्थिति में दूसरों की जान भी खतरे में पड़ सकती थी। वीडियो बनाकर मांगी माफी डांस करने वाली सौम्या किन्नर ने अपना एक वीडियो बनाया, जिसमें उन्होंने अपनी गलती स्वीकार करते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी।

गुरुग्राम-BJP विधायक के पंप पर युवकों पर लाठी-डंडे बरसाए

:सिर-पैर पर कई वार; शीशे फोड़ कार चकनाचूर की; हाथ जोड़कर कहते रहे-मत मारो

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में बीमार पिता को अस्पताल ले जाने से पहले कार में सीएनजी भरवाने पहुंचे दो युवकों पर जानलेवा हमला हो गया। सोहना से भाजपा विधायक तेजपाल तंवर के पंप पर बदमाशों ने दोनों को कार से घसीटकर लाठी-डंडों से पीटा। युवकों के सिर-पैर में कई वार किए गए। दोनों युवक हाथ जोड़कर मारो मत कहने लगे, लेकिन हमलावर नहीं रुके। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। वीडियो में बदमाश लोहे की रॉड, लाठी-डंडों के साथ लात-घूंसे मारते नजर आ रहे हैं। इसके बाद उनकी कार के शीशे तोड़ते दिख रहे हैं। हमले के बाद बदमाश अपनी कार में सवार होकर फरार हो गए। दोनों घायल युवक लहूलुहान होकर बेसुध पड़े रहे, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भर्ती कराया गया। उधर, परिजनों ने पुलिस में मामले की शिकायत दी है। पुलिस ने सीसीटीवी खंगाल जांच शुरू कर दी है।

पहले जानिए, सीसीटीवी में क्या-क्या दिख रहा...

पंप पर आते ही रॉड-डंडों से मारने लगे: सीसीटीवी फुटेज में रात करीब 12:30 बजे सीएनजी पंप पर लाइन में खड़ी कार के पास एक दूसरी कार आकर रुकती है। इसके बाद उसमें सवार कई युवक उतरते हैं और दो युवकों को घेर लेते हैं। कुछ ही सेकेंड में हमलावर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से कार पर ताबड़तोड़ हमला शुरू कर देते हैं। कार से बाहर खींचा, पीड़ित हाथ जोड़ते रहे: दोनों को जबरन कार से बाहर खींच लिया और जमीन पर गिराकर पीटने लगे। फुटेज में दोनों युवक हाथ जोड़कर रहम की भीख मांगते दिख रहे हैं, हमलावर लगातार उन पर वार करते रहते हैं। वारदात होते ही पंप पर मौजूद लोग भागते नजर आए। हमला करने के बाद सभी आरोपी आराम से अपनी कार में बैठकर मौके से फरार हो गए।

बीमार पिता को अस्पताल ले जाने के लिए दोस्त से मांगी थी कार

घायल युवकों की पहचान भौंडसी निवासी रितिक (20) और उसके बुआ के बेटे अभिषेक (16) के रूप में हुई। परिजनों के मुताबिक, रितिक के पिता कई दिनों से गंभीर रूप से बीमार हैं। उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए रितिक अपने दोस्त मयंक से कार मांगकर लाया था। अस्पताल निकलने से पहले दोनों कार में सीएनजी भरवाने पहुंचे थे।

CNG पंप पर घेरकर लाठी-डंडे से वार किया

रात करीब 12:30 बजे दोनों युवक सोहना के विधायक तेजपाल तंवर के सीएनजी पंप पर गैस भरवाने के लिए लाइन में खड़े थे। इसी दौरान कार में सवार कुछ युवक वहां पहुंचे और उन्होंने रितिक व अभिषेक को चारों तरफ से घेर लिया। आरोप है कि बदमाशों ने पहले कार पर लाठी, डंडों और लोहे की रॉड से हमला किया, फिर दोनों को जबरन बाहर निकालकर बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया।

एक की हालत गंभीर, अस्पताल में चल रहा इलाज

हमले के बाद पंप कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार, अभिषेक के सिर समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं रितिक का भी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पहले कोई विवाद नहीं, फिर भी बना लिया निशाना

पीड़ित परिवार का कहना है कि रितिक और अभिषेक का आरोपियों से पहले कभी कोई विवाद या झगड़ा नहीं हुआ था। ऐसे में बिना किसी वजह के हुए इस हमले से परिवार भी हैरान है। फिलहाल हमले की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। परिजनों के मुताबिक, पुलिस ने तीन आरोपियों की पहचान कर ली है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। परिवार का आरोप है कि शिकायत देने के बावजूद देर शाम तक एफआईआर भी दर्ज नहीं की गई। उधर, भौंडसी थाना SHO सतपाल का कहना है कि सीएनजी पंप पर लड़ाई झगड़े का मामला सामने आया है। एक पक्ष अभी शिकायत लेकर पहुंचा हैं। सीसीटीवी कब्जे में ली जा रही है।

फरीदाबाद के स्पा सेंटर में पुलिस की रेड

फरीदाबाद। के एनआईटी-5 स्थित रेलवे रोड पर संचालित नमस्ते फैमिली स्पा में शनिवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 6 घंटे तक छापेमारी की। पुलिस को काफी समय से सूचना मिल रही थी कि स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार कराया जा रहा है और यहां नशा बेचे जाने की गतिविधियां भी संचालित होती हैं। इसी सूचना के आधार पर दोपहर करीब 1 बजे एनआईटी थाना पुलिस और महिला थाना एनआईटी की टीम ने संयुक्त रूप से स्पा सेंटर पर छापा मारा। पुलिस ने स्पा सेंटर पहुंचते ही पूरे परिसर को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। इसके बाद स्पा सेंटर के सभी कमरों की तलाशी ली गई और वहां मौजूद लोगों से पूछताछ की गई। करीब 6 घंटे तक चली इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने स्पा सेंटर में मौजूद सभी महिलाओं को हिरासत में ले लिया।

सम्पादकीय

नैतिकता नहीं, भारी युवा आक्रोश के चलते हुआ शिक्षा मंत्री का इस्तीफा

तनवीर जाफरी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर चल रहा छात्रों व युवाओं का आंदोलन अभी लगभग पूरे देश में फैलता ही जा रहा था कि गत शनिवार सरकार को उन्हें पद से हटाना ही पड़ गया। आंदोलित छात्रों को केवल विपक्ष या अन्य तमाम सेलेब्रिटीज का ही समर्थन नहीं मिला बल्कि उन्हें भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री मुरली मनोहर जोशी का भी समर्थन हासिल हुआ। जोशी ने छात्र आंदोलन को अपना समर्थन देते हुये कहा था कि ह्यमहिलाओं और कम उम्र की लड़कियों के साथ बेरहमी से बुरा व्यवहार किया गया, जिससे उन्हें गहरा दुख हुआ। उन्होंने कहा कि छात्र कई दिनों से नई दिल्ली की सड़कों पर हैं और उनकी चिंताएँ वाजिब हैं, जिनका समाधान सहानुभूति और संवाद के माध्यम से होना चाहिए था, न कि केवल कानून-व्यवस्था का मामला मानकर बल प्रयोग सेह्न। परन्तु अहंकारी सत्ता ने समय रहते शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाने की उनकी मांग पूरी करने के बजाय पुलिस बल का प्रयोग कर उन्हें भयभीत करने की रणनीति अपनाई। और आखिरकार पुलिस की दमनकारी नीति सरकार को और भारी पड़ गयी। सवाल यह है कि जिस धर्मेंद्र प्रधान के जुलाई 2021 से जुलाई 2026 तक के शिक्षा मंत्री के कार्यकाल के दौरान देश में अलग-अलग स्तरों पर लगभग 70 से 80 बार पेपर लीक के मामले सामने आए हैं। जिस धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री मंत्री रहते विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं (विशेषकर नीट और यूजीसी-नेट) में हुई पेपर लीक की घटनाओं और उनके मानसिक तनाव के कारण और उसके बाद उनके भविष्य को लेकर पैदा हुई अनिश्चितता के चलते पिछले कुछ हफ़्तों में ही 21 छात्रों ने आत्महत्या कर ली। और देश के करोड़ों छात्रों का भविष्य सीधे तौर पर प्रभावित हुआ, केवल नीट परीक्षा के पेपर लीक, परिणाम रद्द होने और री-टेस्ट के कारण अकेले 22 लाख से अधिक (2.2 मिलियन) छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया और उन्हें दोबारा भीषण मानसिक तनाव में परीक्षा की तैयारी करनी पड़ी। इसी तरह यूजीसी-नेट परीक्षा, डार्क नेट पर पेपर लीक होने की वजह से रातों-रात परीक्षा रद्द होने के कारण 9 लाख से अधिक छात्रों का कैरियर सीधे प्रभावित हुआ। ऐसे शिक्षा मंत्री को हटाने में सरकार को आखिर इतना समय क्यों लगा ? दरअसल धर्मेंद्र प्रधान बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा और उसकी सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों से गहराई से जुड़े रहे हैं। उनका पूरा राजनीतिक और सामाजिक आधार संघ से ही प्रेरित रहा है। धर्मेंद्र प्रधान के पिता डॉ. देबेंद्र प्रधान ओडिशा में भाजपा के शुरूआती नेताओं में से थे और स्वयं संघ के आजीवन कार्यकर्ता रहे। डॉ. देबेंद्र प्रधान 1998-2004 के मध्य वाजपेयी सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री भी रहे । जुलाई 2021 में जब धर्मेंद्र प्रधान को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद की जिम्मेदारी दी गई, तो उन्होंने देश की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) को लागू करने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किया। इस दौरान उन्होंने पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा कर भारतीय महापुरुषों और स्वदेशी इतिहास को प्रमुखता से शामिल करने का कार्य किया, जिसे संघ के सांस्कृतिक और शैक्षिक दृष्टिकोण के अनुकूल माना जाता है। धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री रहते हुए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) और नए नेशनल करिकुलम फ्रेम वर्क (एनसीएफ-एसई 2023) के तहत स्कूली पाठ्यक्रमों (विशेषकर एनसीईआरटी किताबों) में व्यापक बदलाव किए गए। इसमें वेदों, प्राचीन भारतीय ग्रंथों, पारंपरिक ज्ञान, प्राचीन खगोल विज्ञान और भारत की समृद्ध गणितीय विरासत (जैसे प्राचीन गणितज्ञों के योगदान) से जुड़े संदर्भों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। कक्षा 6 से ही कोडिंग, वित्तीय साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, और स्थानीय शिल्पकला (जैसे मिट्टी के बर्तन बनाना, बागबानी आदि) जैसे व्यावहारिक विषयों को मुख्य पाठ्यक्रम में जोड़ा गया। स्कूली स्तर पर स्वास्थ्य, कल्याण और योग को शारीरिक शिक्षा के अनिवार्य और मुख्य मूल्यांकन का हिस्सा बनाया गया। इसी तरह एनसीईआरटी की कक्षा 6 से 12वीं तक की किताबों से पाठ्यक्रम का लगभग 30% हिस्सा हटा दिया गया, जिसे लेकर काफी विवाद भी हुआ। इतिहास की किताबों (विशेषकर कक्षा 12वीं) से ह्यमुगल दरबारह्न, मुगल शासकों के इतिहास और उनके प्रशासनिक तौर-तरीकों से जुड़े कुछ विस्तृत अध्यायों और अंशों को हटाया या छोटा किया गया।

भारत के मिसाइल मैन और युवाओं के प्रेरणास्रोत

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक, शिक्षाविद् और दूरदर्शी चिंतक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का नाम भारतीय इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। वे ऐसे व्यक्तित्व थे जिन्होंने विज्ञान, शिक्षा, राष्ट्रनिर्माण और युवा शक्ति को एक सूत्र में पिरोकर भारत को नई दिशा देने का कार्य किया। उनकी पुण्यतिथि 27 जुलाई हमें उनके आदर्शों, संघर्षों और राष्ट्र के प्रति समर्पण को स्मरण करने का अवसर प्रदान करती है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का पूरा नाम अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम था। उनका जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम् द्वीप स्थित धनुषकोडी क्षेत्र के एक साधारण परिवार में हुआ था। उनके पिता जैनुलाब्दीन नाव चलाने का कार्य करते थे और माता आशियम्मा धार्मिक एवं करुणामयी स्वभाव की थीं। आर्थिक परिस्थितियाँ साधारण होने के बावजूद परिवार ने बच्चों को शिक्षा और संस्कारों का अमूल्य धन प्रदान किया। बालक कलाम बचपन से ही परिश्रमी, जिज्ञासु और स्वप्नदर्शी थे। अपनी पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए वे समाचार पत्र वितरित करते थे। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने कभी अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया। यही संघर्ष आगे चलकर उन्हें विश्व के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की श्रेणी में ले गया। प्रारंभिक शिक्षा रामेश्वरम् में प्राप्त करने के बाद उन्होंने सेंट जोसेफ कॉलेज, तिरुचिरापल्ली से भौतिक विज्ञान में स्नातक की शिक्षा प्राप्त की। इसके पश्चात उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। उनका सपना वायुसेना में पायलट बनने का था, किंतु चयन न हो पाने के बाद उन्होंने निराश होने के बजाय विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाया। वर्ष 1958 में उन्होंने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) में वैज्ञानिक के रूप में अपना कार्य आरंभ किया। बाद में वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से जुड़े और भारत के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण यान एसएलवी-3 परियोजना के परियोजना निदेशक बने। उनके नेतृत्व में 1980 में रोहिणी उपग्रह को सफलतापूर्वक पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया गया, जो भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की ऐतिहासिक उपलब्धि थी। डॉ. कलाम का सबसे महत्वपूर्ण योगदान भारत के स्वदेशी मिसाइल कार्यक्रम में रहा। उन्होंने समेकित निर्देशित प्रक्षेपास्त्र विकास कार्यक्रम इंटिग्रेटेड गाईडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम का सफल नेतृत्व किया। उनके मार्गदर्शन में पृथ्वी, अग्नि, आकाश, त्रिशूल और नाग जैसी मिसाइलों का विकास हुआ। इसी असाधारण योगदान के कारण उन्हें मिसाइल मैन ऑफ इंडिया के नाम से विश्वभर में पहचान मिली। वर्ष 1992 से 1999 तक वे भारत सरकार के रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार तथा रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव रहे। भारत की सामरिक क्षमता को सुदृढ़ बनाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण की सफलता में भी उनका उल्लेखनीय योगदान रहा। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवाओं को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण, पद्म विभूषण और देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से अलंकृत किया। वर्ष 2002 में वे भारत के 11वें राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। वे देश के पहले ऐसे राष्ट्रपति थे जो एक वैज्ञानिक पृष्ठभूमि से आए और जिन्होंने राजनीति से सीधे जुड़े बिना सर्वोच्च संवैधानिक पद तक की यात्रा तय की। राष्ट्रपति के रूप में उनका कार्यकाल अत्यंत लोकप्रिय रहा। वे स्वयं को ह्लजनता का राष्ट्रपतिह्न मानते थे। बच्चों और युवाओं से उनका विशेष लगाव था। वे विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करते थे तथा उन्हें बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित करते थे। उनका विश्वास था कि भारत का भविष्य युवाओं के हाथों में सुरक्षित है। डॉ. कलाम केवल वैज्ञानिक ही नहीं, बल्कि एक संवेदनशील लेखक और विचारक भी थे। उनकी पुस्तकें विंग्स ऑफ फायर, इग्नाइटेड माइंड्स, इंडिया 2020 और माय जर्नी आज भी युवाओं को प्रेरित करती हैं।

नीट से शुरू, राजनीति पर खत्म

ऐसी स्थिति में सरकार से जवाब मांगना, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की अपेक्षा करना और परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग करना पूरी तरह उचित है। किसी भी लोकतांत्रिक सरकार की पहली जिम्मेदारी यही होती है कि वह नागरिकों, विशेषकर युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करे। यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी पेपर लीक की घटना को केवल एक प्रशासनिक चूक कहकर टाला नहीं जा सकता। यह केवल प्रश्नपत्र की चोरी नहीं, बल्कि लाखों सपनों के साथ विश्वासघात है। ऐसे अपराधों में शामिल व्यक्तियों, गिरोहों अथवा अधिकारियों की निष्पक्ष जांच और शीघ्र दंड आवश्यक है। यदि व्यवस्था में कमियाँ हैं तो उन्हें दूर करना सरकार की जिम्मेदारी है। परीक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित बनाना, डिजिटल निगरानी बढ़ाना, उत्तरदायित्व तय करना और समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करना अब केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम का एक दूसरा पक्ष भी सामने आया। जैसे-जैसे विरोध प्रदर्शन बढ़े, अनेक स्थानों पर मूल मुद्दे की जगह राजनीतिक विमर्श ने ले ली। विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और वैचारिक समूहों ने इस विषय को अपने-अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत करना शुरू किया।

डॉ. प्रियंका सौरभ
(लेखक)

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि यहाँ जनता को सरकार से सवाल पूछने का अधिकार है। यही अधिकार लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखता है। जब किसी सरकारी व्यवस्था में कमी दिखाई देती है, जब किसी परीक्षा में गड़बड़ी होती है, जब युवाओं के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग जाता है, तब विरोध केवल स्वाभाविक ही नहीं बल्कि आवश्यक भी होता है। किंतु लोकतंत्र की यही शक्ति तब कमजोर पड़ने लगती है जब किसी वास्तविक मुद्दे का केंद्र धीरे-धीरे बदलकर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, वैचारिक ध्रुवीकरण और सत्ता संघर्ष में परिवर्तित हो जाता है। तब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक लाभ-हानि का गणित आगे आ जाता है। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं ने पूरे देश को झकझोर दिया। लाखों विद्यार्थियों ने वर्षों तक कठिन परिश्रम किया, परिवारों ने अपनी आर्थिक क्षमता से कहीं अधिक खर्च कर बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया, लेकिन जब परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठे तो स्वाभाविक रूप से छात्रों और अभिभावकों का विश्वास डगमगाया। ऐसी स्थिति में सरकार से जवाब मांगना, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की अपेक्षा करना और परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग करना पूरी तरह उचित है। किसी भी लोकतांत्रिक सरकार की पहली जिम्मेदारी यही होती है कि वह नागरिकों, विशेषकर युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करे। यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी पेपर लीक की घटना को केवल एक प्रशासनिक चूक कहकर टाला नहीं जा सकता। यह केवल प्रश्नपत्र की चोरी नहीं, बल्कि लाखों सपनों के साथ विश्वासघात है। ऐसे अपराधों में शामिल व्यक्तियों, गिरोहों अथवा अधिकारियों की निष्पक्ष जांच और शीघ्र दंड आवश्यक है। यदि व्यवस्था में कमियाँ हैं तो उन्हें दूर करना सरकार की जिम्मेदारी है। परीक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित बनाना, डिजिटल निगरानी बढ़ाना, उत्तरदायित्व तय करना और समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करना अब केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम का एक दूसरा पक्ष भी सामने आया। जैसे-जैसे विरोध प्रदर्शन बढ़े, अनेक स्थानों पर मूल मुद्दे की जगह राजनीतिक विमर्श ने ले ली। विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और वैचारिक समूहों ने इस विषय को अपने-अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत करना शुरू किया। छात्रहित का प्रश्न धीरे-धीरे राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का माध्यम बन गया। कुछ मंचों पर सरकार की नीतियों की आलोचना हुई, तो कहीं पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न लगाए गए। कहीं-कहीं भाषा की मर्यादा भी टूटती दिखाई दी। ऐसे में स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या आंदोलन का लक्ष्य छात्रों को न्याय दिलाना था या राजनीतिक लाभ अर्जित करना? लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। विपक्ष सरकार से प्रश्न पूछता है, नीतियों की समीक्षा करता है और जनता की आवाज को संसद तथा सड़कों तक पहुँचाता है। इसी प्रकार सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी केवल अपनी उपलब्धियाँ गिनाना नहीं, बल्कि जनता की शंकाओं का उत्तर देना भी है। लोकतंत्र तब स्वस्थ रहता है जब दोनों पक्ष अपनी संवैधानिक भूमिका का सम्मान करें। किंतु यदि हर मुद्दा केवल राजनीतिक लाभ और हानि के तराजू पर तौला जाने लगे तो सबसे अधिक नुकसान आम नागरिक का होता है भारत का लोकतंत्र अनेक कठिन दौरों से गुजरा है। स्वतंत्रता के बाद देश ने राजनीतिक अस्थिरता भी देखी और आपातकाल जैसा दौर भी, जब नागरिक स्वतंत्रताओं पर व्यापक प्रतिबंध लगे। उसी इतिहास ने यह भी सिखाया कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान नहीं करता, बल्कि जागरूक नागरिक भी करते हैं। आज परिस्थितियाँ भिन्न हैं। सोशल मीडिया ने प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने का मंच दिया है। सरकारों की आलोचना पहले से कहीं अधिक खुलकर होती है। यह लोकतंत्र की शक्ति का परिचायक है। लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और अभद्रता में अंतर बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। असहमति लोकतांत्रिक अधिकार है, किन्तु व्यक्तिगत अपमान, घृणा और दुष्प्रचार किसी भी स्वस्थ समाज को कमजोर करते हैं। आज सोशल मीडिया ने संवाद को जितना सरल बनाया है, उतना ही जटिल भी। अपुष्ट सूचनाएँ, आधे-अधूरे वीडियो, भावनात्मक पोस्ट और राजनीतिक प्रचार कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुँच जाते हैं। परिणामस्वरूप कई बार वास्तविक मुद्दा तथ्यों से अधिक भावनाओं के आधार पर तय होने लगता है। नीट विवाद के दौरान भी अनेक प्रकार की सूचनाएँ और दावे सामने आए। ऐसे समय में नागरिकों, मीडिया और राजनीतिक दलों—सभी की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे केवल सत्यापित तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को लेकर देश में अलग-अलग मत हैं। उनके समर्थक बुनियादी ढाँचे के विस्तार, डिजिटल शासन, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बढ़ती भूमिका और कई कल्याणकारी योजनाओं को उनकी उपलब्धियाँ मानते हैं। वहीं उनके आलोचक बेरोजगारी, महँगाई, सामाजिक तनाव और कुछ प्रशासनिक निर्णयों पर गंभीर प्रश्न उठाते हैं। लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि दोनों पक्षों को अपनी बात रखने का अधिकार मिले। किसी भी नेता का मूल्यांकन केवल लोकप्रियता से नहीं, बल्कि उसके निर्णयों, परिणामों और जवाबदेही से होना चाहिए।

चाय की एक तस्वीर और लोकतंत्र की असली परीक्षा

सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियों को जनता के सामने प्रस्तुत करता है, जबकि विपक्ष सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता भी है। लेकिन जब पूरा राजनीतिक विमर्श किसी एक तस्वीर, व्यक्तिगत घटना या भावनात्मक मुद्दे तक सीमित हो जाए और अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार तथा राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर विषय पीछे छूट जाएँ, तब चिंता होना स्वाभाविक है। राजनीति को अक्सर शतरंज या चौसर के खेल से तुलना करके देखा जाता है। इस खेल में प्रत्येक चाल सोच-समझकर चली जाती है। यदि एक रणनीति असफल होती है तो तुरंत दूसरी रणनीति तैयार कर ली जाती है। राजनीतिक दल भी समय और परिस्थितियों के अनुसार अपनी रणनीतियाँ बदलते रहते हैं। यह लोकतंत्र का सामान्य हिस्सा है। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में सबसे अधिक प्रभावित वे लोग होते हैं जो किसी राजनीतिक दल के शीर्ष नेतृत्व का हिस्सा नहीं होते, बल्कि केवल कार्यकर्ता, समर्थक या आम नागरिक होते हैं। वे भावनाओं के आधार पर संघर्ष करते हैं, समय लगाते हैं और कई बार अपने व्यक्तिगत जीवन तथा भविष्य को भी प्रभावित कर लेते हैं। आज भारत केवल राजनीतिक चुनौतियों का सामना नहीं कर रहा, बल्कि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियाँ भी लगातार बदल रही हैं।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

राजनीति में कई बार एक तस्वीर, एक बयान या एक छोटी-सी घटना पूरे राजनीतिक विमर्श की दिशा बदल देती है। आज के डिजिटल युग में यह प्रक्रिया और भी तेज हो गई है। कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया पर कोई तस्वीर लाखों लोगों तक पहुँच जाती है और उसके आधार पर अनेक तरह की राजनीतिक व्याख्याएँ शुरू हो जाती हैं। हाल के दिनों में गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल के आईसीयू से गर्म चाय पीते हुए एक प्रमुख नेता की तस्वीर सामने आने के बाद भी कुछ ऐसा ही दृश्य देखने को मिला। तस्वीर सामने आते ही राजनीतिक गलियारों में चचाओं का दौर तेज हो गया। समर्थकों और विरोधियों ने अपने-अपने दृष्टिकोण से इस तस्वीर का अर्थ निकालना शुरू कर दिया। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया कि क्या भारतीय राजनीति अब वास्तविक मुद्दों से अधिक प्रतीकों और तस्वीरों के इर्द-गिर्द घूमने लगी है? लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है। सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियों को जनता के सामने प्रस्तुत करता है, जबकि विपक्ष सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता भी है। लेकिन जब पूरा राजनीतिक विमर्श किसी एक तस्वीर, व्यक्तिगत घटना या भावनात्मक मुद्दे तक सीमित हो जाए और अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार तथा राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर विषय पीछे छूट जाएँ, तब चिंता होना स्वाभाविक है। राजनीति को अक्सर शतरंज या चौसर के खेल से तुलना करके देखा जाता है। इस खेल में प्रत्येक चाल सोच-समझकर चली जाती है। यदि एक रणनीति असफल होती है तो तुरंत दूसरी रणनीति तैयार कर ली जाती है। राजनीतिक दल भी समय और परिस्थितियों के अनुसार अपनी रणनीतियाँ बदलते रहते हैं। यह लोकतंत्र का सामान्य हिस्सा है। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में सबसे अधिक प्रभावित वे लोग होते हैं जो किसी राजनीतिक दल के शीर्ष नेतृत्व का हिस्सा नहीं होते, बल्कि केवल कार्यकर्ता, समर्थक या आम नागरिक होते हैं। वे भावनाओं के आधार पर संघर्ष करते हैं, समय लगाते हैं और कई बार अपने व्यक्तिगत जीवन तथा भविष्य को भी प्रभावित कर लेते हैं। आज भारत केवल राजनीतिक चुनौतियों का सामना नहीं कर रहा, बल्कि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियाँ भी लगातार बदल रही हैं। दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में जारी संघर्ष, अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बढ़ती अनिश्चितता, ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली बाधाएँ भारत सहित लगभग सभी देशों को प्रभावित कर रही हैं। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है या वैश्विक व्यापारिक तनाव के कारण आयात महँगा होता है, तो उसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल वाहन चलाने वालों की समस्या नहीं होती। इसका प्रभाव परिवहन लागत पर पड़ता है, जिससे कृषि उत्पाद, खाद्य सामग्री, दवाइयाँ, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं तक की कीमतें बढ़ सकती हैं। जब परिवहन महँगा होता है तो लगभग हर वस्तु की लागत प्रभावित होती है। अंततः इसका बोझ आम नागरिक की जेब पर पड़ता है। महँगाई केवल आर्थिक आँकड़ा नहीं होती, बल्कि हर परिवार के मासिक बजट को प्रभावित करने वाली वास्तविक चुनौती बन जाती है। इसी कारण राष्ट्रीय हितों से जुड़े आर्थिक विषयों पर व्यापक राजनीतिक सहमति की आवश्यकता महसूस होती है। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वस्थ परंपरा है, लेकिन जब विषय देश की अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा या वैश्विक संकट से जुड़ा हो, तब सभी राजनीतिक दलों को कम-से-कम बुनियादी स्तर पर एकजुटता दिखानी चाहिए। जनता भी यही अपेक्षा करती है कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अपनी जगह रहे, लेकिन राष्ट्रीय हित सर्वोपरि बना रहे। संसद का मानसून सत्र भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह वह मंच है जहाँ सरकार अपनी नीतियों का पक्ष रखती है और विपक्ष उनसे जुड़े प्रश्न उठाता है। स्वस्थ लोकतंत्र में बहस, आलोचना और जवाबदेही अत्यंत आवश्यक हैं। लेकिन जब संसद में सार्थक चर्चा की जगह केवल राजनीतिक टकराव अधिक दिखाई देने लगे, तब लोकतंत्र का मूल उद्देश्य कमजोर पड़ सकता है। संसद केवल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का मंच नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं के समाधान का सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान है। आज देश के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में युवाओं का भविष्य भी शामिल है। भारत विश्व के सबसे युवा देशों में गिना जाता है। यह हमारी सबसे बड़ी शक्ति भी है और सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी। यदि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के पर्याप्त अवसर मिलते हैं, तो भारत आने वाले दशकों में विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति और मजबूत कर सकता है। लेकिन यदि युवाओं की ऊर्जा केवल राजनीतिक संघर्षों और टकरावों में खर्च होने लगे, तो यह देश के दीर्घकालिक विकास के लिए चिंताजनक स्थिति होगी। छात्र जीवन विचारों के निर्माण का समय होता है। इसी दौरान युवा समाज, संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्र के प्रति अपनी समझ विकसित करते हैं। इसलिए छात्रों का लोकतांत्रिक विमर्श में भाग लेना आवश्यक भी है और स्वाभाविक भी। लेकिन यह भागीदारी जागरूक नागरिक के रूप में होनी चाहिए, न कि किसी राजनीतिक दल के उपकरण के रूप में। शिक्षा का उद्देश्य स्वतंत्र सोच विकसित करना है, न कि अंधानुकरण। आज सोशल मीडिया ने राजनीति की प्रकृति को भी बदल दिया है। पहले राजनीतिक संदेश जनसभाओं, अखबारों और टेलीविजन तक सीमित रहते थे। अब कुछ ही सेकंड में कोई तस्वीर, वीडियो या संदेश करोड़ों लोगों तक पहुँच जाता है।

क्या धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से शिक्षा व्यवस्था सुधरेगी?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की शिक्षा व्यवस्था आज जिस मोड़ पर खड़ी है, वहाँ समस्या किसी एक व्यक्ति या किसी एक मंत्रालय तक सीमित नहीं है। यह एक बहुस्तरीय संकट है, जिसमें नीतिगत अस्पष्टता, कार्यान्वयन की कमजोरी, संसाधनों की कमी, शिक्षक-प्रशिक्षण की चुनौती, परीक्षा-केंद्रित सोच और सामाजिक-आर्थिक असमानता—एक साथ मौजूद हैं। इसलिए जब यह सवाल उठता है कि क्या केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से शिक्षा व्यवस्था सुधर जाएगी, तो इसका उत्तर केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि संस्थागत और संरचनात्मक भी होना चाहिए। सच यह है कि केवल मंत्री बदल देने से शिक्षा व्यवस्था अपने-आप नहीं सुधरती; सुधार तब होता है जब नीति, नीयत, निवेश और निष्पादन, चारों एक दिशा में काम करें। भारत में शिक्षा को लंबे समय से ह्लनीतिह्न से अधिक ह्लघोषणाह्न के स्तर पर देखा गया है। हर सरकार शिक्षा सुधार की बात करती है, लेकिन जमीन पर परिवर्तन की गति बहुत धीमी रहती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भारत की शिक्षा प्रणाली को एक नई दिशा देने का वादा किया था—समग्र शिक्षा, मातृभाषा आधारित प्रारंभिक शिक्षा, कौशल-विकास, बहुविषयी अध्ययन, डिजिटल लर्निंग और शोध-उन्मुख उच्च शिक्षा। कागज पर यह नीति अत्यंत महत्त्वाकांक्षी है। परंतु महत्त्वाकांक्षा और प्रभावी क्रियान्वयन के बीच अक्सर बहुत बड़ा अंतर रह जाता है। यही वह अंतर है, जहाँ किसी भी शिक्षा मंत्री की असली परीक्षा होती है। धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल को देखें तो यह स्पष्ट होता है कि उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को आगे बढ़ाने, बहुभाषी शिक्षा पर बल देने, कौशल विकास को प्राथमिकता देने, डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहन देने और उच्च शिक्षा को अधिक लचीला बनाने की दिशा में कदम उठाए। यह कहना गलत होगा कि उनके कार्यकाल में कुछ नहीं हुआ। बहुत-सी योजनाएँ आगे बढ़ीं, संवाद बढ़ा, और शिक्षा पर राष्ट्रीय बहस तेज हुई। लेकिन साथ ही यह भी सच है कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था की मूल समस्याएँ जस की तस बनी रहीं। सरकारी विद्यालयों में गुणवत्ता का अंतर, ग्रामीण-शहरी असमानता, शिक्षकों की कमी, परीक्षा-प्रधान संस्कृति, और कोचिंग-निर्भरता—ये सभी समस्याएँ अब भी गहरी हैं। इसी संदर्भ में यह समझना आवश्यक है कि शिक्षा मंत्री की भूमिका क्या होती है। शिक्षा मंत्री न तो अकेले स्कूलों की गुणवत्ता सुधार सकता है, न ही विश्वविद्यालयों की शोध-क्षमता बढ़ा सकता है, और न ही एक झटके में करोड़ों विद्यार्थियों की सीखने की स्थिति बदल सकता है। उसकी भूमिका मुख्यतः नीति-निर्माण, समन्वय, बजट प्राथमिकता, संस्थागत निगरानी और राज्यों के साथ सहयोग की होती है। यदि ये पाँचों काम बेहतर हों, तो शिक्षा में सुधार की संभावना बढ़ती है। लेकिन यदि केवल चेहरा बदल दिया जाए और नीतिगत ढाँचा वही रहे, तो परिणाम सीमित ही रहेंगे। भारत की शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वह बराबरी का अवसर नहीं दे पाती। एक ओर महानगरों के निजी स्कूल और महंगे संस्थान हैं, जहाँ सुविधाएँ और अवसर अपेक्षाकृत अधिक हैं; दूसरी ओर सरकारी स्कूल और दूरस्थ ग्रामीण इलाके हैं, जहाँ बुनियादी ढाँचे, प्रशिक्षित शिक्षकों और डिजिटल संसाधनों की भारी कमी है। इस असमानता को कोई एक मंत्री, चाहे वह धर्मेंद्र प्रधान हों या कोई और, अकेले समाप्त नहीं कर सकता। इसके लिए लंबे समय तक चलने वाली राज्य-नीति, केंद्र-राज्य समन्वय और सामाजिक निवेश की आवश्यकता होती है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत में शिक्षा सुधार का प्रश्न सिर्फ प्रशासनिक नहीं, वैचारिक भी है। दशकों से हमारी शिक्षा प्रणाली परीक्षा पास कराने वाली मशीन के रूप में देखी जाती रही है, न कि सोच विकसित करने वाले माध्यम के रूप में। रटंत शिक्षा ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमता को सीमित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इस प्रवृत्ति को बदलना चाहती है, लेकिन बदलाव केवल दस्तावेजों से नहीं आता। इसके लिए पाठ्यक्रम, मूल्यांकन, शिक्षक-प्रशिक्षण और कक्षा-स्तरीय व्यवहार में परिवर्तन चाहिए। यही वह बिंदु है जहाँ सुधारों का वास्तविक परीक्षण होता है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करने वालों का तर्क यह हो सकता है कि नेतृत्व परिवर्तन से जवाबदेही बढ़ती है और नई ऊर्जा आती है। यह तर्क आंशिक रूप से सही भी है। किसी भी मंत्रालय में नेतृत्व की शैली, प्राथमिकताएँ और कार्य-संस्कृति महत्वपूर्ण होती हैं। यदि किसी मंत्री के कार्यकाल में संवाद कमजोर हो, नीतियों के परिणाम धीमे हों, या जमीनी स्तर की शिकायतों पर अपेक्षित ध्यान न दिया जाए, तो बदलाव की आवश्यकता महसूस होती है। लेकिन यहाँ भी प्रश्न यही है कि क्या बदलाव व्यक्ति में चाहिए या व्यवस्था में।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात:किरण
नई दिल्ली, सोमवार, 27 जुलाई , 2026

संक्षिप्त खबरें

कुएं में उतराता मिला वृद्ध महिला का शव

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश में मीरजापुर जिले के मड़िहान थाना क्षेत्र स्थित मटिहानी गांव में रविवार सुबह 66 वर्षीय वृद्धा का शव घर के पास स्थित कुएं में उतराता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजन कुएं में गिरने से मौत होने की आशंका जता रहे हैं। गांव निवासी रमावती देवी शनिवार रात भोजन के बाद घर में सोई थीं। उनके पुत्र वीरेंद्र ने बताया कि सुबह करीब पांच बजे नींद खुलने पर मां बिस्तर पर नहीं मिलीं। पहले लगा कि वह शौच के लिए बाहर गई हैं, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटीं। इसके बाद परिवार के लोग उनकी तलाश में जुट गए। इसी दौरान घर के पास स्थित जमीन स्तर के कुएं में झांकने पर रमावती देवी का शव पानी में उतराता दिखाई दिया। सूचना मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों की मदद से रस्सी के सहारे शव को बाहर निकाला गया और पुलिस को सूचना दी गई। मृतका अपने दूसरे पुत्र वीरेंद्र के साथ रहती थीं। उनके तीन पुत्र हैं और सभी विवाहित हैं। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। थाना प्रभारी रविंद्र भूषण मौर्य ने बताया कि प्रथम दृष्टया वृद्धा की कुएं में गिरने से मौत प्रतीत होती है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की पुष्टि होगी।

पढ़ाई में पीछे छूटे बच्चों को मुख्यधारा में लाएगी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने बुनियादी शिक्षा में अधिगम अंतर (लर्निंग गैप) को समाप्त करने के लिए कैच-अप शिक्षण अभियान को और प्रभावी बनाने का निर्णय लिया है। अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी सरकारी विद्यालयों, बीआरसी, बीएसए कार्यालयों और डायट में कैच-अप शिक्षण, निपुण लक्ष्य, कक्षा शिक्षण की 10 प्रभावी प्रथाओं तथा रीडिंग कैंपेन से संबंधित आईईसी सामग्री 31 जुलाई तक प्रदर्शित की जाएगी। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने इस संबंध में सहायक शिक्षा निदेशकों (बेसिक), डायट प्राचार्यों, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारियों, जिला समन्वयकों, एसआरजी तथा एआरपी को समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों में कहा गया है कि संबंधित आईईसी सामग्री का मुद्रण कराकर उसे विद्यालयों, बीआरसी, बीएसए कार्यालयों तथा डायट में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किया जाए ताकि शिक्षक प्रतिदिन इन शैक्षणिक संदेशों का उपयोग कक्षा शिक्षण में कर सकें। इसके माध्यम से पूरे प्रदेश में दक्षता आधारित शिक्षण की एक समान कार्यसंस्कृति विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। कैच-अप शिक्षण के लिए तैयार की गई 15 सूत्रीय रणनीति अभियान के प्रभावी संचालन के लिए 15 सूत्रीय रणनीति तैयार की गई है।

कारगिल युद्ध में बागपत के आठ शूरवीरों ने लिखी शौर्य गाथा

बागपत। कारगिल विजय दिवस पर जनपद बागपत के उन आठ वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी जा रही है, जिन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में दुश्मनों के छक्के छुड़ाते हुए मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। 26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल की दुर्गम चोटियों पर तिरंगा फहराकर ऐतिहासिक विजय हासिल की थी, और इस जीत में बागपत के वीरों का योगदान अविस्मरणीय रहा। जिले के रहम सिंह (बिनौली), यशवीर सिंह (सिरसली), सुभाष कुमार (बड़ौत), इंद्रजीत सिंह (रमाला), अनिल कुमार (बावली), राजेंद्र सिंह (खेकड़ा), जितेंद्र सिंह (जिवाना) और कोमल शर्मा (लोहड्डा) ने कुपवाड़ा में अदम्य साहस का परिचय देते हुए दुश्मनों के मंसूबों को नाकाम किया। इन वीर जवानों की शहादत ने न केवल जिले बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया। कारगिल युद्ध में बागपत तहसील क्षेत्र से सबसे अधिक जवान शहीद हुए थे। आज भी उनके गांवों में वीरता की कहानियां बच्चों को प्रेरणा देती हैं। इन शहीदों की स्मृति में बनाए गए स्मारकों पर राष्ट्रीय पर्वों और विशेष अवसरों पर लोग श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं। प्रशासन, जनप्रतिनिधि, पूर्व सैनिक संगठन और आम नागरिकों द्वारा 26 जुलाई को विभिन्न स्थानों पर श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन किया जा रहा। खेकड़ा के नीरा आर्य स्मारक पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया है। स्वतंत्रता सेनानियों और कारगिल शहीदों के परिवार कार्यक्रम में शामिल हुए है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि इन वीरों का बलिदान देश के लिए अमूल्य है जो आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति का संदेश देता रहेगा। कारगिल विजय दिवस केवल एक सैन्य जीत नहीं, बल्कि देशभक्ति, साहस और बलिदान की अमर गाथा है–जिसे बागपत के इन आठ सपूतों ने अपने लहू से लिखा है।

प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने परखी विकास योजनाओं की प्रगति, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं में बांटा चेक, अधिकारियों को दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा वाराणसी के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने रविवार को विकासखण्ड काशी विद्यापीठ का भ्रमण कर विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी प्रगति का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया तथा लाभार्थियों से सीधे संवाद कर उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ भी वितरित किया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रभारी मंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान को नमन करते हुए विकास कार्यों को जनहित के अनुरूप गति देने का आह्वान किया। भ्रमण के दौरान मंत्री ने आंगनवाड़ी, बेसिक शिक्षा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), पंचायतीराज, कृषि, स्वास्थ्य और वन विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने एनसीएल के सीएसआर सहयोग से मुसहर परिवारों के लिए संचालित आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली और शिक्षा विभाग द्वारा आधुनिक तकनीक के माध्यम से वंचित वर्गों के बच्चों के शैक्षिक विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से आयोजित अन्नप्राशन एवं गोदभराई कार्यक्रम में भी उन्होंने सहभागिता की। लाभार्थी वितरण कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों को क्रेडिट लिंकेज के लिए 4.86 करोड़ का डेमो चेक प्रदान किया गया। इसके अलावा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, आयुष्मान भारत योजना तथा वृद्धावस्था पेंशन योजना के पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, प्रशस्ति पत्र एवं आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत पौधों का वितरण भी किया गया। गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ई-साथी चैटबॉट का शुभारंभ भी प्रभारी मंत्री ने किया। समीक्षा बैठक में प्रभारी मंत्री ने जल निगम द्वारा सड़क मरम्मत कार्यों में मिल रही शिकायतों पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी निर्माण एवं मरम्मत कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने क्षेत्र पंचायत की बैठकों में सभी विभागीय अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने, जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने तथा नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से योजनाओं की प्रगति पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही जनप्रतिनिधियों को योजनाओं की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने और चौपालों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर रोहनिया विधायक सुनील पटेल, कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, जिला पंचायत प्रशासक पूनम मौर्य, मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए, उपायुक्त (स्वतः रोजगार) पवन कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी विजय जायसवाल, उप निदेशक कृषि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं एवं बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल हुआ सारनाथ, उत्तर प्रदेश को मिला चौथा विश्व धरोहर स्थल

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। लगभग 28 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद भगवान बुद्ध की प्रथम धर्मदेशना स्थली सारनाथ को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया है। दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में शनिवार शाम इस ऐतिहासिक निर्णय की घोषणा की गई। इसके साथ ही सारनाथ भारत का 45वां तथा उत्तर प्रदेश का चौथा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल बन गया है। इस उपलब्धि से बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में शामिल सारनाथ को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है। साथ ही, उत्तर प्रदेश के बौद्ध सर्किट को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत के मानचित्र पर नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। सारनाथ को 3 जुलाई 1998 को यूनेस्को की टेंटेटिव (संभावित) सूची में शामिल किया गया था। लगभग 28 वर्षों बाद मिली यह मान्यता उत्तर प्रदेश के लिए विशेष महत्व रखती है। अब तक राज्य के तीन विश्व धरोहर स्थल– ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी–आगरा मंडल तक सीमित थे। सारनाथ के शामिल होने से प्रदेश की विश्व धरोहर पहचान पूर्वांचल तक विस्तृत हो गई है और राज्य की समृद्ध बौद्ध विरासत को वैश्विक मान्यता मिली है। यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त इस विश्व धरोहर संपत्ति में चौखंडी स्तूप तथा सारनाथ का पुरातात्विक परिसर शामिल है। दोनों स्थल एक-दूसरे से लगभग 626 मीटर की दूरी पर स्थित हैं। चौखंडी स्तूप भगवान बुद्ध और उनके पांच प्रथम शिष्यों के मिलन का प्रतीक माना जाता है, जबकि पुरातात्विक परिसर में धामेक स्तूप, धर्मराजिका स्तूप, प्राचीन विहारों के अवशेष और अशोक स्तंभ जैसे महत्वपूर्ण स्मारक शामिल हैं। ये स्मारक सारनाथ के विश्व के प्रमुख बौद्ध आस्था एवं ज्ञान केंद्र के रूप में हुए ऐतिहासिक विकास की गवाही देते हैं। सारनाथ वही पावन स्थल है जहां भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना प्रथम उपदेश देकर "धर्मचक्र प्रवर्तन" की शुरूआत की थी। प्राचीन बौद्ध ग्रंथों में इसका उल्लेख "ऋषिपत्तन" के नाम से मिलता है। यहीं भगवान बुद्ध ने अपने प्रथम पांच शिष्यों को धर्म का उपदेश देकर करुणा, शांति और मध्यम मार्ग का संदेश मानवता को दिया था। करीब 2600 वर्षों से सारनाथ बौद्ध आस्था, तीर्थ परंपरा, मठ जीवन, प्राचीन स्थापत्य और समृद्ध कला विरासत का प्रमुख केंद्र रहा है। यूनेस्को की यह मान्यता इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिष्ठा प्रदान करेगी।

पत्नी से विवाद के बाद हाईटेंशन टावर पर चढ़ा युवक, साढ़े पांच घंटे चला हाईवोल्टेज ड्रामा

-ससुराल पक्ष को बुलाने की जिद पर अड़ा रहा, पुलिस व परिजनों की समझाइश के बाद देर रात सुरक्षित उतरा

प्रात : किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के अजीतमल क्षेत्र में शनिवार रात उस समय अफरातफरी मच गई, जब एक युवक हाईटेंशन विद्युत लाइन के टावर पर चढ़ गया। करीब साढ़े पांच घंटे तक चले इस हाईवोल्टेज ड्रामे के दौरान युवक ससुराल पक्ष के लोगों को बुलाने की जिद पर अड़ा रहा। पुलिस, परिजनों और ग्रामीणों की लगातार कोशिशों के बाद देर रात उसे सकुशल नीचे उतार लिया गया। घटना अजीतमल क्षेत्र के ग्राम नवले का पुरवा की है। गांव निवासी 27 वर्षीय योगेंद्र सिंह पुत्र बृजेंद्र राव शनिवार रात करीब 8:30 बजे अपने खेत में लगे हाईटेंशन लाइन के टावर पर चढ़ गया। घटना की जानकारी मिलते ही उसके भाई विवेक समेत परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण भी वहां एकत्र हो गए। परिजनों और ग्रामीणों ने योगेंद्र को काफी देर तक समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नीचे उतरने को तैयार नहीं हुआ। उसने साफ कहा कि जब तक उसके ससुराल पक्ष के लोग मौके पर नहीं आएंगे, वह टावर से नीचे नहीं उतरेगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस को भी मौके पर बुला लिया, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से निपटा जा सके। सूचना पर कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और युवक से लगातार बातचीत करते रहे। पुलिस ने उसकी पत्नी हेमलता के मायके पक्ष को भी सूचना दी। देर रात बकेवर क्षेत्र के लुधियानी गांव निवासी उसके साले आलोक कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने काफी देर तक योगेंद्र को समझाया और शांत कराया। इसके बाद रात करीब 1:30 बजे युवक सुरक्षित टावर से नीचे उतर आया।

यमुना तट मार्ग पर चला बृहद पौधारोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

-यमुना तट मार्ग पर चला बृहद पौधारोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से समाजसेवी संस्था एक विचित्र पहल सेवा समिति द्वारा रविवार को यमुना तट मार्ग के समीप बृहद पौधारोपण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए तथा उनकी देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी समिति के पर्यावरण प्रहरियों को सौंपी गई। पौधारोपण के बाद आयोजित पर्यावरण गोष्ठी में लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया। संस्था के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान के तहत चितवन, कदम, सागौन, नींबू, अमरूद, पकड़िया और अशोक सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। पौधों के बेहतर विकास के लिए जैविक खाद का भी प्रयोग किया गया। कार्यक्रम का संयोजन तिलक इंटर कॉलेज के प्रवक्ता डॉ. उपेंद्रनाथ मिश्रा ने किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए समिति के संस्थापक आनंद नाथ गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण, शुद्ध जलवायु और स्वस्थ जीवन के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण समय की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि समिति पिछले दस वर्षों से "जीवनधारा पौधारोपण अभियान" के माध्यम से प्रतिवर्ष 5100 पौधे लगाने का लक्ष्य लेकर कार्य कर रही है। अभियान के अंतर्गत शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, सार्वजनिक पार्कों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों को हरित बनाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही लोगों की पसंद के पौधों का निःशुल्क वितरण भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अब तक 1730 पौधों का पौधारोपण एवं निःशुल्क वितरण किया जा चुका है। लक्ष्य पूरा होने तक अभियान निरंतर जारी रहेगा। पर्यावरण गोष्ठी में मौजूद लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संतुलन और वृक्षों के महत्व पर अपने विचार रखे तथा आमजन को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. शिवकुमार सोनी, डॉ. उपेंद्रनाथ मिश्रा, अनिल कुमार सोनी, सरोज कुमार दीक्षित, संजय अग्रवाल, विनोद कुमार पोरवाल, हिमांशु दुबे, राजीव पोरवाल (रानू), आनंद नाथ गुप्ता एडवोकेट, सतीश कुमार सहित समिति के अनेक सदस्य एवं पर्यावरण प्रहरी उपस्थित रहे।

औरैया: अंतिम संस्कार के तीन दिन बाद जिंदा घर लौटा युवक

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल कोतवाली क्षेत्र में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने पुलिस के साथ-साथ पूरे इलाके को हैरत में डाल दिया। जिस व्यक्ति को मृत मानकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया था, वह तीन दिन बाद जिंदा अपने घर लौट आया। मृतक के सकुशल वापस लौटने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि आखिर जिस अज्ञात शव का अंतिम संस्कार किया गया, वह किसका था। पुलिस ने मामले की दोबारा जांच शुरू कर दी है। मामला सैदपुर गांव का है। दरअसल अजीतमल कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे पर भीखेपुर बाजार के पूर्व विधायक मदन सिंह गौतम के जर्जर होटल के खंडहर के पास कई दिन पुराना एक अज्ञात शव मिला था। शव का आधा चेहरा क्षतिग्रस्त होने से उसकी पहचान मुश्किल थी। इसके बावजूद सैदपुर गाँव निवासी दशरथ सिंह और गांव के कुछ लोगों ने शव की पहचान भाई कमल सिंह के रूप में कर दी। इसी आधार पर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया, जिसके बाद उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस बीच पुलिस ने कमल सिंह की पत्नी सुनीता को पूछताछ के लिए बुलाया।

बीएचयू के छात्र सृजन सिंह का यूनिवर्सिटी ऑफ बोलोनिया में पीएचडी के लिए चयन

प्रात : किरण संवाददाता

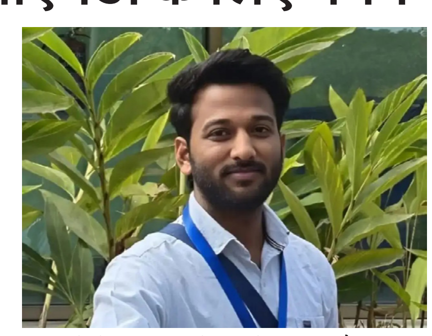

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के छात्र सृजन सिंह का चयन इटली के यूनिवर्सिटी ऑफ बोलोनिया में पीएचडी के लिए हुआ है। वह भारत के प्लाइस्टोसीन कालीन जीवाश्मों के जैव-अण्विक (बायोमॉलिक्यूलर) अध्ययन विषय पर शोध करेंगे। इस शोध के माध्यम से भारत में प्लाइस्टोसीन काल के जीव-जंतुओं के वितरण, उनके विकासक्रम तथा उस समय हुए पर्यावरणीय परिवर्तनों से संबंधित महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जानकारियां प्राप्त होने की संभावना है। यह अध्ययन प्राचीन जैव-विविधता और पर्यावरणीय इतिहास को समझने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। रविवार को यह जानकारी बीएचयू के जनसम्पर्क अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि सृजन सिंह ने वर्ष 2025 में बीएचयू के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग से परास्नातक की उपाधि प्राप्त की है। चयन से पूर्व वह विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जोस टॉम राफेल के मार्गदर्शन में शोध की तैयारी कर रहे थे। सृजन के चयन पर विभागाध्यक्ष प्रो. महेश प्रसाद अहिरवार ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 11वीं शताब्दी में स्थापित यूनिवर्सिटी ऑफ बोलोनिया विश्व के सबसे प्राचीन और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में शामिल है। उन्होंने इसे विभाग और बीएचयू के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। प्रो. अहिरवार ने यह भी जानकारी दी कि बीएचयू और यूनिवर्सिटी ऑफ बोलोनिया के बीच शैक्षणिक सहयोग (एकेडमिक एमओयू) को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जिसे कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी की स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस सहयोग से दोनों संस्थानों के बीच शोध एवं अकादमिक आदान-प्रदान को नई दिशा मिलेगी। सृजन सिंह की इस उपलब्धि पर विभाग के सभी शिक्षकों और शोधार्थियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

गंगा में बढ़ते जलस्तर के साथ जलकुंभी बनी चुनौती, असि घाट पर नगर निगम का विशेष सफाई अभियान जारी

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। गंगा के लगातार बढ़ते जलस्तर के साथ बड़ी मात्रा में जलकुंभी घाटों तक पहुंचने लगी है, जिससे असि घाट और आसपास के क्षेत्रों में नाव संचालन, स्वच्छता और श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। स्थिति को देखते हुए नगर निगम ने असि घाट पर विशेष सफाई अभियान तेज कर दिया है। सफाईकर्मी सुबह से शाम तक गंगा से जलकुंभी निकालकर उसका नियमित निस्तारण कर रहे हैं। नगर निगम की टीम इंस्पेक्टर शिवेश तिवारी और सुपरवाइजर अनुजन सिंह के नेतृत्व में अभियान चला रही है। गंगा के बहाव के साथ लगातार आ रही जलकुंभी किनारों और नावों के आसपास जमा हो रही है, जिससे घाटों की सुंदरता प्रभावित होने के साथ नावों के संचालन में भी बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसे रोकने के लिए विशेष टीम लगातार सफाई में जुटी हुई है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार अभियान के दौरान अब तक लगभग चार ट्रैक्टर जलकुंभी गंगा से निकालकर वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित की जा चुकी है। हालांकि जलस्तर बढ़ने के कारण नई जलकुंभी लगातार घाटों तक पहुंच रही है, इसलिए अभियान भी बिना रुके जारी रखा गया है। इंस्पेक्टर शिवेश तिवारी ने बताया कि नगर निगम का लक्ष्य किसी भी घाट पर जलकुंभी जमा नहीं होने देना है। इसके लिए अतिरिक्त निगरानी के साथ नियमित सफाई कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि जब तक गंगा के साथ जलकुंभी आती रहेगी, तब तक अभियान भी जारी रहेगा। सावन के मद्देनजर असि घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आगमन को देखते हुए नगर निगम घाटों को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। स्थानीय नाविकों और नागरिकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे समय की आवश्यकता बताया है।

काशी विश्वनाथ धाम में कारगिल के अमर वीरों को श्रद्धांजलि, राष्ट्र की रक्षा व शांति के लिए बाबा से प्रार्थना

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शनिवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम राष्ट्रभक्ति और वीर शहीदों के सम्मान का साक्षी बना। नमामि गंगे काशी क्षेत्र की ओर से आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए कारगिल युद्ध के अमर वीरों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान धाम के गंगा द्वार और भारत माता की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित किए गए तथा देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे सैनिकों की कुशलता, सुरक्षा और दीर्घायु के लिए बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना की गई। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं ने दो मिनट का मौन रखकर कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को याद किया। इस दौरान "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम" के उद्घोष से पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया। उपस्थित लोगों ने कहा कि भारतीय सेना के जवान हर परिस्थिति में देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं और उनके साहस, त्याग तथा समर्पण के कारण ही देशवासी सुरक्षित जीवन व्यतीत कर पा रहे हैं। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक एवं नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अद्वितीय पराक्रम, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1999 में कारगिल की दुर्गम और बर्फीली चोटियों पर भारतीय सैनिकों ने विषम परिस्थितियों में अद्भुत वीरता का परिचय देते हुए पाकिस्तान की घुसपैठ को विफल किया और कब्जाई गई रणनीतिक चौकियों पर पुनः तिरंगा फहराकर पूरे विश्व को भारतीय सेना की शक्ति और संकल्प का परिचय कराया। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध केवल एक सैन्य विजय नहीं, बल्कि राष्ट्र के आत्मसम्मान, साहस और एकता का स्वर्णिम अध्याय है। यह दिवस प्रत्येक भारतीय को देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि शहीदों का सर्वोच्च बलिदान सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा और नई पीढ़ी को उनके त्याग एवं वीरता की गाथा से परिचित कराना हम सभी का दायित्व है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने संकल्प लिया कि वे राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएंगे और समाज में देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का कार्य करेंगे। अंत में सभी ने भारतीय सेना के शौर्य को नमन करते हुए देश की एकता, अखंडता और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक एवं नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला, नीरज सिंह, सौरभ पाण्डेय, शशिभूषण पाण्डेय, अर्जुन सिंह, नमन पाण्डेय, गोलू यादव, अंकित यादव, शुभम गुप्ता, राकेश कुमार, भावेश सहित बड़ी संख्या में नमामि गंगे के कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सीनियर डीपीएमएम निलंबित, रेलवे में भ्रष्टाचार के लिए विजिलेंस की जांच शुरू

-सीबीआई की कार्रवाई के बाद पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल में विजिलेंस टीम सक्रिय, कई बिंदुओं पर हो रही जांच

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में वरिष्ठ डीपीएमएम (डिविजनल प्रोक्योरमेंट मैटेरियल मैनेजर) नितेश अग्रवाल की गिरफ्तारी के बाद रेलवे प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सीबीआई की कार्रवाई के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया है, जबकि मंडल में व्याप्त कथित अनियमितताओं की जांच के लिए रेलवे का सतर्कता (विजिलेंस) विभाग भी सक्रिय हो गया है। सीबीआई की कार्रवाई के बाद शनिवार को गोरखपुर से विजिलेंस की टीम वाराणसी पहुंची। टीम ने देर शाम तक संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ की तथा विभिन्न दस्तावेजों की जांच की। बताया जा रहा है कि जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां और साक्ष्य भी जुटाए गए हैं।

ठेकेदारों के बकाया भुगतान को लेकर बढ़ी चिंता

रेलवे मंडल में चल रही कार्रवाई के बीच ठेकेदारों में भी चिंता बढ़ गई है। आशंका जताई जा रही है कि जिन ठेकेदारों के भुगतान लंबित हैं, उन्हें अब और अधिक इंतजार करना पड़ सकता है। हालांकि, अन्य विभागों से जुड़े ठेकेदारों के भुगतान पर तत्काल कोई असर नहीं पड़ने की संभावना बताई जा रही है।

मंडल की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

जांच के दौरान मंडल में कार्यप्रणाली को लेकर भी कई सवाल सामने आए हैं। कुछ कर्मचारियों का आरोप है कि शिकायतों पर समय से कार्रवाई नहीं होती थी और कई मामलों में शिकायतकर्ताओं की बजाय उन्हें ही दबाव का सामना करना पड़ता था। विजिलेंस अब खरीद प्रक्रिया, टेंडर संबंधी कार्यों और विभागीय निर्णयों की भी गहन जांच कर रही है।

नियुक्ति और कार्यशैली भी जांच के दायरे में

सूत्रों के अनुसार, निलंबित अधिकारी की कार्यशैली, विभागीय निर्णयों और कुछ नियुक्तियों को लेकर भी जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि विजिलेंस टीम सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है, ताकि यदि किसी स्तर पर अनियमितता हुई है तो उसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जा सके।

वाराणसी: आठ माह की गर्भवती महिला की इलाज के दौरान मौत

वाराणसी। थाना क्षेत्र के कछवां रोड स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान आठ माह की गर्भवती महिला और गर्भ में पल रहे शिशु की मौत के बाद शनिवार को परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन और चिकित्सक पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। सूचना पर पहुंची मिर्जामुराद पुलिस ने लोगों को शांत कराया और शिकायत मिलने पर जांच का आश्वासन दिया। वहीं अस्पताल प्रबंधन ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। जानकारी के अनुसार, मिर्जापुर जनपद के महाराजगंज थाना क्षेत्र के पचेवरावा गांव निवासी पिंटू शर्मा की 25 वर्षीय पत्नी ज्योति शर्मा गर्भावस्था के दौरान अपने मायके कछवां क्षेत्र के बरैनी गांव में रह रही थीं। वह आठ माह की गर्भवती थीं। गुरुवार को तबीयत खराब होने पर परिजन उन्हें कछवां रोड स्थित अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उन्हें भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। परिजनों का आरोप है कि जांच के दौरान डॉक्टरों ने महिला के शरीर में खून की कमी बताई और रक्त चढ़ाया गया। इसी बीच उसकी तबीयत अचानक अधिक बिगड़ गई। आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने अपनी लापरवाही छिपाने के उद्देश्य से महिला को एंबुलेंस से वाराणसी के लिए रेफर कर दिया, जहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का यह भी आरोप है कि अस्पताल की एंबुलेंस महिला को छोड़कर वापस लौट आई। महिला की मौत की सूचना मिलते ही शनिवार सुबह बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने अस्पताल परिसर में नारेबाजी करते हुए डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। स्थिति तनावपूर्ण होने पर सूचना पाकर मिर्जामुराद पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर मामला शांत कराया।

मुरादाबाद में 730 से अधिक बूथों पर 12,000 लोगों ने सुनीं पीएम के मन की बात

मुरादाबाद। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुरादाबाद महानगर के उपाध्यक्ष व मन की बात कार्यक्रम के महानगर संयोजक नवदीप टंडन ने बताया कि आज (रविवार) मन की बात कार्यक्रम का 136वां संस्करण महानगर में नगर व देहात विधानसभा के 730 से अधिक बूथों पर 12,000 से अधिक लोगों ने सुना। मन की बात कार्यक्रम सुनने के बाद भाजपा महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला ने बताया कि आज मन की बात कार्यक्रम के 136वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारगिल में बलिदान हुए सैनिकों को नमन किया। उन्होंने कहा कि 26 जुलाई कारगिल विजय दिवस का दिन हमें गर्व से भर देता है। यह दिन हमें अपने वीर जवानों के अद्भुत साहस की याद दिलाता है। कारगिल की ऊंची-ऊंची चोटियां, कठिन मौसम, दुश्मन की चुनौती हर परिस्थिति हमारे सैनिकों के सामने थी लेकिन उनका हौसला हर चुनौती से बड़ा था। उन्होंने मां भारती की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। आज कारगिल विजय दिवस पर मैं सभी वीर शहीदों और वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं।

18 वर्षों से सर्पों के रक्षक बने हैं रतन कोबरा, अब तक 26 हजार से अधिक सांपों का किया सुरक्षित रेस्क्यू

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। सावन और बारिश के मौसम में जब घरों, खेतों और बाग-बगीचों में सांप निकलने की घटनाएं बढ़ जाती हैं, तब मिर्जामुराद निवासी रतन कुमार गुप्ता, जिन्हें लोग "रतन कोबरा" के नाम से जानते हैं, सबसे अधिक सक्रिय हो जाते हैं। पिछले 18 वर्षों से वे बिना किसी सरकारी सहायता के सांपों का सुरक्षित रेस्क्यू कर रहे हैं। उनका दावा है कि अब तक 26 हजार से अधिक सांपों को बचाकर सुरक्षित प्राकृतिक आवास में छोड़ा जा चुका है। 39 वर्षीय रतन कुमार गुप्ता मिर्जामुराद बाजार में गैस चूल्हा, कुकर मरम्मत, घड़ी और चश्मे की दुकान चलाते हैं। दुकान पर रहते हुए जैसे ही किसी क्षेत्र से सांप निकलने की सूचना मिलती है, वे तुरंत मौके पर पहुंचकर विशेष स्टील की छड़ की मदद से सांप का सुरक्षित रेस्क्यू करते हैं। उनका उद्देश्य न केवल लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, बल्कि सांपों के जीवन की भी रक्षा करना है। रतन बताते हैं कि बचपन में लोगों को सांपों को मारते देखकर उन्होंने उन्हें बचाने का संकल्प लिया था। उनका कहना है कि अधिकांश सांप बिना वजह हमला नहीं करते, बल्कि इंसानों से बचने का प्रयास करते हैं। इसलिए सांप दिखाई देने पर उसे मारने के बजाय प्रशिक्षित रेस्क्यू करने वाले को बुलाना चाहिए। वन्यजीव विशेषज्ञ भी मानते हैं कि सांप पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि वे चूहों और अन्य हानिकारक जीवों की संख्या नियंत्रित करते हैं। रतन कोबरा का यह प्रयास वन्यजीव संरक्षण और मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व का प्रेरक उदाहरण बन चुका है। सांप निकलने पर रतन कुमार गुप्ता (रतन कोबरा) से मोबाइल नंबर 8090886550 पर संपर्क किया जा सकता है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, सोमवार, 27 जुलाई , 2026

संक्षिप्त खबरें

लखनऊः परिजन शादी के लिए नहीं हुए राजी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पीजीआई थानाक्षेत्र स्थित तेलीबाग में प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। गोसाईगंज के सहायक पुलिस आयुक्त ऋषभ यादव ने रविवार को बताया कि पीजीआई थाना पुलिस को सूचना मिली कि तेलीबाग में किराये के कमरे में रह रहे एक युवक और युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। सूचना पाकर मौके पर पुलिस और फारेंसिंक टीम पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक युवक की पहचान शाहजहांपुर निवासी अनिकेत उर्फ रानू के रूप में हुई है जबकि युवती नोएडा की रहने वाली है। दोनों आपस में रिश्तेदार थे और कई सालों से एक दूसरे से प्रेम करते थे। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन घरवाले इस रिश्ते को लेकर काफी नाराज थे और शादी के लिए राजी नहीं थे। इसी वजह से प्रेमी युगल अपने अपने घरों से भागकर लखनऊ आ गए और किराये पर कमरा लेकर रहने लगे। अनिकेत मजदूरी करके अपना और अपनी प्रेमिका का जीवन यापन कर रहा था। आज दोनों ने किसी कारणवश फांसी लगाकर जान दे दी। एसीपी गोसाईगंज ने बताया कि पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। शवों को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम भेजकर घटना की जानकारी परिवार को दे दी है।

वाराणसी से मुंबई जाने वाले अकासा एयर यात्रियों के लिए राहत

वाराणसी। वाराणसी से मुंबई की यात्रा करने वाले अकासा एयर के यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। आगामी 1 अगस्त से अकासा एयर की वाराणसीझ्रमुंबई उड़ानें छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (मुंबई) के टर्मिनल-2 से संचालित की जाएंगी। इस बदलाव के बाद यात्रियों को मुंबई पहुंचने पर टर्मिनल बदलने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे उनकी यात्रा अधिक सुविधाजनक और समय की बचत वाली बनेगी। अब तक अकासा एयर की उड़ानें मुंबई के टर्मिनल-1 पर उतरती थीं। ऐसे में जिन यात्रियों को दूसरे एयरलाइंस की अंतरराष्ट्रीय या अन्य घरेलू उड़ानों के लिए टर्मिनल-2 जाना होता था, उन्हें टर्मिनल बदलने में अतिरिक्त समय और परेशानी का सामना करना पड़ता था। अकासा एयर के अनुसार, नई व्यवस्था लागू होने के बाद यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। विशेष रूप से वे यात्री, जिनकी आगे की उड़ानें टर्मिनल-2 से हैं, अब बिना अतिरिक्त समय गंवाए आसानी से अपनी अगली फ्लाइट पकड़ सकेंगे। एयरलाइन का कहना है कि यह निर्णय यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे ट्रांजिट यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी, यात्रा अधिक सुगम होगी और कनेक्टिंग फ्लाइट छूटने की आशंका भी कम होगी। नई व्यवस्था से वाराणसी से मुंबई होकर देश-विदेश के विभिन्न शहरों की यात्रा करने वाले यात्रियों को विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है।

दालमंडी में अतिक्रमण हटाने गई VDA टीम पर हमला

वाराणसी। दालमंडी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने पहुंची विकास प्राधिकरण (वीडीए) की टीम पर शुक्रवार दोपहर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। कार्रवाई के दौरान सरकारी कार्य में बाधा डालने, गाली-गलौज करने और कर्मचारियों के साथ मारपीट किए जाने का आरोप है। घटना के बाद चौक थाने में वीडीए के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की तहरीर पर छह नामजद और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दालमंडी चौड़ीकरण अभियान के तहत वीडीए की टीम दोपहर करीब 12:50 बजे काजीपुरा कला स्थित मकान संख्या डी-50/221 के सामने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर रही थी। तभी राशिद अहमद, शाहिद अहमद, शीफा, सम्मा, अहमद, रूही, अंजुम समेत अन्य लोग मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि इन लोगों ने सरकारी कार्रवाई में बाधा उत्पन्न करते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ अभद्रता, गाली-गलौज तथा मारपीट की। इस दौरान कुछ सरकारी कर्मचारियों को चोटें भी आईं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई दोबारा शुरू कराई गई। हालांकि घटना के कारण क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी रही और मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। एसीपी दशाश्वमेध अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि वीडीए के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ज्ञानदास की तहरीर पर चौक थाने में 6 नामजद करते हुए 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना का अमरोहा में शुभारम्भ, शिक्षकों को मिले कैशलेस चिकित्सा कार्ड

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। जे.एस. हिन्दू पी.जी. कॉलेज में रविवार को मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना के शुभारम्भ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान आगरा स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आयोजित मुख्य समारोह का सजीव प्रसारण भी देखा गया। मुख्य अतिथि बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद सदस्य डॉ. हरि सिंह ढिल्लों ने अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. प्रवेश कुमार यादव, जिला नोडल अधिकारी एवं रमाबाई अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय, गजरौला की प्राचार्य डॉ. अजीता सिंह तथा जे.एस. हिन्दू पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य प्रो. वीर वीरेंद्र सिंह के साथ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक नवनीत बिश्नोई, डॉ. सचिन कुमार पांचाल, मोहित कुमार सहित अन्य पात्र शिक्षकों को प्रतीकात्मक रूप से मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना के कार्ड प्रदान किए गए। अपने संबोधन में डॉ. हरि सिंह ढिल्लों ने कहा कि यह योजना उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करने वाली महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि इससे शिक्षकों एवं उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को सरकारी तथा सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में कैशलेस उपचार की सुविधा मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाब नेशनल बैंक एवं उत्तर प्रदेश सरकार के बीच हुए समझौते के तहत शिक्षकों के लिए दुर्घटना बीमा की भी व्यवस्था की गई है, जिसमें सामान्य दुर्घटना पर 1.5 करोड़ तथा हवाई दुर्घटना पर 3 करोड़ तक का बीमा प्रावधान है। कार्यक्रम की जिला नोडल अधिकारी डॉ. अजीता सिंह एवं प्राचार्य प्रो. वीर वीरेंद्र सिंह ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरविंद कुमार शास्त्री ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के शिक्षक, कर्मचारी, पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

केशव मौर्य व ब्रजेश पाठक ने लखनऊ व पंकज चौधरी ने मेरठ में सुनी मन की बात

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने लखनऊ व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने रविवार को मेरठ में पार्टी कार्यकताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्यमन की बातह्न कार्यक्रम को सुना। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने लखनऊ महानगर की विधानसभा उत्तर में मंडल-3 के बूथ संख्या-200 पर कार्यकताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्यमन की बातह्न कार्यक्रम को सुना। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लखनऊ के कैंट विधानसभा क्षेत्र के कैंट मंडल-2 अंतर्गत कृष्णा नगर स्थित वार्ड संख्या-92 में पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं व नागरिकों के साथ आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात कार्यक्रम को सुना। एक पेड़ मां के नाम अभियान की प्रधानमंत्री ने की सराहना लखनऊ स्थित कैम्प कार्यालय पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्यमन की बातह्न कार्यक्रम के माध्यम से उनके प्रेरक विचारों को सुना। इस अवसर पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह प्रेरणास्पद संवाद अंत्योदय की भावना को सशक्त बनाते हुए जनसहभागिता को नई ऊर्जा प्रदान करता है तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करता है। केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नामह्न अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश द्वारा एक ही दिन में 35 करोड़ से अधिक पौधरोपण के अभूतपूर्व अभियान का उल्लेख कर प्रदेशवासियों की पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता और जनशक्ति की अद्भुत मिसाल को राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया है। यह उपलब्धि दशार्ती है कि जब जनसंकल्प, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सामूहिक प्रयास एक साथ आगे बढ़ते हैं, तब पर्यावरण संरक्षण केवल अभियान नहीं, बल्कि जन-आंदोलन बन जाता है। उत्तर प्रदेश आज हरित विकास और सतत भविष्य की दिशा में पूरे देश के लिए प्रेरणा बनकर उभरा है।

समाजवादी पार्टी ने मनाया आरक्षण दिवससंविधान मान स्तंभ स्थापना दिवस पर सामाजिक न्याय का लिया संकल्प

जिला अध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव बोले– संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा, सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष जारी रहेगा

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय में रविवार को जिला अध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव की अध्यक्षता में ह्यआरक्षण दिवस एवं संविधान मान स्तंभ स्थापना दिवसह्न के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संविधान, सामाजिक न्याय और आरक्षण की मूल भावना पर प्रकाश डालते हुए नेताओं ने संविधान की रक्षा और सामाजिक समानता के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। साथ ही 27वें कारगिल विजय दिवस पर देश के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। जिला अध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव ने कहा कि 26 जुलाई 1902 को राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने कोल्हापुर राज्य में आरक्षण लागू कर सामाजिक न्याय की ऐतिहासिक शुरूआत की थी। बाद में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से इसे संवैधानिक अधिकार का स्वरूप दिया। उन्होंने कहा कि संविधान मान स्तंभ सामाजिक न्याय और पीडीए की विचारधारा का प्रतीक है तथा संविधान सुरक्षित रहेगा तभी आरक्षण भी सुरक्षित रहेगा। नौगावां विधानसभा के विधायक समरपाल सिंह ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने वंचित समाज को संवैधानिक अधिकार दिलाने का कार्य किया। उन्होंने आरोप लगाया कि निजीकरण के माध्यम से आरक्षण व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है। समाजवादी पार्टी जातीय जनगणना और समानुपातिक प्रतिनिधित्व की पक्षधर है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख अशोक चौधरी ने कहा कि डॉ. राममनोहर लोहिया ने पिछड़ों और वंचित वर्गों को विशेष अवसर देने की बात कही थी। उन्होंने संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए समाजवादी पार्टी के वैचारिक संघर्ष को जारी रखने का आह्वान किया। ब्लॉक प्रमुख गंगेश्वरी एवं प्रशासक राजेंद्र सिंह खरगवंशी ने कहा कि समाजवादी विचारधारा सामाजिक समानता, किसानों, महिलाओं और वंचित वर्गों के अधिकारों की पक्षधर रही है। उन्होंने समाज में भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए जिलामहासचिव चंद्रपाल सैनी ने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों को उनके अधिकार दिलाने के लिए शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और किसानों की उन्नति आवश्यक है। उन्होंने मिशन-2027 को सफल बनाने के लिए पीडीए समाज से संगठित होने का आह्वान किया। इस अवसर पर ब्रह्म सिंह पवार, संतराम सिंह यादव, राधेलाल रघुवंशी, विपिन कौशिक, अतीक अहमद, जितेंद्र प्रताप सिंह, मोहम्मद महताब, चंद्रपाल जाटव, वसीम अहमद, देवानंद प्रधान, तुषार रघुवंशी, सलमान प्रधान, शाजेब खान, मुमताज खान, मुंसब मेवाती, आलोक भारती, आदित्य चौधरी, आलेमिन सैफी, धर्मपाल सिंह यादव, इश्तियाक मलिक, अलीमुद्दीन, गुड्डो चौहान, अलाउद्दीन सैफी, जितांबर यादव, आमिर रजा जैदी, डॉ. कैलाश यादव, विवेक यादव, रजनीश यादव एवं ऋषिपाल यादव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांवड़ मार्गों पर नहीं बिकेगा मांस, रेट लिस्ट और लाइसेंस प्रदर्शित करना होगा अनिवार्य

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। सावन माह में काशी विश्वनाथ मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और धार्मिक आस्था को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने मंदिर के तीन किलोमीटर दायरे में संचालित होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों और खाद्य दुकानों के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस क्षेत्र में संचालित सभी खाद्य कारोबारियों को अपना लाइसेंस या पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रतिष्ठान पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करना होगा। विभाग के अनुसार कांवड़ यात्रा के प्रमुख मार्गों, विशेषकर कछवा रोड, रोहनिया, बाबतपुर सहित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर तक जाने वाले मार्गों पर मांस, मछली और अंडे की बिक्री पर रोक रहेगी। इन मार्गों पर खाद्य प्रतिष्ठानों को पूर्णतः शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा सभी दुकानों और रेस्टोरेंट में खाद्य पदार्थों की रेट लिस्ट स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करनी होगी। तैयार भोजन और अन्य खाद्य सामग्री को ढककर रखने तथा प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई बनाए रखने के भी निर्देश जारी किए गए हैं। खाद्य कारोबारियों को अपने प्रतिष्ठान पर संचालक एवं कर्मचारियों का विवरण भी उपलब्ध रखना होगा। खाद्य विभाग ने बताया कि उपभोक्ताओं की सुविधा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिष्ठानों पर एफएसएसएआई का क्यूआर कोड भी लगाया जाएगा, ताकि किसी भी प्रकार की शिकायत होने पर उपभोक्ता सीधे विभाग तक अपनी शिकायत दर्ज करा सकें। खाद्य सुरक्षा विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि सावन के दौरान पूरे काशी क्षेत्र में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान यदि किसी प्रतिष्ठान में जारी दिशा-निदेशों का उल्लंघन पाया गया तो संबंधित संचालक के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी और आवश्यकतानुसार जुमार्ना भी लगाया जाएगा। विभाग ने सभी खाद्य कारोबारियों से निर्धारित मानकों का पालन करने की अपील की है।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों का ईओ ने लिया जायजा दो दिन में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश

मार्गों की सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, गड्ढामुक्त सड़कें और अतिक्रमण हटाने पर विशेष जोर

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। आगामी कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं सुव्यवस्थित संपन्न कराने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद अमरोहा के अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने रविवार को नगर के कांवड़ यात्रा मार्गों एवं श्री वासुदेव तीर्थ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पालिका अधिकारियों एवं कर्मचारियों को यात्रा मार्गों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ईओ ने कांवड़ यात्रा मार्गों को गड्ढामुक्त कराने, नियमित साफ-सफाई, जल का छिड़काव, चूना डलवाने, मार्ग प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त रखने तथा नगरीय पेयजल आपूर्ति सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा श्री वासुदेव तीर्थ परिसर में आवश्यकतानुसार सफाई व्यवस्था, स्थापित वाटर कूलरों को चालू एवं सही स्थिति में रखने तथा यात्रा मार्गों पर कहीं भी जलभराव न होने देने के लिए समुचित इंतजाम करने को कहा। उन्होंने मार्गों पर अस्थायी अतिक्रमण हटाने, पालिका के विद्युत पोलों पर खुले तारों को तत्काल ठीक कराने तथा कांवड़ यात्रा मार्ग पर मांसाहारी भोजन एवं मांस बिक्री पर प्रभावी रोक सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। अधिशासी अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाओं का अनुपालन आगामी दो दिनों के भीतर पूर्ण कर लिया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर हाजी नासिर फारूक ने छात्रों को दी बधाई, बोले– बच्चों के हक की लड़ाई जारी रहेगी

कहा– पुलिस कार्रवाई से नहीं डरता, शिक्षा और युवाओं के भविष्य के लिए आखिरी सांस तक उठाता रहूंगा आवाज

प्रात: किरण संवाददाता, इकरामुद्दीन मलिक

अमरोहा। दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन के बाद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर अमरोहा के समाजसेवी हाजी नासिर फारूक ने देशभर के छात्रों और नागरिकों को बधाई दी। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक संघर्ष की जीत बताते हुए कहा कि यह सफलता छात्रों, आम जनता और विपक्षी दलों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। जारी बयान में हाजी नासिर फारूक ने कहा कि यह किसी एक संगठन की नहीं, बल्कि पूरे देश के युवाओं और लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले नागरिकों की जीत है। उन्होंने कहा कि बच्चों के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि व्यक्तिगत कारणों से वह दिल्ली के जंतर-मंतर नहीं पहुंच सके, लेकिन उनके सहयोगी आंदोलन में शामिल रहे। वहीं अमरोहा में उन्होंने विरोध दर्ज कराया, जिसके दौरान पुलिस द्वारा उन्हें गिरफ्तार भी किया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस कार्रवाई से वह डरने वाले नहीं हैं और छात्रों के अधिकारों की आवाज हमेशा बुलंद करते रहेंगे। हाजी नासिर फारूक ने अमरोहा के छात्रों और युवाओं से कहा कि शिक्षा, करियर या अन्य किसी भी समस्या के लिए वे उनसे सीधे संपर्क कर सकते हैं।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि जरूरत पड़ने पर वह शासन-प्रशासन के अधिकारियों से वार्ता कर छात्रों को हरसंभव सामाजिक और कानूनी सहयोग दिलाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि आंदोलन से जुड़े मुद्दों को जल्द ही अमरोहा के ब्लॉक और गांव स्तर तक ले जाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक युवा लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़ सकें। उन्होंने जिले के बच्चों, युवाओं और समाज की सेवा के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करते रहने का संकल्प भी दोहराया।

सीएम योगी ने आगरा में अपने दो दिवसीय दौरे में 342 करोड़ की विकास योजनाओं की दी सौगात

प्रात: किरण संवाददाता

आगरा। सीएम योगी आज अपने दो दिवसीय आगरा दौरे पर जनपद जालौन से हेलीकॉप्टर द्वारा करीब 4:50 बजे सांय फतेहाबाद रोड स्थित टाटा ग्राउंड पहुंचे। आगरा को करीब 342 करोड़ की कई विकास योजनाओं के शिलान्यास एवं लोकार्पण की सौगात दी। जनसभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने आगरा में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने के भी संकेत दिए। 342 करोड़ की 53 परियोजनाओं की मिली सौगात सीएम योगी ने आगरा में लगभग 342 करोड़ रुपये की लागत वाली 53 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री योगी ने ह्यराधे-राधेह्न से जनसभा को संबोधित करना शुरू किया तो पूरे पंडाल में राधे राधे गुंजायमान हो गया। उन्होंने कहा कि आप सभी का हृदय से अभिनंदन करता हूं और इन विकास परियोजनाओं के लिए शुभकामनाएं देता हूं। आगरा में इंटरनेशनल एयरपोर्ट से इसे मिलेगी वैश्विक पहचान मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आगरा को केवल घरेलू विमानन सुविधा तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट देने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इससे पर्यटन, उद्योग, निर्यात और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे तथा ताजनगरी को वैश्विक पहचान और मजबूती मिलेगी। यह रही प्रमुख विकास योजनाएं आगरा उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लिए 33 करोड़ की आठ परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 139 करोड़ की 17 परियोजनाओं का शिलान्यास, आगरा ग्रामीण के लिए 16 करोड़ की आठ परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 40 करोड़ की 11 परियोजनाओं का शिलान्यास, आगरा दक्षिण के लिए एक करोड़ की एक परियोजना का लोकार्पण तथा 113 करोड़ की आठ परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। लोकार्पण होने वाली प्रमुख परियोजनाएं 15 करोड रुपये से श्री कैलाश मंदिर का पर्यटन विकास, 5 करोड रुपये से पालीवाल पार्क का सौंदर्यकरण, 4 करोड रुपये से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय अकोला में नवनिर्मित अकादमी खंड एवं छात्रावास शिलान्यास होने वाली प्रमुख परियोजनाएं 79 करोड़ से सुभाष पार्क से कोठी मीना बाजार होते हुए।

ससुराल की प्रताड़ना से तंग विवाहिता ने गला काटा

कानपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर के नरवल क्षेत्र में ससुराल पक्ष की कथित प्रताड़ना से परेशान एक विवाहिता ने रविवार को मायके में चाकू से अपना गला काटकर आत्महत्या का प्रयास कर लिया। गंभीर रूप से घायल महिला को परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत फिलहाल स्थिर है। नरवल निवासी रुखसाना की शादी करीब 16 वर्ष पहले बांदा के मर्दन नाका निवासी यासीन से हुई थी। उनकी 11 वर्षीय बेटी है। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से पति यासीन, सास जिजरत, ससुर इमाम बख्श और देवर हसीन उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे। कई बार पंचायत और समझौते की कोशिशें हुईं, लेकिन विवाद खत्म नहीं हुआ। आरोप है कि 10 जनवरी 2025 को मारपीट के बाद रुखसाना को ससुराल से निकाल दिया गया था। उसके जेवर, कपड़े और अन्य स्त्रीधन भी ससुराल पक्ष ने अपने पास रख लिया। तब से वह अपनी बेटी के साथ मायके में रह रही थी। लगातार तनाव से टूटकर उसने रविवार तड़के यह कदम उठा लिया। उसकी चीख सुनकर परिजन पहुंचे और तत्काल अस्पताल ले गए। रुखसाना की मां मुनीरन ने पति, सास, ससुर और देवर के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई, स्त्रीधन वापस दिलाने और निष्पक्ष जांच की मांग की है। नरवल थाना प्रभारी अनिल कुमार तोमर ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर भेजी गई। तहरीर प्राप्त हुई है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

पश्चिम बंगाल की तरह ही पंजाब में भी जनता परिवर्तन कर कमल का फूल खिलाएगी - मंत्री उमेश राय

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर स्थित प्रतीक्षा कक्ष में रविवार को पश्चिम बंगाल सरकार में नगर विकास मंत्री उमेश राय ने कहा कि बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने आया हूं। महादेव से जगत के कल्याण की कामना करता हूं। जिस तरह पश्चिम बंगाल में जनता ने परिवर्तन कर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाई है। इस तरह आने वाले विधानसभा चुनाव में पंजाब में भी जनता कमल का फूल खिलाएगी। मंत्री उमेश राय ने कहा कि वाराणसी आने के बाद यहां के विकास कार्यों को देख रहा हूं। विकास कार्यों को देखकर मन प्रसन्नचित है। वाराणसी में प्रधानमंत्री मोदी के आने के बाद विकास की लहर चल रही है। रिंग रोड, एलिवेटेड रोड, रोपवे जैसे विकास कार्य हो रहे हैं। श्री काशी विश्वनाथ धाम बनकर तैयार होने के बाद से हजारों लोग आकर अपने आराध्य देव की आराधना कर रहे हैं।

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर हाजी नासिर फारूक ने छात्रों को दी बधाई, बोले– बच्चों के हक की लड़ाई जारी रहेगी

कहा– पुलिस कार्रवाई से नहीं डरता, शिक्षा और युवाओं के भविष्य के लिए आखिरी सांस तक उठाता रहूंगा आवाज

प्रात: किरण संवाददाता, इकरामुद्दीन मलिक

अमरोहा। दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन के बाद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर अमरोहा के समाजसेवी हाजी नासिर फारूक ने देशभर के छात्रों और नागरिकों को बधाई दी। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक संघर्ष की जीत बताते हुए कहा कि यह सफलता छात्रों, आम जनता और विपक्षी दलों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। जारी बयान में हाजी नासिर फारूक ने कहा कि यह किसी एक संगठन की नहीं, बल्कि पूरे देश के युवाओं और लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले नागरिकों की जीत है। उन्होंने कहा कि बच्चों के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि व्यक्तिगत कारणों से वह दिल्ली के जंतर-मंतर नहीं पहुंच सके, लेकिन उनके सहयोगी आंदोलन में शामिल रहे। वहीं अमरोहा में उन्होंने विरोध दर्ज कराया, जिसके दौरान पुलिस द्वारा उन्हें गिरफ्तार भी किया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस कार्रवाई से वह डरने वाले नहीं हैं और छात्रों के अधिकारों की आवाज हमेशा बुलंद करते रहेंगे। हाजी नासिर फारूक ने अमरोहा के छात्रों और युवाओं से कहा कि शिक्षा, करियर या अन्य किसी भी समस्या के लिए वे उनसे सीधे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जरूरत पड़ने पर वह शासन-प्रशासन के अधिकारियों से वार्ता कर छात्रों को हरसंभव सामाजिक और कानूनी सहयोग दिलाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि आंदोलन से जुड़े मुद्दों को जल्द ही अमरोहा के ब्लॉक और गांव स्तर तक ले जाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक युवा लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़ सकें। उन्होंने जिले के बच्चों, युवाओं और समाज की सेवा के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करते रहने का संकल्प भी दोहराया।

डीएम ने मार्कंडेय महादेव मंदिर का किया निरीक्षण

यूपी 21

उप्र सरकार कांवड़ यात्रा के लिए चलाएगी अतिरिक्त बसें, निगरानी के लिए 24 घंटे एक्टिव रहेगा कंट्रोल रूम

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश सरकार ने आगामी 30 जुलाई से शुरू होने वाली श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। कांवड़ यात्रियों के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) अतिरिक्त बसों का संचालन करेगा। साथ ही इस दौरान निगरानी के लिए 24 घंटे चलने वाला कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने निगम की बसों के सुरक्षित संचालन और यात्रियों की सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु नारायण सिंह ने रविवार को कहा कि प्रत्येक क्षेत्रीय मुख्यालय पर 24 घंटे संचालित होने वाला कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। यह कंट्रोल रूम कांवड़ यात्रा शुरू होने से लेकर उसके समापन तक लगातार कार्य करेगा व सभी गतिविधियों का रिकॉर्ड दर्ज किया जाएगा परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार जाने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा लखनऊ, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे प्रमुख मार्गों पर भी आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त बसें संचालित की जाएंगी। बस स्टेशनों पर यात्रियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं निर्देश दिए गए हैं कि कांवड़ मार्ग पर स्थित बस स्टेशनों पर पेयजल, स्वच्छ शौचालय, बैठने की व्यवस्था, साफ-सफाई, पूछताछ कक्ष, ध्वनि प्रसारण प्रणाली और खान-पान के स्टॉल सुचारु रूप से संचालित रहें ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सड़क सुरक्षा पर रहेगा विशेष जोर कांवड़ यात्रा के दौरान बसों की गति निर्धारित सीमा के भीतर रखी जाएगी। सभी चालकों का अनिवार्य रूप से ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट कराया जाएगा और सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। क्षेत्रीय प्रबंधकों को मंडलायुक्त और जिलाधिकारी की बैठकों में अनिवार्य रूप से भाग लेने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर रूट डायवर्जन और अन्य व्यवस्थाओं का पालन कराया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा जारी रूट डायवर्जन प्लान की जानकारी सभी संबंधित क्षेत्रों तक तत्काल पहुंचाई

'रणबाली' के लिए विजय देवरकोंडा ने ली सख्त ट्रेनिंग, घुड़सवारी, चाकू और बंदूक चलाना सीखा

एक्टर विजय देवरकोंडा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' के रोल के लिए अपने करियर की सबसे मुश्किल तैयारी की है। कई महीनों तक अलग-अलग तरह की स्किल्स सीखने के बाद, एक्टर ने जबरदस्त ट्रेनिंग की, ताकि हर एक्शन सीन असली लगे। उनका ट्रांसफॉर्मेशन आम फिटनेस रूटीन से कहीं आगे था। उनकी तैयारी इस तरह से की गई थी ताकि हर सीन स्क्रीन पर असली लगे।

विजय ने ली ट्रेनिंग

इंडिया टुडे ने फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से लिखा 'इस रोल के लिए विजय ने खुद को तैयारी के एक लंबे और मुश्किल प्रोसेस में पूरी तरह झोंक दिया। उन्होंने घुड़सवारी के मुश्किल सेशन किए। साथ ही, उन्होंने हथियार चलाना, फायरआर्म्स का इस्तेमाल करना और घोड़े पर बैठकर नकली गोलीबारी के बीच एक्शन करना भी सीखा।'

चाकू चलाने की ट्रेनिंग ली

सूत्र ने आगे कहा, 'फिल्म के लिए विजय ने जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया। उन्होंने बॉडीबिल्डिंग की और चाकू से लड़ने की ट्रेनिंग ली। तैयारी का हर पहलू सिर्फ अलग-अलग स्किल्स सिखाने के लिए नहीं, बल्कि विजय को उस किरदार में पूरी तरह ढालने के लिए था, ताकि स्क्रीन पर हर एक्शन सही लगे।'

विजय देवरकोंडा का वर्क फ्रंट

विजय देवरकोंडा की अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' फैंस को उत्साहित कर रही है। यह इस साल 11 सितंबर को रिलीज होने वाली है। राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में विजय के साथ रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में हैं। इसके बाद विजय 'राउडी जनार्दन' में नजर आएंगे।

निहारिका चौकसे ने इंडस्ट्री की सोच पर उठाए सवाल

टेलीविजन अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने इंटरव्यू में टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहां हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है। निहारिका चौकसे ने कहा, ''मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद आता है। अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आंकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है। यहां कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने को मिलता है।'' उन्होंने आगे कहा, ''टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में कलाकारों को वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफ्तार कहीं ज्यादा तेज होती है। यही वजह है कि टीवी कलाकारों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी पड़ती है।''

निहारिका चौकसे ने कहा, 'मनोरंजन जगत अब पहले से बेहतर दिशा में आगे बढ़ रहा है। बदलाव जीवन का सबसे बड़ा सच है और इंडस्ट्री भी समय के साथ बदल रही है। पहले टेलीविजन में महिलाओं पर आधारित कहानियां ज्यादा देखने को मिलती थीं, लेकिन अब फिल्मों में भी महिला कलाकारों को मजबूत और अहम किरदार मिलने लगे हैं। महिला प्रधान फिल्मों का अच्छा प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि दर्शकों की सोच बदल रही है और इंडस्ट्री महिलाओं को पहले से ज्यादा अवसर दे रही है।' रियलिटी शोज में आने को लेकर भी निहारिका ने कहा, ''अभी मैं सिर्फ काम करना चाहती हूं। रियलिटी शोज बाद में भी किए जा सकते हैं। सबसे पहले मैं अपना फैन बेस मजबूत करना चाहती हूं, ताकि जब भी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लूं, तो जीतने के इरादे से जाऊं।'' उन्होंने कहा, 'मुझे डांस करना बेहद पसंद है, इसलिए 'झलक दिखला जा' मेरे पसंदीदा रियलिटी शोज की लिस्ट में शामिल है। वहीं, 'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने की इच्छा भी है, लेकिन उससे पहले मैं अपने डर पर काबू पाना चाहती हूं।'

मुझे खुद पर शक था...

सलमान खान ने बढ़ाया उनका हौसला

रोमानिया की मॉडल, सिंगर और एक्ट्रेस यूलिया वंतूर आज भारतीय मनोरंजन जगत में जाना-पहचाना नाम हैं। हालांकि, भारत में उनकी पहचान अक्सर सलमान खान के साथ जुड़ी खबरों से भी होती रही है, लेकिन यूलिया की अपनी एक अलग कहानी है। एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें खुद अपनी आवाज और हिंदी में गाने को लेकर भरोसा नहीं था। उस दौर में सलमान खान ने उनकी क्षमता पर भरोसा जताया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए हौसला दिया। यूलिया ने खुद कई इंटरव्यू में बताया है कि सलमान के भरोसे ने उन्हें अपने टैलेंट को पहचानने में मदद की। यूलिया वंतूर का बचपन से ही उनका झुकाव ग्लैमर और मीडिया की दुनिया की तरफ था। उन्होंने महज 15 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी और धीरे-धीरे रोमानिया में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने न्यूज एंकर के तौर पर भी काम किया। टीवी में उनके काम के लिए उन्हें कई सम्मान और पुरस्कार भी मिले।

भारत आने के बाद यूलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती नई भाषा और नई इंडस्ट्री थी। शुरुआत में लोग उन्हें सलमान खान से जुड़ी शख्सियत के तौर पर ज्यादा जानने लगे थे। यूलिया और सलमान खान की मुलाकात साल 2010 में डबलिन में हुई थी, जहां सलमान अपनी फिल्म 'बॉडीगार्ड' की शूटिंग कर रहे थे। इसके बाद दोनों की दोस्ती की चर्चा होने लगी। यूलिया ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके लिए सिंगिंग में कदम रखना आसान नहीं था। उन्हें हिंदी में गाने को लेकर खुद पर विश्वास नहीं था। लेकिन, सलमान ने उनकी आवाज और मेहनत पर भरोसा किया। सलमान खान ने यूलिया को गाने के लिए प्रेरित किया और उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। इसके बाद यूलिया ने उनकी फिल्म 'राधेः योर मोस्ट वांटेड भाई' के गाने 'सीटीमार' में अपनी आवाज दी। इसके अलावा, उन्होंने कई अन्य म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में भी काम किया और सिंगर के तौर पर अपनी पहचान बनाई। यूलिया ने अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा। वह शॉर्ट फिल्म 'इकोज ऑफ अस' में नजर आईं।

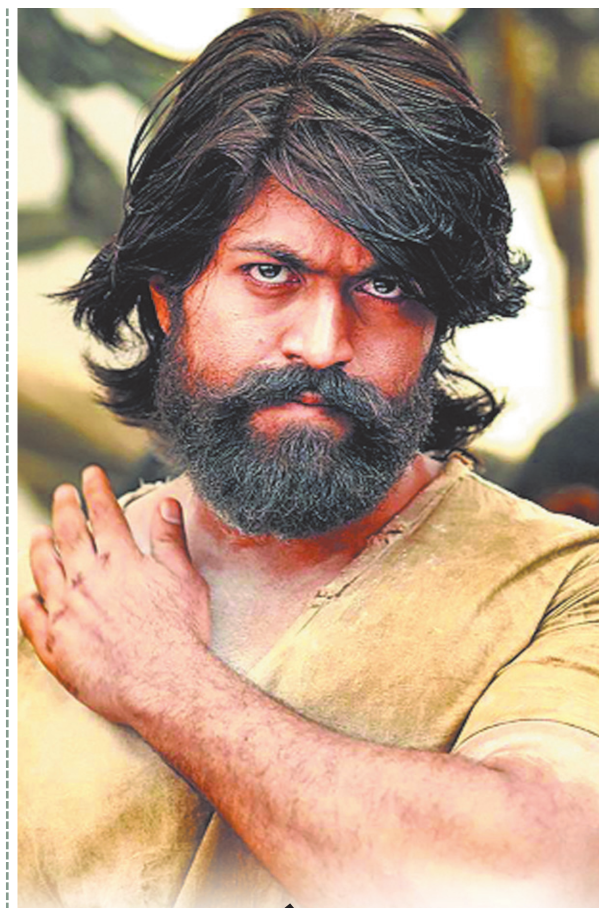

रामायण में रावण का किरदार निभाने पर रॉकिंग स्टार यश ने की बात

मुंबई फिल्म 'रामायण' को लेकर लोगों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। इस बीच, फिल्म में काम करने के साथ-साथ अपने बैनर 'मॉनस्टर माइंड क्रिएशंस' के तहत इसे प्रोड्यूस कर रहे अभिनेता यश कॉमिक-कॉन इवेंट में अपनी टीम के साथ पहुंचे। मीडिया से बातचीत के दौरान, फिल्म में रावण का किरदार निभा रहे यश ने इस रोल की गहराइयों, रामायण के विचारों और आज के समय में भी इसकी सीख क्यों जरूरी है, इस पर खुलकर बात की।

रामायण पर अपने विचार रखते हुए यश ने कहा, 'किसी भी कहानी को बताने के लिए आपको अच्छाई और बुराई, सही और गलत दोनों की जरूरत होती है। उनके मुताबिक, रामायण भगवान राम और रावण के बिल्कुल अलग रास्तों और सफर की कहानी है। इस अंतर को समझाते हुए यश ने कहा, 'भगवान राम राजा के रूप में जन्मे थे, लेकिन उनके सामने ऐसी स्थितियां आईं जहां उन्हें सब कुछ खोना पड़ा। फिर अपने अच्छे व्यवहार और सही कामों के दम पर उन्होंने अपनी ताकत वापस हासिल की। दूसरी तरफ, रावण ने बिल्कुल शुरुआत से सफर शुरू किया और बहुत ताकतवर बना। लेकिन कभी-कभी जैसा कहा जाता है, जब आप किसी राक्षस से लड़ते हैं, तो आप खुद उससे भी बड़े राक्षस बन जाते हैं। इस बात को लेकर बहुत सावधान रहने की जरूरत होती है।' यश के मुताबिक, यही अंतर इस कहानी को हर दौर के लिए खास बनाता है। जहां भगवान राम ने अपने संस्कारों और सही कामों से सब कुछ वापस पाया, वहीं रावण का सफर यह याद दिलाता है कि कैसे ताकत जब बदले और अहंकार से भर जाती है, तो विनाश की ओर ले जाती है।

रावण के बारे में बात करते हुए यश ने कहा कि यह किरदार सिर्फ एक साधारण विलेन (खलनायक) से कहीं ज्यादा गहरा है। उन्होंने कहा, 'वह कई कलाओं का ज्ञानी था।' यश ने आगे जोड़ा कि अपार ज्ञान और क्षमताओं के बावजूद रावण आखिरकार 'अपनी ताकत पर काबू नहीं रख पाया।' यश के अनुसार, यही विरोधाभास उन्हें पौराणिक कथाओं का सबसे दिलचस्प किरदार बनाता है। यश ने यह भी बताया कि रामायण से उनका रिश्ता बचपन से है। उन्होंने बताया, 'शायद यह पहली कहानी थी जो मैंने सुनी थी। मेरे दादाजी मुझे ये कहानियां सुनाया करते थे और आप अपने दिमाग में उनकी एक अलग दुनिया बना लेते हैं।' रोल की तैयारियों पर बात करते हुए यश ने कहा कि उनका ध्यान रावण को नए सिरे से गढ़ने पर नहीं, बल्कि उसकी सोच को समझने पर था। उन्होंने खुद से पूछा, 'एक एक्टर के तौर पर आप इसमें नया क्या ला रहे हैं? इस किरदार के बारे में आपकी अपनी क्या समझ है?' निर्देशक नितेश तिवारी और लेखकों की सोच की तारीफ करते हुए यश ने कहा, 'मैं यह समझना चाहता था कि रावण ने जो कुछ भी किया, उसके पीछे उसकी क्या वजह थी। मेरे लिए उसके कामों के पीछे की मंशा को समझना बाकी किसी भी चीज से ज्यादा जरूरी था।'

अब लोग हर छोटी चीज पर आहत हो जाते हैं, कॉमेडी पर काफी बंदिशें लग गई हैं

एक्टिंग, कॉमेडी, डांस, डबिंग, होस्टिंग, कोरियोग्राफी और सिंगिंग जैसी मनोरंजन की अलग-अलग विधाओं को एक साथ साधने वाले जावेद जाफरी जैसे कलाकार बॉलीवुड में विरले ही हैं। इसके बावजूद, इंडस्ट्री में 40 साल से सक्रिय जावेद जाफरी मानते हैं कि ऑर्गनाइज्ड यानी व्यवस्थित न होने के चलते वह बहुत कुछ ऐसा नहीं कर पाए, जो कर सकते थे।

बकौल जावेद जाफरी, 'मैं जो भी चीजें कीं, वो बस खुद-ब-खुद होती गईं। मैंने प्लान करके कुछ नहीं किया। मेरी दिक्कत ही यही है कि मैं जिंदगी में ऑर्गनाइज्ड यानी व्यवस्थित नहीं हूं। अगर व्यवस्थित होता तो बहुत कुछ कर लिया होता। मैंने डायरेक्टर के तौर पर एक फिल्म बना ली होती। मैंने रैप की एल्बम निकाल ली होती। 1985 में मैंने फिल्म 'मेरी जंग' में 'बोल बेबी बोल' गाने के बीच में रैप किया था। तब रैप का एल्बम निकालने का आइडिया भी आया था, तब बाबा सहगल भी नहीं आया था, लेकिन वही है कि मैं ऑर्गनाइज्ड नहीं हूं। मुझे कोई ऐसा चाहिए जो मुझे ऑर्गनाइज करे। हालांकि, फिल्म डायरेक्ट करने की ख्वाहिश अब भी है। वो मैं करूंगा।'

कॉमेडी पर बहुत बंदिशें लग चुकी हैं

इन दिनों अपनी फिल्म 'धमाल 4' से चर्चा बटोर रहे जावेद जाफरी का कॉमेडी से गहरा नाता रहा है। आजकल कॉमेडी का स्तर गिरने के सवाल पर वह कहते हैं, 'मैं ये तो नहीं कहूंगा कि स्तर गिर चुका है। अभी माध्यम इतने सारे हो चुके हैं और एंटरटेनमेंट को देखने की आदतें बदल चुकी हैं। खासकर से कोविड के बाद, सोशल मीडिया, यूट्यूब, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, इन सारी चीजों ने कई चीजें बदली हैं। उसमें कॉमेडी भी है। कॉमेडी वैसे भी अलग-अलग ऑडियंस पर अलग तरह से असर डालती है। मेरा खुद का अनुभव रहा है कि नॉर्थ ईस्ट के डिब्रूगढ़ के शो में जिस चीज पर ताली बजती है, जिस पर लोग हंसते हैं, वो सैन फ्रैंसिस्को की ऑडियंस से बहुत अलग है। जबकि, मैं वही हिंदी बॉलीवुड शो कर रहा हूं, क्योंकि वहां सेंसिबिलिटी अलग होती है।

लोग बहुत सेंसिटिव हो गए हैं

वैसे, अभी लोग कुछ ज्यादा सेंसिटिव हो गए हैं, खासकर अपने देश में। जैसे, अब हम कुत्ते को कुत्ता नहीं बोल सकते, डॉगी बोलो ! ये क्या मतलब हुआ। मोटी नहीं बोल सकते, गूंगा नहीं बोल सकते, ये नहीं बोल सकते, वो नहीं बोल सकते, कुछ अजीब सी सेंसरशिप कहिए या जो भी कहिए, मगर इतना सेंसिटिव क्यों होना है? 70-80 के दौर में किसी की भावनाएं इन चीजों से आहत नहीं होती थीं। अब कॉमेडी पर बहुत बंदिशें हो गई हैं।'

'धमाल' के मानव को मैंने खुद बनाया

'धमाल' में जावेद जाफरी का निभाया मानव का किरदार काफी पसंद किया गया। वह किरदार को गढ़ने में जावेद जाफरी की भी अहम भूमिका रही। उन्होंने बताया, ''धमाल' मेरी जिंदगी की सबसे मजेदार फिल्म है। मानव का किरदार भी मेरे बहुत करीब है, क्योंकि उसे बनाने में मेरा भी काफी हाथ है कि वो कैसे बोलेगा?, क्या पहनेगा?, कैसे चलेगा? दरअसल, जब मैं फिल्म के लिए हमारे डायरेक्टर इंद्र कुमार जी से मिला तो वह देखकर बोले कि जावेद तू तो स्मार्ट लगता है यार। मैं समझ गया कि वह क्या कहना चाहते हैं तो मैंने कॉस्ट्यूम वालों के साथ तय किया कि उसे डंगरी पहनाते हैं। पोलो नेक की टीशर्ट पहनाते हैं ताकि एक बचपना दिखे, एक मासूमियत दिखे। फिर उन्होंने कहा कि तेरी आवाज बहुत अच्छी है, तो मैंने पूरा बेस हटा दिया। आवाज को पतला कर दिया। एक तुतलाहट ले आया, क्योंकि इस किरदार को कमजोर बनाना था। इसलिए, मैंने अपनी बॉडी लैंग्वेज बदली। थोड़ा झुककर चला। मम्मा विल भी प्राउड ऑफ यू, वाला डायलॉग भी स्क्रिप्ट में नहीं था तो इसे बनाने में बहुत मजा आया।'

बेटे मीजान संग करना फख की बात

जावेद जाफरी पिछले दिनों फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में अपने बेटे मीजान के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखे। पिता-बेटे की इस जोड़ी ने साथ में डांस भी किया। इस अनुभव को खास मानने वाले जावेद कहते हैं, 'बेटे के साथ काम करके निश्चित तौर पर फख होता है कि वह इतना बड़ा हो गया है कि अपनी जिंदगी, अपना करियर खुद आगे बढ़ा रहा है। एक पिता के तौर पर निश्चित तौर पर बहुत खुशी होती है।'

बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड की जून तिमाही में सीमेंट बिक्री 5 प्रतिशत और रेवेन्यू 7 प्रतिशत बढ़ा : कोलकाता, एजेंसी। बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने, 98 प्रतिशत का उच्चतम क्षमता उपयोग (हाई कैपेसिटी यूटिलाइज़ेशन) बनाए रखते हुए, जून तिमाही में सीमेंट की बिक्री को 5.05 मिलियन टन (एमटी) तक बढ़ाया है। ऐसा महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान जैसे राज्यों में ट्रेड सेगमेंट में लगातार बढ़त के कारण हुआ।

नेटफ्लिक्स के 'लॉक अप : सच या सज़ा' में जजमेंट डे पर हिना खान और उर्फी जावेद बनीं 'जनता की आवाज़ : मुंबई, एजेंसी। नेटफ्लिक्स के कैप्टिव रियलिटी शो 'लॉक अप : सच या सज़ा' का रोमांच और अधिक बढ़ने वाला है क्योंकि 'जजमेंट डे' पर 'जनता की आवाज़' के रूप में हिना खान और उर्फी जावेद दिखाई देने वाली हैं। ये दोनों मिलकर कंटेस्टेंट्स से मुश्किल सवाल पूछेंगी, उनके गेम और रणनीति पर खुलकर बात करेंगी और उनके बारे में अपनी बेबाक राय भी देंगी।

रूस से तेल खरीदते-खरीदते कैसे मजबूत हो गया भारतीय रुपया, जानिए 1.44 लाख करोड़ के खेल की पूरी कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक उथल-पुथल और डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी के बावजूद भारत ने विदेश से व्यापार में भारतीय रुपये का इस्तेमाल काफी बढ़ा दिया है। 'द इंडियन एक्सप्रेस' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने इस साल मार्च से मई के बीच करीब 15 अरब डॉलर (करीब 1.44 लाख करोड़ रुपये) के आयात का भुगतान भारतीय रुपये में किया। रुपये में भुगतान में आई इस रिकॉर्ड तेजी की सबसे बड़ी वजह रूस से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदना है।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च से मई के बीच भारत ने अपने कुल आयात का 7.1% हिस्सा रुपये में चुकाया। इससे पहले (दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 तक) केवल 2.4% आयात का भुगतान ही रुपये में होता था। इन 3 महीनों में 1.44 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ जो पिछले पूरे वित्त वर्ष (2023-24 में 99,680 करोड़ रुपये) से भी कहीं ज्यादा है।

रूस बना सबसे बड़ा कारण: एक्सपर्ट्स के मुताबिक, रुपये में बढ़े इस लेन-देन की असली वजह रूसी तेल की भारी खरीदारी है। भारत ने मार्च से मई के बीच रूस से 17.13 अरब डॉलर का कच्चा तेल खरीदा, जो पिछले साल से 30% ज्यादा है। अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने पर कुछ समय के लिए छूट दी थी, जिसका भारत ने फायदा उठाया और खरीदारी बढ़ा दी।

निर्यात में रुपये का रोल अभी भी कम

भले ही भारत ने सामान खरीदने में रुपये का इस्तेमाल खूब बढ़ाया हो, लेकिन दुनिया को सामान बेचने के मामले में अभी भी रुपये में पेमेंट कम ही मिलती है। भारत विदेशों में जितना सामान बेचता है, उसका केवल 1.8% से 3.5% हिस्सा ही रुपये में वापस मिलता है। बाकी का भुगतान अभी भी डॉलर जैसी विदेशी मुद्राओं में ही होता है।

कैसे काम करता है रुपया व्यापार

सामान्य तौर पर भारत को विदेश से सामान खरीदने के लिए अमेरिकी डॉलर देना पड़ता है। लेकिन रुपया व्यापार में भारतीय कंपनियां भारत के ही बैंकों में बने विदेशी बैंकों के वोस्ट्रो अकाउंट में रुपये जमा कर देती हैं। इससे भारत को अपने डॉलर खर्च नहीं करने पड़ते और विदेशी मुद्रा भंडार बचा रहता है। रूस को तेल के बदले जो रुपये मिलते हैं, वह उनसे भारत से ही दूसरा सामान (जैसे दवाएं, अनाज, मशीनें) खरीद सकता है।

फिर कई लोगों को बेहतरी महसूस क्यों नहीं हो रही वजह समझिए

भारत की अर्थव्यवस्था गाड़ रही झंडे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अर्थव्यवस्था ने कई पैमानों पर मजबूत ग्रोथ दिखाई है। मसलन, गाड़ियों की बिक्री से लेकर रिटेल पेमेंट और इंडस्ट्रियल एक्टिविटी तक उसका प्रदर्शन शानदार रहा है। हालांकि, म्यूचुअल फंड की एक नई रिपोर्ट बताती है कि इस रिकवरी का असर अभी तक परिवारों के खर्च (कंजम्पशन) में बड़े पैमाने पर नहीं दिखा है। असल मांग में अभी भी उतार-चढ़ाव जारी है। म्यूचुअल फंड की 'तथ्य' रिपोर्ट का जुलाई 2026 का एडिशन चेतावनी देता है कि साल-दर-साल ग्रोथ के कई शानदार आंकड़े पिछले साल के कम बेस की वजह से बढ़े हुए दिख रहे हैं। वैसे तो कुल मिलाकर खर्च में सुधार हुआ है। लेकिन, रिपोर्ट कहती है कि यह रिकवरी 'एक जैसी नहीं' है। इसे अभी लगातार चलने वाला ट्रेंड नहीं माना जा सकता।

अच्छे दिख रहे हैं ये आंकड़े: खर्च से जुड़े कई पैमाने उत्साहजनक तस्वीर दिखाते हैं। जून में बकाया पर्सनल लोन साल-दर-साल 15.4% बढ़ा। यह बढ़कर

70.2 लाख करोड़ रुपये हो गया। ये कंज्यूमर क्रेडिट की लगातार मांग को दिखाते हैं। रिटेल पेमेंट 12.8% बढ़कर 92.5 लाख करोड़ रुपये हो गए। वहीं, पैसेंजर गाड़ियों (यूटिलिटी गाड़ियों सहित) की बिक्री 23.2% बढ़ी। यह बढ़कर 3,80,000 यूनिट हो गई। इस महीने टू-व्हीलर की बिक्री भी 18.6% बढ़कर 18.5 लाख यूनिट तक पहुंच गई। ये पैमाने बताते हैं कि आर्थिक गतिविधियां अच्छी हैं। लेकिन, जरूरी नहीं कि बड़े पैमाने पर खर्च में तेजी (कंजम्पशन बूम) का संकेत दें।

ग्रोथ को सावधानी से समझने की नसीहत: रिपोर्ट का तर्क है कि डबल डिजिट वाली ग्रोथ रेट को सावधानी से समझना चाहिए। कारण है कि ये ज्यादातर अच्छे बेस इफेक्ट की वजह से हैं। मौजूदा गतिविधियों की तुलना पिछले साल के कम स्तरों से करने पर स्वाभाविक रूप से सालाना ग्रोथ रेट मजबूत दिखती है।

वैसे तो कंज्यूमर एक साल पहले की तुलना में ज्यादा खर्च कर रहे हैं। लेकिन, यह रिकवरी अभी इतनी व्यापक नहीं है कि निष्कर्ष निकाला जा सके कि भारत एक लंबे समय तक चलने वाले कंजम्पशन साइकल में प्रवेश कर चुका है। इसके बजाय, अलग-अलग सेक्टर और कैटेगरी में मांग में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। एक अहम पैमाना हाउसिंग फाइनेंस है।

बिना गारंटी वाले कर्ज की स्थिति ठीकठाक

रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि पिछले साल रिटेल क्रेडिट के मजबूत हिस्सों में से एक हाउसिंग लोन रहा है। इसलिए, हाल की सुस्ती से पता चलता है कि बड़ी खरीदारी के लिए परिवारों की ओर से लिए जाने वाले कर्ज की रफ्तार थोड़ी कम हो सकती है। जबकि बिना गारंटी वाले कर्ज और गाड़ियों के लिए फाइनेंसिंग की स्थिति अभी भी ठीक-ठाक बनी हुई है। वैसे तो परिवारों की मांग में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। लेकिन, व्यापक अर्थव्यवस्था को औद्योगिक और सेवा गतिविधियों से सहारा मिल रहा है। उद्योगों को दिए जाने वाले कर्ज में साल-दर-साल 17.5% की बढ़ोतरी हुई। मैन्युफैक्चरिंग 54.2 के साथ विस्तार के दायरे में रहा। कैपिटल गुड्स का उत्पादन 30.9% बढ़ा।

कच्चे तेल में इस हफ्ते आई 10% उछाल

आपके शहर में आज क्या है पेट्रोल डीजल का हाल

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने नया मोर्चा खोल दिया है। वे लाल सागर में सऊदी जहाजों को निशाना बना रहे हैं। इस कारण होर्मुज स्ट्रेट के साथ-साथ लाल सागर से भी जहाजों का आवाजाही पर असर पड़ा है। इससे कच्चे तेल की कीमत में इस हफ्ते 10 फीसदी तेजी आई और गुरुवार को यह मई के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। हालांकि अच्छी बात यह रही कि हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को इसमें चार फीसदी गिरावट रही।

हालांकि भारत की सरकारी तेल कंपनियों ने आज यानी रविवार, 26 जुलाई 2026 को भी पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया। देश में 25 मई 2026 के बाद इनके दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। 28 फरवरी को ईरान युद्ध शुरू होने के बाद सरकारी कंपनियों ने कीमत बढ़ाने से परहेज किया था। लेकिन मई में उन्होंने चार बार कीमत बढ़ाई।

कब-कब बढ़ी कीमत: सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है।

डीजल का रेट: सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक शुक्रवार 24 जुलाई, 2026 को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। वहीं कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में बढ़ोतरी से सरकारी तेल कंपनियों बीपीसीएल और एचपीसीएल को जून तिमाही में भारी घाटा हुआ है। हालांकि आईओसीएल ने अब तक अपना रिजल्ट जारी नहीं किया है।

कच्चे तेल की कीमत: इस हफ्ते कच्चे तेल की कीमत में करीब 10 फीसदी उछाल आई है। हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 3.88% या 3.91 डॉलर की गिरावट के साथ 96.78 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। इसी तरह अमेरिका का डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 3.12% या 2.88 डॉलर की गिरावट के साथ 89.31 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। जानकारों का कहना है कि अगर पश्चिम एशिया में हालात नहीं सुधरे तो कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है।

वेदांता चेयरमैन ने की 45 स्टार्टअप फाउंडर्स से मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए भारत के युवा उद्यमियों की जमकर तारीफ की है। उन्होंने बताया कि हाल ही में उनकी मुलाकात 45 युवा उद्यमियों और स्टार्टअप फाउंडर्स से हुई। दिन में सभी ने लॉर्ड्स में क्रिकेट मैच देखा और शाम को उनके घर पर डिनर के दौरान लंबी बातचीत हुई। अनिल अग्रवाल ने कहा कि इन युवाओं से मिलकर उन्हें अपने शुरुआती दिनों की याद आ गई। उनके मुताबिक, इन सभी में कुछ नया करने का जज्बा, सीखने की ललक और बड़े जोखिम उठाने का साहस साफ दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि यही गुण किसी भी व्यक्ति को जीवन में आगे बढ़ने में मदद करते हैं। उन्होंने बताया कि बातचीत के दौरान भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में मौजूद बड़े अवसरों पर भी चर्चा हुई।

चीन की फिर बढ़ी भूख, जून में 173 टन तो 6 महीने में खरीद डाला 820 टन सोना, ये हैं पर्दे के पीछे की वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद दुनिया के सबसे बड़े सोना उपभोक्ता चीन की सोने की भूख थमने का नाम नहीं ले रही है। चालू वर्ष में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमतों में आई गिरावट का फायदा उठाते हुए चीन ने जून महीने में अपने सोने के आयात में भारी बढ़ोतरी की है। चीन के कस्टम्स द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जून में चीन ने 173 टन से अधिक सोने का आयात किया, जो मार्च 2024 के बाद किसी भी एक महीने का सबसे उच्चतम स्तर है। सोने की वैश्विक कीमतों में आई नरमी को चीनी निवेशकों ने एक बड़े अवसर के रूप में देखा है। खुदरा निवेशकों के साथ-साथ चीन के वाणिज्यिक बैंकों ने विदेशों से खरीदारी बढ़ाई ताकि मजबूत मांग के बीच अपने भंडार को फिर से भरा जा सके। यह रुझान दर्शाता है कि कीमतों में गिरावट से चीन का सोने पर भरोसा कम नहीं हुआ है, बल्कि कम कीमतों ने नए खरीदारों को बाजार में उतरने का मौका दिया है। साल 2026 की पहली छमाही में चीन का कुल सोना आयात लगभग 820 टन तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा पिछले साल (2025) की इसी अवधि की तुलना में लगभग दोगुना है। इतिहास में पहली छमाही के लिहाज से यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा आयात स्तर है। साल 2025 की पहली छमाही में रिकॉर्ड 830 टन सोने का आयात किया गया था। चीन में केवल भौतिक सोना ही नहीं, बल्कि की मांग में भी जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। साल 2026 में अब तक चीनी गोल्ड में 28 टन का

शुद्ध निवेश दर्ज किया गया है। यह दिखाता है कि निवेशक केवल बिस्किट या सिक्कों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वित्तीय उत्पादों के माध्यम से भी सोने में एक्सपोजर बढ़ा रहे हैं। चीन दुनिया का सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता देश है। ऐसे में उसके खरीदारी के तरीके में आया कोई भी बदलाव अंतरराष्ट्रीय बुलियन मार्केट को सीधे प्रभावित करता है। रिकॉर्ड आयात और मजबूत श्व्रञ्जस्न इनफ्लो से साफ है कि चीनी बाजार में मांग बेहद मजबूत बनी हुई है। अगर आयात की यही रफ्तार बरकरार रहती है, तो 2026 सालाना आयात का नया ऑल-टाइम हाई रिकॉर्ड बना सकता है, जिससे वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों को मजबूत सपोर्ट मिलेगा।

टाटा की चाय से लेकर दाल तक, सब होने वाले हैं महंगे, जानें कंपनी ने क्यों लिया यह फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। चाय पत्ती और दाल जैसी रोजमर्रा की चीजें महंगी हो सकती हैं। टाटा चाय और टाटा नमक जैसे प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने कहा है कि अगर कच्चे माल की लागत बढ़ती है, तो वह इसका बोझ ग्राहकों पर डालेगी। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ सुनील डी'सूजा के मुताबिक, कंपनी अपने मुनाफे को बचाए रखने के लिए ऐसा कदम उठा सकती है। इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार कंपनी चालू वित्त वर्ष में अपने ऑपरेटिंग मार्जिन को 50 से 70 बेसिस पॉइंट्स बढ़ाने के लक्ष्य पर कायम है।

कंपनी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव (पश्चिम एशिया संकट) और खराब मौसम (अल नीनो) की वजह से कच्चे माल की कीमतें लगातार बदल रही हैं। मानसून में देरी की वजह से चाय पत्ती की लागत पहले ही 7% से 10% तक बढ़ चुकी है। कंपनी ने हाल ही में

चाय के दाम थोड़े बढ़ाए हैं और अगले 15-30 दिनों तक बाजार पर नजर रख रही है। अगर अल नीनो के कारण दालों की फसल प्रभावित होती है, तो कंपनी अपने ब्रांडेड दालों (जैसे टाटा संपन्न) के दाम भी बढ़ा सकती है।

टाटा कंज्यूमर ने इस तिमाही में मिला-जुला प्रदर्शन किया है। कंपनी की कुल कमाई (रेवेन्यू) 5,348.88 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल से करीब 12% ज्यादा है। वहीं शुद्ध मुनाफा 444.86 करोड़ रुपये रहा, जिसमें करीब 28% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कच्चे माल की बढ़ती कीमतों की वजह से भारतीय बाजार में कंपनी के मार्जिन पर थोड़ा दबाव जरूर दिखा है। टाटा संपन्नः दालों और मसालों के इस ब्रांड की बिक्री में 58% का बड़ा उछाल आया। कोल्ड ड्रिंक्स और बेवरेजेसः रेडी-टू-ड्रिंक सेगमेंट में बिक्री 41% बढ़ी।

एकमात्र स्ट्रैटेजी जिसके फेल होने की गारंटी है, वह है रिस्क न लेना

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्क जुकरबर्ग दुनिया की दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनी मेटा के सह-संस्थापक हैं। उन्होंने 2004 में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान अपने क्लासमेट्स के साथ मिलकर 'फेसबुक' की शुरुआत की थी। इसने देखते ही देखते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों के जुड़ने और बातचीत के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया।

फेसबुक ने 2021 में अपना नाम बदलकर मेटा कर लिया ताकि कंपनी का फोकस मेटावर्स पर हो सके। 2015 में जुकरबर्ग और उनकी पत्नी प्रिसिला चैन ने अपनी पूरी जिंदगी में अपने मेटा स्टेक का 99% दान करने का वादा किया था।

मार्क जुकरबर्ग के नेतृत्व में कंपनी ने जोरदार तरक्की की। फोर्ब्स के अनुसार, उनकी रियल टाइम नेटवर्थ 25 जुलाई तक 204.3 अरब डॉलर थी। उनके विचार दुनियाभर में करोड़ों लोगों को प्रेरित करते हैं। आइए, यहां उनमें से कुछ के बारे में जानते हैं। सबसे बड़ा रिस्क कोई रिस्क न लेना है... एक ऐसी दुनिया में जो बहुत तेजी से बदल रही है, एकमात्र स्ट्रैटेजी जिसके फेल होने की गारंटी है, वह है रिस्क न लेना। तेजी से आगे बढ़ें और चीजों को ब्रेक करें। जब तक आप चीजें ब्रेक नहीं कर रहे हैं, आप तेजी से आगे नहीं बढ़ रहे हैं। सोनम वांगचुक के परिवार में कौन-कौन हैं, पत्नी और माता-पिता क्या करते हैं लोगों को शेयर करने की पावर देकर हम दुनिया को और ज्यादा ट्रांसपेरेंट बना रहे हैं। हमारी स्ट्रैटेजी बहुत हॉरिजॉन्टल है। हम हर चीज के लिए एक सोशल लेयर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। असल में, हम ऐसा बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि हर ऐप हर जगह सोशल हो सके, चाहे वह वेब पर हो या मोबाइल पर या दूसरे डिवाइस पर। इसलिए असल में हमारी पूरी अप्रोच डेप्थ-फर्स्ट के बजाय ब्रेथ-फर्स्ट अप्रोच होनी चाहिए। इसलिए शुरू नहीं होतीं क्योंकि फाउंडर एक कंपनी चाहता था।

आईपीओ लॉन्चिंग से पहले फोनपे को तगड़ी कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीओ की तैयारी कर रही बड़ी फिनटेक कंपनी ने शानदार तिमाही नतीजे जारी किए हैं। जून तिमाही के दौरान आय 11.47 प्रतिशत बढ़कर 7,920 करोड़ रुपये हो गई। वित्त वर्ष 2024-25 में फोनपे ने 815 करोड़ रुपये की परिचालन आय दर्ज की थी। कंपनी रजिस्ट्रार के पास जमा की गई नियामकीय सूचना में यह जानकारी दी गई है। वित्त वर्ष 2025-26 में सामान्य कारोबारी गतिविधियों के आधार पर फोनपे का घाटा 1,377 करोड़ रुपये रहा, जबकि कंपनी का कुल घाटा 2,792 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

यूपीआई डीआई रकम के आंकड़े जारी नहीं

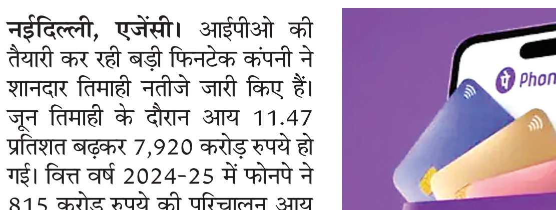

सरकार की तरफ से वित्त वर्ष 2025-26 के लिए उद्योग को यूपीआई डिजिटल प्रोत्साहन (डीआई) राशि अभी तक जारी नहीं किए जाने के कारण इससे संबंधित आय को कंपनी के वार्षिक खातों में शामिल नहीं किया गया है। यह आय वित्त वर्ष 2026-27 के वित्तीय परिणामों में दर्ज होने की उम्मीद है। कंपनी को वित्त वर्ष 2025-26 में हुए घाटे में कुछ एकमुश्त खर्च और आय भी शामिल रहे। इनमें कर्मचारी शेयर विकल्प योजना (ईएसओपी) से जुड़ा एकमुश्त खर्च, गैर-नकद परिसंपत्ति मूल्य में कमी, एक सहयोगी कंपनी में आंशिक हिस्सेदारी बेचने से हासिल मुनाफा और बंद किए गए कारोबार से हुआ नुकसान शामिल है। इस साल की शुरुआत में, बेंगलुरु की फिनटेक कंपनी फोनपे ने जियो-पॉलिटिकल तनाव और ग्लोबल कैपिटल मार्केट में उतार-चढ़ाव का हवाला देते हुए अपने प्रस्तावित को कुछ समय के लिए टाल दिया था। मार्च में जारी एक बयान में ष्टश्वह्र समीर निगम ने कहा कि कंपनी भारत में लिस्टिंग के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन उसने बाजार की स्थिति में सुधार होने तक इस प्रक्रिया को टालने का फैसला किया है। निगम ने कहा था- हम ईमानदारी से उम्मीद करते हैं कि प्रभावित सभी क्षेत्रों में जल्द ही शांति बहाल हो। इसके साथ ही कहा है कि जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताएं कम होने और निवेशकों का भरोसा स्थिर होने के बाद वह अपनी लिस्टिंग योजनाओं पर फिर से विचार करेगी।

बता दें कि फोनपे को सितंबर 2025 में अपना ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट गोपनीय रूप से दाखिल करने के बाद, 20 जनवरी को अपने प्रस्तावित के लिए सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी से मंजूरी मिली थी।

इसके बाद, उसने 21 जनवरी, 2026 को एक अपडेटेड ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस जमा किया।

मुक्केबाजी में भारत का जलवा कायम

सचिन सिवाच ने कनाडा के अल-अहमदिएह को 4-1 से चटाई धूल

ग्लासगो। भारत के मुक्केबाज सचिन सिवाच ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 की पुरुषों की 60 किग्रा स्पर्धा के पहले दौर में कनाडा के केओमा अल-अहमदिएह को कड़े मुकाबले में 4-1 के विभाजित निर्णय (स्प्लिट डिसीजन) से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

अगला मुकाबला प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के विल हेविट से होगा

स्काटिश इवेंट कैंपस में शनिवार को खेले गए इस मुकाबले के बाद अब उनका सामना सोमवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के विल हेविट से होगा। 26 वर्षीय पूर्व राष्ट्रमंडल युवा खेल चैंपियन सचिन ने तीनों राउंड में संयम बनाए रखा।मुकाबले की शुरुआत तेज गति से हुई, जहां दोनों मुक्केबाजों ने रिंग के बीचोंबीच जमकर पंचों का आदान-प्रदान किया। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में जीत दर्ज करने वाले सचिन दूसरे भारतीय मुक्केबाज बने हैं।उनसे पहले पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 32 में जादुमणि सिंह ने आसान जीत हासिल की थी। भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों की मुक्केबाजी प्रतियोगिता में 14 सदस्यीय टीम उतारी है, जिसमें सात पुरुष और सात महिला मुक्केबाज विभिन्न भार वर्गों में हिस्सा ले रहे हैं।

अनाहत सिंह ने 18 साल की उम्र में रचा इतिहास

नई दिल्ली। एक तरफ जहां पूरे देश की नजरें कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय दल के प्रदर्शन पर टिकी हुई हैं तो वहीं दूसरी तरफ जूनियर स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में भारत की 18 साल की बेटी अनाहत सिंह ने इतिहास रचते हुए खिताब अपने नाम कर लिया है। अनाहत सिंह की फाइनल मुकाबले में भिड़ंत मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त रुकय्या सालेम से था जिसमें उन्होंने लगातार तीन सेट को अपने नाम करने के साथ खिताब जीतने में सफलता हासिल की। अनाहत सिंह जहां 21 साल में भारत की पहली खिलाड़ी हैं जो फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हो सकी थी तो वहीं खिताब जीतने वाली भी पहली खिलाड़ी बन गई हैं।साल 2028 में होने लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक गेम्स में स्क्वैश को भी शामिल किया गया है, जिसमें अनाहत सिंह की इस जीत से उनका आत्मविश्वास भी काफी बढ़ गया होगा। जूनियर लेवल पर अपना कमाल दिखाने के बाद अब अनाहत से सभी को सीनियर स्तर पर भी उसी प्रदर्शन की उम्मीद है। अनाहत अभी सीनियर पीएसए टूर की विश्व रैंकिंग में टॉप-20 खिलाड़ियों में शामिल हैं।

मिस्र की खिलाड़ी को नहीं दिया वापसी का मौका

अनाहत सिंह ने कनाडा में हुए जूनियर स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में मिस्र की रुकय्या सालेम को पहले सेट में जहां 11-3 के अंतर से मात दी तो वहीं उसके बाद दूसरे सेट को 11-7 के अंतर से जीतने में कामयाब रही। अब सभी की नजरें इस मुकाबले के तीसरे सेट पर टिकी हुई थी जिसको अनाहत सिंह 11-9 के अंतर से जीतने के साथ खिताब अपने नाम करने में कामयाब रही। अनाहत सिंह जहां साल 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद फाइनल मुकाबले में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनी, जिसमें चिनप्पा ने इस टूर्नामेंट के फाइनल तक का सफर तक का किया था, लेकिन वह टाइटल जीतने से चूक गई थीं। वहीं अनाहत की इस ऐतिहासिक जीत पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी बधाई दी, जिसमें उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि इतिहास रचा गया! अनाहत सिंह को विश्व स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर हार्दिक बधाई! यह अभूतपूर्व उपलब्धि हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है।

पाकिस्तान को हराकर भारत बना एशियाई चैंपियन

महिला टीम ने रजत जीता, विश्व कप का टिकट कटाया

मस्कट, एजेंसी। भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं महिला टीम फाइनल में चीन से 2-4 से हार गई, लेकिन उपविजेता रहते हुए विश्व कप का टिकट हासिल करने में सफल रही। दोनों भारतीय टीमों ने पहले एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में भारत का दबदबा

फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। रोमित पाल ने पांचवें मिनट में गोल कर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में कप्तान केतन कुशवाहा ने 12वें मिनट में गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी।भारत ने पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखा और शाहरुख अली ने 13वें मिनट में तीसरा गोल कर मुकाबले को लगभग भारत की झोली में डाल दिया। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद उस्मान ने 16वें मिनट में एक गोल जरूर किया, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने अंत तक बढ़त कायम रखते हुए 3-1 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत एलीट पूल तालिका में भी शीर्ष स्थान पर पहुंच गया।महिला वर्ग के फाइनल में चीन ने तेज शुरुआत करते हुए पहले छह मिनट में तीन गोल कर भारत पर दबाव बना दिया। भारत की ओर से नौशीन नाज ने 13वें मिनट में पहला गोल कर वापसी की कोशिश की, लेकिन चीन ने एक और गोल कर बढ़त 4-1 कर दी। मैच के अंतिम मिनट में पुष्पा मांझी ने गोल कर अंतर जरूर कम किया, लेकिन भारतीय टीम 2-4 से मुकाबला हार गई।

भारत को दूसरा मेडल: वेटलिफ्टर ऋषिकांत सिंह ने सिल्वर जीता

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का दूसरा मेडल मिल गया है। ऋषिकांत सिंह ने गेम्स के चौथे दिन मेंस वेटलिफ्टिंग की 60 केजी कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने कुल 264 केजी वजन उठाकर दूसरा (स्नैच 121 केजी और क्लीन एंड जर्क 143 केजी)। इससे पहले मेंस पैरा पावरलिफ्टिंग में झंडू कुमार ने ब्रॉन्ज जीता था। भारत अब 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज के साथ मेडल टेबल में 10वें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 12 गोल्ड सहित 23 मेडल के साथ पहले नंबर पर है।दिनभर में कुल 14 गोल्ड मेडल इवेंट्स होंगे। इनमें सबसे ज्यादा 9 स्विमिंग और पैरा स्विमिंग, 3 वेटलिफ्टिंग और 2 आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स में होंगे।भारत को विमेंस पेयर्स लॉन बॉल्स में नामीबिया से टाई-ब्रेक में हार का सामना करना पड़ा। टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए इंग्लैंड को हराना होगा। रूपा रानी तिर्की और पिंकी सिंह की जोड़ी के लिए यह मुकाबला करो या मरो का होगा। इंग्लैंड के खिलाफ जीत दर्ज करने पर भारतीय जोड़ी सेमीफाइनल में जगह बना लेगी और मेडल की उम्मीदें बरकरार रहेंगी।ऋषिकांत सिंह का वेटलिफ्टिंग मेंस 60 किग्रा का इवेंट जारी है। इसके बाद शाम 5:30 बजे मीराबाई चानू महिला 49 किग्रा फाइनल में गोल्ड के लिए मुकाबला करेंगी।

यामागुची अकाने ने चेन युफेई को हराकर दूसरी बार जीता महिला एकल का खिताब

टोक्यो (एजेंसी)। मौजूदा विश्व चैंपियन जापान की यामागुची अकाने ने बीडब्ल्यूएफ चाइना ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में मेजबान चीन की चेन युफेई को सीधे गेमों में हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ अकाने ने दूसरी बार चाइना ओपन का खिताब जीता और टूर्नामेंट के इतिहास में महिला एकल का खिताब जीतने वाली इकलौती जापानी खिलाड़ी बनी रहीं।

सीधे गेमों में चेन युफेई को हराया

चांगझोउ में खेले गए फाइनल मुकाबले में विश्व नंबर-3 यामागुची अकाने ने टोक्यो ओलंपिक 2020 की स्वर्ण पदक विजेता और चीन की स्टार शटलर चेन युफेई को 21-18, 21-16 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

शुरुआत में लड़खड़ाईं, फिर की दमदार वापसी

लगातार छठे फाइनल में खेल रहीं दो बार की ओलंपियन यामागुची ने मुकाबले की शुरुआत धीमी की। हालांकि उन्होंने जल्द ही लय हासिल कर ली और पहले गेम में शानदार वापसी करते हुए 21 मिनट में बढ़त बना ली।

घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद नहीं टिक सकीं चेन

दूसरे गेम में घरेलू दर्शकों के जोरदार समर्थन के बीच चेन युफेई ने कड़ी चुनौती पेश की। लेकिन यामागुची ने धैर्य और अनुभव का शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी और 44 मिनट में जीत दर्ज कर ली।

ट्रिनिडाड टेस्ट: पाक के खिलाफ वेस्टइंडीज की अच्छी शुरूआत

वेस्टइंडीज ने पहले दिन 3 विकेट पर 194 रन बनाए; कावेम हॉज 83 रन बनाकर नाबाद

ट्रिनिडाड (एजेंसी)। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच ट्रिनिडाड के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 3 विकेट पर 194 रन बना लिए। कावेम हॉज 83 और शाई होप 32 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों चौथे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी कर चुके हैं। खराब रोशनी के कारण पहले दिन सिर्फ 67 ओवर का खेल हो सका।

ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में पहली बार टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। मैच शुरू होने से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पिछले सप्ताह निधन वाले महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स की याद में एक मिनट का मौन रखा। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों और अंपायरों ने काली पट्टी बांधकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बारिश के कारण सुबह के सत्र में सिर्फ 14.1 ओवर का खेल हो सका। वेस्टइंडीज ने इस दौरान 23 रन बनाए और एक विकेट गंवाया। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने शानदार लाइन-लेंथ से गेंदबाजी की। उन्होंने शुरुआती 7 ओवर में 5 मेडन डाले। दबाव में आए ब्रैंडन किंग बाहर जाती गेंद पर कट लगाने की कोशिश में बोल्ड हो गए। इसके बाद तेज बारिश शुरू होने से अंपायरों ने समय से पहले लंच की घोषणा कर दी।

लंच के बाद पिच में नमी होने से तेज गेंदबाजों को मदद मिली। इसके बावजूद कावेम हॉज ने कुछ आकर्षक चौके लगाए और तगेनरायन चंद्रपॉल के साथ 50 से ज्यादा रन की साझेदारी की।

कप्तान बाबर आजम ने आमेर जमाल को गेंद थमाई और उन्होंने अपने पहले ही ओवर में चंद्रपॉल को स्लिप में सलमान आगा के हाथों कैच करा दिया। इसके बाद आमिर जांगू को मोहम्मद अब्बास ने डीआरएस की मदद से एलबीडब्ल्यू आउट किया। 106 रन तक वेस्टइंडीज के 3 विकेट गिर चुके थे।

तीन विकेट जल्दी गिरने के बाद कावेम हॉज और शाई होप ने पारी संभाली। हॉज ने टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक अली उस्मान की गेंद पर कवर में चौका लगाकर पूरा किया।दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 88 रन जोड़ लिए हैं। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने आखिरी सत्र में दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई और सफलता नहीं मिली।

दिन के आखिरी सत्र में रन गति धीमी रही। इस दौरान एक भी चौका नहीं लगा। हॉज और होप ने जोखिम लेने के बजाय क्रीज पर टिके रहने पर ध्यान दिया। शाम को खराब रोशनी के कारण अंपायरों ने पहले दिन का खेल समय से पहले समाप्त कर दिया। दूसरे दिन का खेल तय समय पर शुरू होगा।

उनका कर्ज कभी नहीं भूलेंगे, विजय दिवस पर सहवाग-जाधव ने वीर जवानों को किया नमन

नई दिल्ली, एजेंसी। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर पूरा देश 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि दे रहा है। इस अवसर पर भारत के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग और केदार जाधव ने भी भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस, बलिदान और देशभक्ति को याद करते हुए भावुक संदेश साझा किए।

सहवाग बोले- सैनिकों का बलिदान कभी नहीं भुलाया जाएगा

वीरेंद्र सहवाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कारगिल युद्ध की कठिन परिस्थितियों का जिक्र करते हुए लिखा कि भारतीय सैनिक 16 हजार फीट की ऊंचाई पर बर्फ से ढकी चोटियों पर दुश्मन का सामना कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर कदम देश की रक्षा के लिए उठाया गया था।

सहवाग ने अपने संदेश में लिखा, 'अगर दुनिया में

निस्वार्थ लोगों को देखना हो तो एक सैनिक की जिंदगी देखिए। वह सिर्फ इतना चाहता है कि उसके पीछे का देश सुरक्षित रहे। 527 सैनिकों ने अपनी जान दी ताकि हम आज चैन की नींद सो सकें। 27 साल बीत चुके हैं, लेकिन हम उनका कर्ज कभी नहीं भूलेंगे। उन सभी वीरों को सलाम। जय हिंद।'

केदार जाधव ने भी वीर जवानों को किया नमन

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर केदार जाधव ने भी कारगिल विजय दिवस पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लिखा कि कारगिल के रणक्षेत्र में भारतीय जवानों ने वीरता, बलिदान और देशभक्ति की अमर गाथा लिखी। जाधव ने कहा कि आज देश का तिरंगा जिस गर्व के साथ लहरा रहा है, वह इन वीर सैनिकों के बलिदान का परिणाम है।

1999 में मिला था ऐतिहासिक विजय का गौरव

कारगिल युद्ध मई से जुलाई 1999 के बीच भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ा गया था। यह संघर्ष लद्दाख के कारगिल, द्रास, बटालिक, मुश्कोह और काक्सर जैसे दुर्गम पहाड़ी इलाकों में हुआ। बेहद कठिन मौसम, बर्फीली चोटियों और चुनौतीपूर्ण हालात के बावजूद भारतीय सेना ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तानी घुसपैठियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया।

'ऑपरेशन विजय' के दौरान 527 भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी वीरता और अनुशासन की मिसाल आज भी देशवासियों को प्रेरित करती है। कारगिल विजय दिवस उन सभी अमर शहीदों के साहस और बलिदान को याद करने का अवसर है, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

छात्र बनकर आए और मचाया बवाल! कोलकाता हिंसा मामले में 11 गिरफ्तार, 70 की पहचान

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में पुलिस ने शनिवार को 11 लोगों को गिरफ्तार किया। ये गिरफ्तारियां एक दिन पहले छात्रों और युवाओं के जुलूस के दौरान हुई अशांति के सिलसिले में की गईं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से कोई भी छात्र नहीं था और दो आरोपी दूसरे राज्य भागने की योजना बना रहे थे। उन्हें पश्चिम बर्धवान जिले के अंडाल से गिरफ्तार किया गया।

पश्चिम बंगाल में कोलकाता पुलिस ने 24 जुलाई को कोलकाता में छात्रों की रैली के दौरान हुई हिंसा के मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। एडिशनल सीपी (क्राइम) कुणाल अग्रवाल ने कहा, 'कल हुई हिंसा और पत्रकारों पर हमलों के सिलसिले में कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से कोई भी छात्र नहीं है। ये सभी उपद्रवी हैं जो कल सीजेपी की रैली में मौजूद थे और तोड़-फोड़ में शामिल थे।'

गिरफ्तार किए गए 11 लोगों के नाम हैं- इरफान खुर्शीद (30), अरशद अली उर्फ साजिद (50), मो. मोइनुद्दीन (26), मो. आलमगीर उर्फ राजू (48), इमरान अहमद उर्फ गोपी (19), खालिद रजा उर्फ रिंकू (47), जमीर अहमद उर्फ मिंकू (42), मोहसिन खान (30), दीपक भौमिक उर्फ विक्की (38), मो. आजाद और मो. अफरोज।

एडिशनल सीपी (क्राइम) कुणाल अग्रवाल ने बताया कि मो. आजाद और मो. अफरोज पश्चिम बंगाल से भागने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें अंडाल के पास दुर्गापुर एक्सप्रेसवे पर पकड़ लिया गया।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी द्वारा अशांति फैलाने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देने के 24 घंटे के भीतर ही पुलिस ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहम्मद अफरोज नाम का एक आरोपी भी शामिल है। वह कोलकाता के मेतियाब्रुज के राजाबागन इलाके का निवासी है।

पुलिस ने वीडियो फुटेज देखने के बाद उसकी पहचान कर ली। पुलिस शुक्रवार से ही उसकी तलाश कर रही थी। आखिरकार, पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी युवक पश्चिम बर्धमान के अंडाल में है। इसके बाद, जांचकर्ताओं ने अंडाल के घर पर छापा मारा और उसे गिरफ्तार कर लिया। कोलकाता के गार्डन रीच इलाके के निवासी मोहम्मद आजाद को भी अंडाल से गिरफ्तार किया गया।

शुक्रवार की रात को मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी, जिसके बाद उन्होंने शनिवार की सुबह राज्य विधानसभा में एक बयान दिया। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार की अशांति के संबंध में जिन पांच गुंडों का नाम लिया है, उनमें राजबागान के मोहम्मद अफरोज का नाम भी शामिल है, जिन्हें उन्होंने 'कुख्यात बदमाश' बताया है।

गिरफ्तार किए गए शेष लोगों में अरशद अली (50) भी शामिल है, जो कोलकाता के एमहर्स्ट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन क्षेत्र का निवासी है। जोरासांको पुलिस थाना क्षेत्र से चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनकी पहचान इरफान खुर्शीद, मोहम्मद आलमगीर, इमरान अहमद और खालिद रजा के रूप में हुई है। इसके अलावा, तिलजाला से मोहम्मद मोइनुद्दीन, बेनियापुकुर से जमीर अहमद और कराया से मोहसिन खान और दीपक भौमिक को भी गिरफ्तार किया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के इस बयान पर विवाद, नेशनल कॉन्फ्रेंस ने माफी मांगने को कहा

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती पर यह आरोप लगा है कि उन्होंने आतंकवाद का हवाला देते हुए कश्मीर में प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों द्वारा किए गए बल प्रयोग या हिंसा को एक तरह से सही ठहराया है. इसको लेकर विवाद खड़ा हो गया है.

दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान महबूबा मुफ्ती ने कथित तौर पर कहा था कि कश्मीर में आतंकवाद और सुरक्षा बलों के बीच संघर्ष की स्थिति होने के कारण वहां प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग कुछ हद तक समझ में आता है. अपनी बेटी इल्तिजा मुफ्ती के साथ नई दिल्ली में जंतर-मंतर गईं मुफ्ती ने कॉकरोच जनता पार्टी (ष्द्दछ्वक्क) को समर्थन देने के दौरान यह बात कही.

हालांकि, उसी वीडियो क्लिप में मुफ्ती बिना हथियार वाले स्टूडेंट्स के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कार्रवाई की बुराई करती दिख रही हैं. मुफ्ती ने कहा, 'सिर्फ दिल्ली पुलिस ही नहीं, बल्कि दंगाई भी स्टूडेंट्स को पीटने में उनकी मदद कर रहे थे. हमने कश्मीर में कई सालों से यह देखा है, लेकिन वहां आतंकवाद है, जहां एक तरफ सुरक्षा बल हैं और दूसरी तरफ आतंकवादी हैं. इसलिए, यह कुछ हद तक समझ में आता है. लेकिन ये छात्र बिना हथियार

के, अहिंसक थे और उनके पास कोई पत्थर नहीं था. फिर भी, दिल्ली पुलिस और दंगाई उन्हें बेरहमी से पीट रहे थे. मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा.'

नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुख्य प्रवक्ता और विधायक तनवीर सादिक ने मुफ्ती की टिप्पणी के लिए उनकी आलोचना की और पीडीपी से माफी की मांग की. उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि, क्या जम्मू-कश्मीर का हर नागरिक आतंकवादी है. क्या रिजर्वेशन के मुद्दे या दूसरे मुद्दों पर प्रदर्शन करने वाले आतंकी हैं. उन्होंने महबूबा की टिप्पणी को 'शर्मनाक' बताया.

तनवीर ने कहा कि कश्मीरी भी देश के नागरिक हैं, लेकिन मुफ्ती ने कश्मीर में हर प्रदर्शनकारियों को 'मिलिटेंट' कहा है. उन्होंने कहा, 'कश्मीरी छात्र या प्रदर्शनकारी का दर्द, इज्जत और हक किसी भी दूसरे भारतीय से कम नहीं हैं. दुख की बात है कि पीडीपी अक्सर कश्मीरियों के साथ खुलकर खड़ी होने के बजाय उनके दुख को सही ठहराती रही है. यह नेतृत्व नहीं, बल्कि पद छोड़ना है.'

यह तब हुआ जब मुफ्ती और दूसरी जम्मू कश्मीर पार्टियों ने जम्मू कश्मीर को अलग राज्य बनाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शन में शामिल होने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के निमंत्रण को ठुकरा दिया था. 20 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन इस प्रदर्शन को नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने लीड किया.

एनसी नेता ने दूसरे राजनीतिक पार्टियों पर निशाना साधते हुए उन पर चुप रहने का आरोप लगाया, जबकि, नेशनल कॉन्फ्रेंस लोगों के हक के लिए लड़ रही थी. तनवीर ने कहा, 'यह दुख की बात है कि यहां बैठे कई राजनीतिक नेता अपने घरों से ट्वीट कर रहे थे.

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों की संपत्ति होगी जब्तः सीएम योगी आदित्यनाथ

फतेहपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस व समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पेपर लीक वाला नकल माफिया इन्हीं दलों की विरासत है, जिसे मिट्टी में मिला दिया जाएगा। छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के लिए केवल दो ही जगह हैं- जेल या जहन्नुम।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार नकल माफिया के खिलाफ ऐसा सख्त कानून ला रही है, जिसके तहत दोषियों को कम से कम 10 वर्ष की सजा और ?10 करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान होगा।

मुख्यमंत्री शनिवार को फतेहपुर सदर और अयाह-शाह विधानसभा क्षेत्रों के लिए ?489 करोड़ से अधिक लागत की 125 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम स्थल पर मुख्यमंत्री के पहुंचते ही 'जय श्रीराम', 'मोदी-योगी जिंदाबाद' के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने विकास परियोजनाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया, विभिन्न स्टॉल्स पर लोगों से बातचीत की तथा बच्चों को गोद में लेकर दुलार किया, उन्हें तिलक लगाया और खिलौने भेंट किए। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन्होंने युवाओं का शोषण किया, छात्रों के

सामने अंधकारमय जीवन खड़ा किया, पूरी की पूरी पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, वही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस आज घड़ियाली आंसू बहाने का काम कर रही हैं। हम प्रधानमंत्री जी के आभारी हैं, जिन्होंने छात्रों के भविष्य को देखते हुए पिछले तीन दिनों में बड़े-बड़े निर्णय लिए हैं। ये नकल माफिया मिट्टी में मिलेंगे, कोई रोक नहीं सकता इन माफिया को मिट्टी में मिलने से। ये नकल माफिया कांग्रेस व सपा की विरासत हैं। इन्होंने ही माफिया को पाला-पोसा और संरक्षण दिया था।

पेपर लीक पर पीएम मोदी जी ने उठाए कड़े कदमः मुख्यमंत्री ने कहा कि नीट परीक्षा समय सीमा के भीतर कराई गई, ताकि छात्रों का पूरा वर्ष खराब न हो, और निर्धारित समय सीमा में उसका परिणाम भी घोषित कर दिया गया। कुछ माफिया ने प्रश्नपत्र लीक कराया था, उनकी गिरफ्तारी हुई और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के तमाम अधिकारियों को बर्खास्त किया गया। कुछ लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनकी संपत्तियां जब्त होंगी और उन्हें सजा मिलेगी। ये छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखकर पीएम मोदी जी द्वारा उठाए गए कड़े कदम हैं। मैं उनका हृदय से स्वागत करता हूं, अभिनंदन करता हूं और आभार व्यक्त करता हूं।

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी जी ने छात्रों व युवाओं के लिए पिछले 12 वर्षों में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री स्टार्टअप योजना और प्रधानमंत्री स्टैंडअप योजना के माध्यम से भारत के नौजवानों में आशा की नई किरण जगाई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति देकर नौजवानों को वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने का अवसर दिया।

कारगिल हीरो विक्रम बतरा समेत हिमाचल के 52 जवान हुए थे देश के लिए बलिदान

शिमला, एजेंसी। कारगिल विजय दिवस भारत की सैन्य जीत के साथ उन वीर सैनिकों के अद्वितीय साहस और बलिदान का स्मरण है, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए प्राण न्योछावर किए। 1999 के कारगिल युद्ध में हिमाचल प्रदेश के 52 जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया, जिनका योगदान पूरे देश को गौरवान्वित करता है। ऑपरेशन विजय के दौरान कारगिल की दुर्गम और बर्फीली चोटियों पर दुश्मन को खदेड़ने में हिमाचल के सैनिकों ने असाधारण वीरता दिखाई।

सबसे अधिक 15 जवान कांगड़ा और 12 जवान मंडी जिले से बलिदान हुए। इसके अतिरिक्त हमीरपुर, बिलासपुर, शिमला, ऊना, सोलन, सिरमौर, चंबा और कुल्लू के वीरों ने भी शौर्य का परिचय दिया। विक्रम बतरा को मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। उनका उद्घोष 'ये दिल मांगे मोर' आज भी भारतीय सेना के साहस का प्रतीक है। बिलासपुर के सूबेदार मेजर (तत्कालीन राइफलमैन) संजय कुमार को भी दुश्मन के बंकरों पर कब्जा करने में दिखाई गई वीरता के लिए परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया।

चीन से हुए युद्ध में भी दिखाया था जोश= कारगिल युद्ध के रणनीतिकार रहे ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर का कहना है कि कारगिल ही नहीं, पाकिस्तान और चीन के साथ हुए युद्ध में भी हिमाचल के सैनिकों ने बहादुरी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल कायम की है। भारतीय सेना में हिमाचल के जवानों को उनके साहस और समर्पण के लिए विशेष सम्मान प्राप्त है। कैप्टन अमोल कालिया, स्व. हवलदार उद्धम सिंह, राइफलमैन श्याम सिंह, मेजर संजीव सिंह व राइफलमैन मेहर सिंह। स्व. नायक अश्विनी कुमार, स्व. कैप्टन दीपक गुलेरिया, स्व. हवलदार डोला राम, पूर्व नायक दलीप सिंह, मेजर जनरल कुलवीर सिंह, ब्रिगेडियर अनिल कायस्थ, पूर्व नायब सूबेदार श्रवण सिंह, नायक अजय पठानिया व पूर्व आनरेरी कैप्टन खूब राम।

सक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में सेना का बढ़ा दबदबाः क्या शहबाज से छिनी सबसे बड़ी ताकत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने अपने रक्षा ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए परमाणु हथियारों और रणनीतिक मिसाइल प्रणाली की ऑपरेशनल कमान सेना को सौंप दी है। नए कानून के तहत नेशनल स्ट्रैटेजिक कमांड (एनएससी) का गठन किया गया है, जिसकी कमान सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के पास होगी। 27वें संविधान संशोधन के बाद एनएससी का गठन किया गया है, जिसके तहत परमाणु हथियारों और अन्य महत्वपूर्ण रणनीतिक संसाधनों का संचालन अब सीधे केंद्रीय सैन्य कमान के अधीन होगा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लेफ्टिनेंट जनरल आमिर रजा को फोर-स्टार जनरल के रूप में पदोन्नत कर इस नई कमान का पहला कमांडर नियुक्त किया है। नया ढांचा काफी हद तक चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के मॉडल पर तैयार किया गया पहले पाकिस्तान का परमाणु कार्यक्रम नेशनल कमांड अथॉरिटी (एनसीए) के अधीन था, जिसके अध्यक्ष देश के प्रधानमंत्री होते थे। परमाणु हथियारों के इस्तेमाल या उनकी तैनाती का अंतिम फैसला प्रधानमंत्री करते थे। अब नए सैन्य पुनर्गठन के तहत गठित एनएससी ने वास्तविक कमान संभाल ली है। प्रधानमंत्री की भूमिका अब केवल सूचना प्राप्त करने तक सीमित रह गई है। निर्णय लेने की मुख्य शक्ति अब चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के पास है।

चीन को पहले ही बताया जा चुका है सुरक्षा चुनौती

बीजिंग, एजेंसी। नाटो के 32 सदस्य देशों में कनाडा और बेल्जियम दोनों शामिल हैं। वर्ष 2021 में नाटो ने अपनी रणनीतिक समीक्षा में चीन को रूस और मध्य-पूर्व से जुड़े खतरों के साथ एक प्रमुख सुरक्षा चुनौती बताया था। जिस सैन्य मुख्यालय में यह मामला सामने आया, उसे सुप्रीम हेडक्वार्टर एलाइड पावर्स यूरोप कहा जाता है। वहीं, संगठन का राजनीतिक मुख्यालय ब्रुसेल्स में है, जहां सदस्य देशों के राजदूत रक्षा खर्च, ड्रोन घुसपैठ, साइबर सुरक्षा और अन्य रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा करते हैं। ऐसे संवेदनशील सैन्य केंद्र में कथित जासूसी का मामला सामने आने से नाटो की आंतरिक सुरक्षा, खुफिया निगरानी और सदस्य देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को लेकर बहस तेज होने की संभावना है।

कैस्पियन सागर में जहाज पर यूक्रेन के हमले से बौखलाया ईरान, जवाबी कार्रवाई की चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका पर ईरान ने गंभीर आरोप लगाए हैं। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शनिवार को (स्थानीय समय) कहा, अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य में अनाधिकृत वैकल्पिक मार्ग स्थापित करके जून में हुए 'इस्लामाबाद समझौते' का जानबूझकर उल्लंघन कर रहा है। वाणिज्यिक जहाजों को तेहरान के निर्धारित गलियारों से दूर मोड़कर समझौते के अनुच्छेद 5 का स्पष्ट उल्लंघन किया गया। ये वाशिंगटन की साधारण गलतफहमी से कहीं अधिक थी। ऐसा लगता है कि उन्होंने ईरान द्वारा निर्धारित जलमार्ग से इतर अन्य रास्ते को तैयार करने पर जोर दिया ताकि होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित किया जा सके। विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिकी सेना ने सक्रिय रूप से जहाजों को दूसरी दिशा में वैकल्पिक मार्ग पर जाने का निर्देश दिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान की योजनाओं को फिलहाल स्थगित कर दिया है। पश्चिम एशिया में कार्रवाई के लिए पेंटागन (अमेरिकी रक्षा विभाग) के वायु रक्षा भंडारों में गंभीर कमी के कारण ये फैसला लिया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने अमेरिकी रक्षा अधिकारियों की बढ़ती चेतावनियों के मद्देनजर व्यापक आक्रमण से बचने का विकल्प चुना है। न्यूयॉर्क

टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, पैट्रियट एंटीमिसाइल इंटरसेप्टर की आपूर्ति खतरनाक रूप से कम होने का खतरा है। ऐसा होने पर अमेरिकी सैनिकों, खाड़ी देशों में सहयोगियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर जवाबी हमले हो सकते हैं।

शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों और सैन्य कमांडरों के बीच निजी विचार-विमर्श में पैट्रियट इंटरसेप्टर और क्षेत्र में तैनात अन्य रक्षा प्रणालियों की घटती संख्या को लेकर चर्चा की गई। न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा, जॉर्डन में ईरानी ड्रोन और मिसाइलों की बौछार के दौरान दुश्मन की एक बैलिस्टिक मिसाइल ने अमेरिकी रक्षा पंक्ति को भेद डाला। यहां तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत के बाद चिंताएं और बढ़ गईं। अमेरिकी ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने निजी तौर पर ट्रंप को हमले रोकने की सलाह दी है।

हालांकि डैन ने ये भी कहा है कि ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान चलाना संभव हैं, लेकिन इससे अमेरिकी सेंट्रल कमांड के सामने इंटरसेप्टर आपूर्ति का संकट पैदा हो सकता है। इन बिंदुओं पर अमेरिकी प्रशासन के रुख के बारे में व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप हमेशा से कहते रहे हैं कि वे राजनयिक समाधान को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में या सहयोगियों के खिलाफ हमले या आतंकी गतिविधियां जारी रखता है तो अमेरिका के सामने सभी विकल्प खुले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ नए हवाई हमलों पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। यह निर्णय 13 दिनों से जारी सैन्य कार्रवाई के बीच आया है। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप का यह आदेश ओमान के एक प्रतिनिधिमंडल के तेहरान पहुंचने के कुछ घंटों बाद आया।

यूपी में शिवालयों की सुरक्षा हुई हाईटेक, सीसीटीवी कैमरों से निगरानी

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ में शिवालयों की सुरक्षा हाईटेक करने के साथ ही सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही है। खेरेश्वर, अचलेश्वर मंदिर व भूमियां बाबा आश्रम पर डीएम-एसएसपी ने व्यवस्थाएं देखीं। बैरिकेडिंग, प्रवेश-निकास मार्ग, सीसीटीवी का लिया जायजा लिया। यूपी के अलीगढ़ में श्रावण मास को लेकर पुलिस प्रशासन ने शासन के निर्देशानुसार तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिले के सभी प्रमुख शिवालय जहां कांवड़ियों व भोले के भक्तों की भीड़ उमड़ती है। वह सभी सीसीटीवी की निगरानी में रहेंगे। मंदिरों में प्रवेश-निकास मार्ग बनाएं जाएंगे। शनिवार को डीएम व एसएसपी ने प्राचीन खेरेश्वर मंदिर, अचलेश्वर मंदिर व भूमियां बाबा आश्रम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम अविनाश कुमार व एसएसपी नीरज कुमार जादौन शनिवार को श्रावण मास के दृष्टिगत खेरेश्वर एवं अचलेश्वर महादेव मंदिर का स्थलीय निरीक्षण करने पहुंचे। इन दोनों मंदिरों पर श्रावण मास को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को यहां पर भोले के भक्तों का मेला लगता है। जलाभिषेक करने के लिए दूर-दराज से भक्त आते हैं। वहीं कावड़िए भी काफी संख्या में पहुंचते हैं। अधिकारियों को मंदिर प्रबंधन समिति से समन्वय करते हुए मंदिर परिसर में साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, प्रवेश-निकास मार्ग, भीड़ प्रबंधन, सीसीटीवी निगरानी, पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इसके बाद डीएम व एसएसपी कांवड़ शिव भक्तों द्वारा किए जाने वाले जलाभिषेक को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से भूमियां बाबा मंदिर का स्थलीय निरीक्षण करने पहुंचे। अधिकारियों ने मंदिर परिसर में साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, प्रवेश-निकास मार्ग, भीड़ प्रबंधन, सीसीटीवी निगरानी, पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था का जायजा लिया। डीएम ने निर्देश दिए कि श्रावण में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं।

क्या भारत-नेपाल यात्रा के नियमों में होंगे बदलाव? बालेंद्र सरकार ने नई दिल्ली से किया ये अनुरोध

अभी भारत-नेपाल यात्रा के लिए क्या नियम

काठमांडू, एजेंसी। भारत और नेपाल के बीच लोगों की आवाजाही को और आसान बनाने की दिशा में एक नई पहल सामने आई है। नेपाल की बालेंद्र सरकार ने नई दिल्ली से अनुरोध किया है कि नेपाली नागरिकों के बायोमेट्रिक नेशनल आइडेंटिटी (एनआईडी) कार्ड को भी सीमा पार यात्रा के लिए आधिकारिक दस्तावेज के रूप में मान्यता दी जाए। अगर भारत इस प्रस्ताव को मंजूरी देता है तो भविष्य में दोनों देशों के बीच यात्रा के नियमों में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है और नेपाली नागरिकों के लिए भारत आना-जाना पहले से अधिक आसान हो जाएगा।

नेपाल सरकार ने यह प्रस्ताव कूटनीतिक माध्यम से भारत को भेज दिया है और अब नई दिल्ली के जवाब का इंतजार किया जा रहा है। नेपाल के आव्रजन विभाग के महानिदेशक रामचंद्र तिवारी ने कहा कि यह प्रस्ताव विदेश मंत्रालय के जरिए भारत को भेजा गया है। उनका कहना है कि सरकार भविष्य में नागरिकता प्रमाणपत्र की जगह केवल एक आधुनिक, सुरक्षित और तकनीक आधारित पहचान पत्र लागू करना चाहती है। इसी वजह से भारत से अनुरोध किया गया है कि एनआईडी कार्ड को हवाई और सड़क दोनों मार्गों से यात्रा के लिए मान्यता दी जाए। फिलहाल भारत आने वाले नेपाली नागरिकों को, खासकर हवाई यात्रा के दौरान, वैध पासपोर्ट या मूल नागरिकता प्रमाणपत्र दिखाना अनिवार्य होता है। दूसरी ओर नेपाल जाने वाले भारतीय नागरिकों को पासपोर्ट या फोटोयुक्त मूल मतदाता पहचान पत्र प्रस्तुत करना पड़ता है। दोनों देशों के नागरिकों को एक-दूसरे के यहां जाने के लिए वीजा की जरूरत नहीं होती, लेकिन यात्रा के दौरान तय पहचान दस्तावेज साथ रखना अनिवार्य है। नेपाल का मानना है कि एनआईडी कार्ड को मान्यता मिलने से यह प्रक्रिया और आसान हो जाएगी।

नेपाल एनआईडी कार्ड को क्यों बनाना चाहता है यात्रा का आधारः नेपाल सरकार धीरे-धीरे नेशनल आइडेंटिटी

कार्ड को सभी प्रमुख सरकारी सेवाओं के लिए अनिवार्य बना रही है। बैंकिंग, भूमि पंजीकरण, पासपोर्ट जारी करने और कई अन्य सरकारी सेवाओं में इस कार्ड का इस्तेमाल बढ़ाया जा रहा है। सरकार की योजना है कि भविष्य में नागरिकता प्रमाणपत्र की जगह यही एकमात्र आधिकारिक पहचान पत्र बने। रामचंद्र तिवारी ने कहा, 'लंबे समय में हमारे पास एक ही पहचान पत्र होगा, जो नागरिकता प्रमाणपत्र की जगह लेगा। यह पूरी तरह सत्यापित, सुरक्षित और तकनीक के अनुकूल है। इसलिए हमने भारत से अनुरोध किया है कि हवाई और सड़क दोनों मार्गों से यात्रा के दौरान इसका उपयोग स्वीकार किया जाए।'

भारत की प्रतिक्रिया और आगे क्या हो सकता हैः नेपाल के वरिष्ठ आव्रजन अधिकारियों के अनुसार, इस सप्ताह भारत के दूतावास का एक प्रतिनिधिमंडल नेपाल के आव्रजन विभाग के अधिकारियों से मिला था। अधिकारियों का कहना है कि भारतीय पक्ष ने इस पहल पर सकारात्मक रुख दिखाया और बताया कि प्रस्ताव को नई दिल्ली में निर्णय लेने वाले स्तर तक भेज दिया गया है। दोनों देशों के अधिकारियों के बीच सीमा पार यात्रा का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखने और लोगों की आवाजाही को बेहतर ढंग से व्यवस्थित करने पर भी चर्चा हुई है। हालांकि भारत की ओर से अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। नेपाल का बायोमेट्रिक नेशनल आइडेंटिटी कार्ड फिंगरप्रिंट, चेहरे की पहचान और आंखों की पुतली की पहचान जैसी आधुनिक तकनीक से लैस है। इसकी शुरुआत वर्ष 2009 में पंचथर जिले और सरकारी कर्मचारियों के बीच पायलट परियोजना के रूप में हुई थी। अब तक 45 लाख से अधिक नेपाली नागरिकों को यह कार्ड जारी किया जा चुका है, जबकि करीब दो करोड़ लोगों ने इसके लिए आवेदन किया है। रामचंद्र तिवारी ने कहा, 'भले ही अभी सभी नागरिकों को एनआईडी कार्ड नहीं मिला है, लेकिन यह सुरक्षित और तकनीक के अनुकूल है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,